शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 17 दिसंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-344

बेगमबेजार

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गोशामहल, बेगमबाजार और जामबाग कार्पोरेटर सीटें अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आवंटित करने की माँग जोर पकड रही है। एससी नेताओं का तर्क है कि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में अनुसूचित वर्ग की जनसंख्या अधिक है और पिछले चुनावों में इस जाति को कोई प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया था। उन्होंने भारतीय संविधान में उल्लेखित समानता के अधिकार का हवाला देते हुए उक्त माँग की। उनका कहना है कि इन वार्डों को एससी वर्ग के लिए आरक्षित कर इस पिछडे समाज को भी शासन में भागीदारी दी जाए। ज्ञातव्य है कि वर्तमान में दत्त-त्रेयनगर और गोशामहल पिछडा वर्ग (बीसी) सामान्य, मंगलहाट बीसी महिला सामान्य, बेगमबाजार व जामबाग सामान्य, जबकि गनफाउंड्री महिला सामान्य के लिए आवंटित है।

SC वार्ड बनाने की माँग ने पकड़ा ज़ोर

फिलहाल इस विधानसभा क्षेत्र को काटकर बनाये गये एक्जीबिशन ग्राउंड वार्ड को किस केटेगरी में रखा जाएगा, यह स्पष्ट नहीं है। बताया जाता है कि पहले धूलपेट (अब मंगलहाट) क्षेत्र एससी समुदाय के लिए आरक्षित हुआ करता था, किन्तु पिछले कुछ चुनावों से इस वर्ग की अनदेखी हुई, जिसे एससी जाति के नेता अन्यायपूर्ण बता रहे हैं।

गौरतलब है कि गोशामहल, बेगमबाजार और जामबाग इन तीनों ही क्षेत्रों में सामान्य श्रेणी के लोगों विशेषकर हिन्दीभाषियों का वर्चस्व रहा है। यहाँ से लाल सिंह (भाजपा), शंकर यादव (भाजपा) व राकेश जायसवाल (भाजपा) कार्पोरेटर हैं। भाजपा का गढ होने के कारण ही गोशामहल क्षेत्र पर सभी की निगाहें टिकी होती हैं। भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने यहाँ से तीन बार जीत हासिल की। जीएचएमसी के वार्डों की संख्या 150 से बढाकर 300 किये जाने की मंशा कांग्रेस और एमआईएम मजलिस को मजबूत करना तो है ही, भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) और बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) को कमजोर करना भी हो सकता है। यही कारण है कि एससी रिजर्वेशन की पैरवी करने वालों ने जानबूझकर बेगमबाजार, गोशामहल और जामबाग को निशाना बनाने की ठानी। इस बाबत जीएचएमसी सर्किल 14 के डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर उमा प्रकाश घंटशाला को एससी नेताओं ने ज्ञापन भी सौंपा।

उधर, 2026 की शुरुआत में संभावित जीएचएमसी चुनावों के मद्देनजर कार्पोरेटर बनने के इच्छुक द्वितीय श्रेणी के नेताओं ने क्षेत्र के दिग्गजों के पास चक्कर लगाने शुरू कर दिये हैं। साथ ही जनता के बीच दिखने/दिखाने की होड भी तेज हो गई है। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 6 कार्पोरेटर सीटों (इस बार सात) में से 5 पर भाजपा का कब्जा है। माना जा रहा है कि इस बार भी कमोबेश यही स्थिति रहेगी, यदि रिजर्वेशन में कोई फेरबदल नहीं हुआ तो भाजपा अपनी सभी सीटें बचा सकती हैं। हालांकि भाजपा पार्षद इस दुविधा में हैं कि चूंकि उनके विधायक और नेता राजा सिंह फिलहाल पार्टी से निलंबित हैं तो उन्हें टिकट कौन देगा? साथ ही नये उभरते नेता इस सोच में हैं कि उनकी किस्मत के ताले की चाबी किसके पास होगी? भाजपा को अपना गढ़ बचाना हो तो न केवल रिजर्वेशन को अपने हक में बनाये रखना होगा, बल्कि राजा सिंह को लेकर बनी दुविधा भी दूर करनी होगी।

गोशामहल और जामबाग पर भी नज़र

पीएम मोदी अच्छे दोस्त और भारत अहम रणनीतिक साझेदार : डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में अमेरिकी दूतावास ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताया है और अपने ग्रेट फ्रेंड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की है।

भारत में अमेरिकी दूतावास ने एक पोस्ट में बताया कि ट्रंप ने भारत को एक मअद्भुत देशफ कहा है, जो दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक का घर है। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक पोस्ट में कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक का घर है। यह एक अद्भुत देश है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। प्रधानमंत्री मोदी के रूप में हमें एक महान मित्र प्राप्त हुए हैं।

ट्रंप की यह प्रशंसा प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की। 11 दिसंबर को दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर मजबूती पर संतोष व्यक्त किया और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बातचीत के दौरान, दोनों नेत-ाओं ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों में मजबूत गति बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। ▶10पर

अमेरिका ने भारत को सौंपे 3 लड़ाकू अपाचे हेलीकॉप्टर

भारतीय सेना की ताकत में मंगलवार को और ज्यादा इजाफा हो गया है। अमेरिका ने तीन एएच-64ई अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों को भारतीय सेना को डिलीवर कर दिया है। अमेरिका द्वारा हेलीकॉप्टरों की ये दूसरे बैच की डिलीवरी की गई है और इसके साथ ही सेना को अब सभी 6 हेलीकॉप्टर मिल गए हैं। आपको बता दें कि भारत ने अमेरिका के साथ 6 अपाचे हेलीकॉप्टरों का सौदा किया था। मंगलवार को अपाचे हेलिकॉप्टरों का दूसरा बैच गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर उतरा। इन हेलीकॉप्टरों को राजस्थान के ▶10पर

लोकसभा में 71 पुराने कानूनों को निरस्त करने वाला विधेयक पारित, विपक्ष ने उठाए ये सवाल

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा ने मंगलवार को शीतकालीन सत्र के 12वें दिन 71 पुराने कानूनों को रद्द करने के लिए गठित रिपीलिंग एंड अमेंडिंग बिल, 2025 को पास कर दिया है। कानून और विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बिल को पेश करते हुए कहा कि यह बिल पुराने कानूनों को निरस्त करता है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के पावर में आने के बाद 1,562 ऐसे कानून अब तक रद्द किए जा चुके हैं और 15 कानूनों में सुधार किया गया है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य उपनिवेशवाद के प्रभावों को पलटना है।

मेघवाल ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि एक कानून ऐसा था जिसके अनुसार यदि कोलकाता, मद्रास और मुंबई में किसी हिंदू, बौद्ध, सिख, जैन या पारसी द्वारा वसीयत बनाई जाती थी, तो उसका प्रमाणीकरण कराना जरूरी था। उन्होंने आगे कहा कि अन्य समुदायों को इससे छूट दी गई थी।

पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च ने बताया कि बिल के उद्देश्यों और कारणों के विवरण में यह नहीं बताया गया है कि ये कानून अब लागू नहीं हैं, अप्रचलित हो चुके हैं, या इन्हें अलग अधिनियमों के रूप में बनाए रखना आवश्यक नहीं है। इसमें यह भी कहा गया है कि इनमें से 65 संशोधन एक्ट हैं, जिनके बदलाव पहले ही मूल अधिनियमों में शामिल किए जा चुके हैं।

रद्द किए जा रहे अन्य कानूनों में भारतीय ट्रामवे एक्ट, 1886, लेवी चीनी मूल्य समतुल्यकरण निधि एक्ट, 1976 और भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (कर्मचारियों की सेवा शर्तों का निर्धारण) एक्ट, 1988 शामिल हैं।

इसमें आगे कहा गया है, बिल चार एक्ट में संशोधन भी करता है। यह जनरल क्लॉज एक्ट 1897 और सिविल प्रोसिजर कोड, 1908 में संसोधन करता है, जिससे रजिस्टर्ड डाक के लिए शब्दावली अपडेट की जा सके। इंडियन सक्शेसन एक्ट, 1925 में कुछ मामलों में कोर्ट द्वारा वसीयत के वेरीफिकेशन की जरूरत को खत्म करने के लिए संशोधन किया जा रहा है। बिल डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005 में एक मसौदा त्रुटि को सुधारने के लिए भी संशोधन करता है ▶10पर

पीएम मोदी को इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान ग्रेट ऑनर निशान, 8 अहम समझौतों पर भी मुहर

अदीस अबाबा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक लोकप्रियता और कूटनीतिक प्रभाव का एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर असर देखने को मिला है। इथियोपिया की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रेट ऑनर निशान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारत और इथियोपिया के बीच सदियों पुराने संबंधों तथा प्रधानमंत्री मोदी के ङ्गग्लोबल साउथफ के नेतृत्व को दी गई एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय मान्यता के रूप में देखा जा रहा है। इस सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी को अब तक दुनिया के विभिन्न देशों से मिले सर्वोच्च सम्मानों की संख्या 28 हो गई है।

अदीस अबाबा में प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबिय अहमद अली ने न केवल पारंपरिक ङ्गकॉफी सेरेमनीफ के माध्यम से उनका अभिनंदन किया, बल्कि उन्हें देश का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान कर यह संदेश भी दिया कि

भारत इथियोपिया के लिए कितना महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उन सभी भारतीयों और इथियोपियाई नागरिकों को समर्पित है, जिन्होंने वर्षों से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को सहेज कर रखा और उन्हें मजबूत किया। इस सम्मान से नवाजे जाने पर उन्होंने 1.4 अरब भारतीयों की ओर से हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। इस पुरस्कार की घोषणा भारत और इथियोपिया के बीच घनिष्ठ साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। इसे वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के सकारात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाने की दिशा में भी एक अहम कदम बताया जा रहा है।

ग्रेट ऑनर निशानफ सम्मान की शुरुआत इथियोपिया के सम्राट मेनेलिक द्वितीय ने वर्ष 1884-85 में की थी। इसे मूल रूप से द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ इथियोपिया के नाम से भी जाना जाता है। यह सम्मान परंपरागत रूप से विदेशी राजाओं, राष्ट्राध्यक्षों और उन विशिष्ट व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने इथियोपिया की सेवा की हो या द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया हो।

प्रधानमंत्री मोदी अब उन चुनिंदा वैश्विक नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। ▶10पर

दिल्ली हवाई अड्डे पर 126 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार सुबह 126 उड़ानें रद्द रहीं।हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि दोपहर 12 बजे तक दिल्ली से जाने वाली 49 घरेलू उड़ानें और दिल्ली आने वाली 77 उड़ानें अब तक रद्द रही हैं। आज हालांकि सोमवार की तरह घना कोहरा नहीं छाया रहा, लेकिन सोमवार को हुई देरी और रद्द रही उड़ानों का असर परिचालन पर देखने को मिला। इसके अलावा, कुछ असर आज की कम दृश्यता का भी रहा है।

सोमवार को 228 उड़ानें रद्द रही थीं जिनमें 131 जाने वाली और 97 आने वाली उड़ानें थीं। इसके अलावा पांच उड़ानों को दूसरे शहरों के लिए डायवर्ट करना पड़ा था। दिल्ली एयरपोर्ट की तरफ से दोपहर के समय सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया गया है कि अब विमानों का परिचालन निर्बाध रूप से हो रहा है लेकिन सुबह रही देरी का कुछ असर आगे भी देखा जा सकता है।

कार्टून कॉर्नर

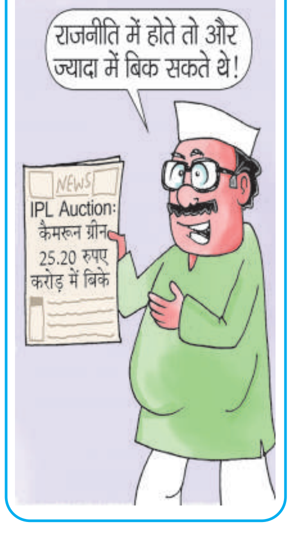

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल को राहत, कांग्रेस ने सत्य की जीत बताया

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत से कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी को बड़ी राहत मिलने पर पार्टी ने इसे सत्य की जीत करार दिया है।गौरतलब है कि अदालत ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार तथा अन्य के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया।

अदालत के इस फैसले को कांग्रेस ने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया पर सत्य की जीत बताया है। पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार की बदनीयत और गैरकानूनी तरीके से की गई कार्यवाही पूरी तरह से बेनकाब हो गई है। कांग्रेस ने लिखा, माननीय अदालत ने यंग इंडियन मामले में कांग्रेस नेतृत्व श्रीमती सोनिया गांधी और श्री राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की कार्यवाही ▶10पर

सिडनी बीच शूटिंग: संदिग्ध हमलावर का मूल संबंध हैदराबाद से

हैदराबाद, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सिडनी के बॉन्डी बीच शूटिंग घटना के दो हमलावरों में से एक, पचास वर्षीय साजिद अकरम, 27 साल पहले हैदराबाद से ऑस्ट्रेलिया गया था। ऑस्ट्रेलिया में शादी करने के बाद उन्होंने टॉलीचौकी स्थित अल हसनथ कॉलोनी में अपने परिवार के सदस्यों से संबंध तोड़ लिया था।

अकरम ने हैदराबाद में अपनी बी.कॉम की डिग्री पूरी की और लगभग 27 साल पहले, नवंबर 1998 में, रोज़गार की तलाश में

ऑस्ट्रेलिया चले गए। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया में स्थायी रूप से बसने से पहले यूरोपीय मूल की महिला वेनेरा ग्रोसो से शादी कर ली। उनके एक बेटा, नवीद (दोनों हमलावरों में से एक) और एक बेटी हैं। साजिद अकरम के पास वर्तमान में भारतीय पासपोर्ट है, जबकि उनका बेटा नवीद अकरम और बेटी ऑस्ट्रेलिया में पैदा हुए हैं और वे ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं। भारत में उनके रिश्-तेदारों से मिली जानकारी के अनुसार, साजिद अकरम का पिछले 27 वर्षों में हैदराबाद में अपने परिवार से सीमित संपर्क था। ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद वह छह बार भारत आए, मुख्य रूप से संपत्ति संबंधी मामलों और अपने बुजुर्ग माता-पिता से मिलने जैसे पारिवारिक कारणों से। ▶10पर

भक्तामर द मिरेकल वाइब्रेशन्स नामक एक दिव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु साउथ चैप्टर फाउंडेशन द्वारा रविवार को केजी रोड स्थित एफकेकेसीआई ऑडिटोरियम में भक्तामर द मिरेकल वाइब्रेशन्स नामक एक दिव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन आध्यात्म और विज्ञान का अनूठा संगम रहा, जिसका उद्देश्य भक्तामर स्तोत्र एवं नवकार मंत्र की गूढ़ शिक्षाओं के माध्यम से सदस्यों एवं सहभागियों को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र के मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात जीतो के गणमान्य पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी जीतो पदाधिकारियों, सदस्यों, उनके परिवारजनों एवं विभिन्न संस्थानों के प्रमुखों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हमारी प्राचीन आध्यात्मिक धरोहर को सुरक्षित रखना एवं उसे जन जन तक पहुंचाना है। सोलंकी ने यह भी कामना व्यक्त की कि यह कार्यक्रम सभी सहभागियों के आगामी जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का शुभारंभ सिद्ध हो तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का व्यापक संचार करे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमरेश मेहता, जो विश्वविख्यात वास्तु एनर्जी डायनेमिक्स ऑडिटर एवं न्यूमेरोलॉजिस्ट हैं, ने भक्तामर स्तोत्र एवं नवकार मंत्र की शक्ति पर गहन एवं प्रभावशाली उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा जैन मंत्र केवल जप नहीं हैं, बल्कि ये शक्तिशाली वाइब्रेशन्स हैं, जो वास्तविक समय में ऊर्जा को परिवर्तित करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने बताया कि इन मंत्रों के नियमित अभ्यास से तनाव में कमी, मानसिक शांति, स्पष्टता, समृद्धि एवं सफलता को सक्रिय किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रोताओं ने मुख्य वक्ता डॉ. अमरेश मेहता से भक्तामर स्तोत्र, नवकार मंत्र, ऊर्जा संतुलन एवं व्यक्तिगत अनुभवों से संबंधित अनेक जिज्ञासाएं एवं प्रश्न पूछे। डॉ. मेहता ने सभी प्रश्नों का अत्यंत सरल, स्पष्ट एवं प्रभावशाली ढंग से उत्तर दिया, जिससे श्रोताओं को विषय की गहरी समझ प्राप्त हुई और उनकी आस्था एवं विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ। इस अवसर पर जीतो साउथ चैप्टर की ओर से कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमरेश मेहता का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जीतो एपेक्स सचिव श्रीपाल बच्छावत, एपेक्स डायरेक्टर एवं केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीन बाफना, श्रमण आरोग्यम चेयरमैन रमेश हरण, जीतो जॉब्स चेयरमैन विनोद पोखरणा, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चीफ सेक्रेटरी विजय सिंघवी, जीतो बेंगलूरु साउथ एवं नॉर्थ के मैनेजिंग कमेटी सदस्य, जेएलडब्ल्यू एवं यूथ विंग कमेटी सदस्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

धर्मश्री में संगठनात्मक बैठक आयोजित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संयुक्त सचिव एवं अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख सपन कुमार मुखर्जी ने उत्तर कर्नाटक प्रवास के दौरान प्रांत कार्यालय धर्मश्री में संगठनात्मक बैठक की। बैठक में प्रान्त अध्यक्ष लिंगराज अप्पा, उपाध्यक्ष गोवर्धन राव एवं गंगाधर हेगड़े, प्रांतीय कार्यदर्शी शिवकुमार बी., प्रांतीय सेवा प्रमुख शिवकुमार एम., हुब्बल्ली महानगर सेवा प्रमुख गंगाधर शेट्टर, पूर्व सेवा प्रमुख सुभाष डंक, राजू सूर्यवंशी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगठनात्मक गतिविधियों, सेवा कार्यों की प्रगति तथा आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई। मुखर्जी ने कार्यकर्ताओं को समाज सेवा एवं राष्ट्रहित में समर्पण भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

हम है श्याम के दीवाने 21 दिसम्बर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय धार्मिक संस्था श्याम दीवाने के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयनगर स्थित होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन, विजयनगर के पास बसेश्वर सुगनाना कल्याण मंडप में 21 दिसम्बर को कोलकाता के कारीगरों द्वारा बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाया जाएगा। इस अवसर पर दोपहर 3 बजे से संस्थापक सदस्य परिवारों द्वारा पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। इसके साथ भजनों की भक्ति में मेहमान गायक मनोज मिश्रा मुंबई, अभिषेक नामा जयपुर के साथ दिल्ली के जानेमाने संगीतकार नरेश पुनिया एंड पार्टी संगीत का साथ देगी। इस 13 वें वार्षिकोत्सव को यादगार बनाने के लिए श्याम दीवाने के सदस्यगण और श्याम भक्त जोरशोर से तैयारी में जुटे हुए हैं।

सुमधुरा प्लेकनेक्ट एक अनोखा खेल नेटवर्किंग इवेंट आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो प्रोफेशनल फोरम (जेपीएफ) बेंगलूरु ने सफलतापूर्वक सुमधुरा प्लेकनेक्ट एक अनोखा खेल नेटवर्किंग इवेंट, इन्सपोर्ट्र्ज एरिना, व्हाइटफील्ड में आयोजित किया। इस इवेंट में लगभग 300 प्रोफेशनल लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें फिटनेस, नेटवर्किंग और समुदाय के बंधन को एक मंच पर लाया गया। इस इवेंट का उद्घाटन जीतो बेंगलूरु साउथ कमेटी के सदस्य और जेपीएफ कन्वीनर रौनक गुलेचा, जेपीएफ बेंगलूरु चेयरमैन हरि किशन छाजेड, मुख्य सचिव प्रेक्षा भंडारी और जीतो जेपीएफ एपेक्स संयुक्त सचिव अक्षय मेहता ने किया। इवेंट कन्वीनर्स अवनीप मेहता और हितेश बोहरा ने पूरे दिन सहज समन्वय और उच्च भागीदारी सुनिश्चित की। सुमधुरा प्लेकनेक्ट में 8 रोमांचक खेल शामिल थे, जिनमें क्रिकेट, पिकल बॉल, पैडल टेनिस, बैडमिंटन, टेबल टेनिस आदि शामिल थे। इस इवेंट की एक प्रमुख विशेषता सभी खेलों में महिला उम्मीदवारों की सक्रिय भागीदारी थी, जो जेपीएफ बेंगलूरु साउथ की समावेशिता और समान भागीदारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस इवेंट को पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान और ओलंपियन जूड फेलिक्स की उपस्थिति ने और भी ऊंचाई दी। उनके साथ एक प्रेरणादायक और इंटरैक्टिव सत्र हितेश बोहरा द्वारा संचालित किया गया, जिसमें नेतृत्व, अनुशासन, टीम वर्क और खेल के माध्यम से उत्कृष्टता पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। एक दिन भर प्रतिस्पर्धी भावना और सौहार्द से भरे रहने के बाद, पीसी छाजेड ओवरऑल चैंपियंस के रूप में उभरे, जबकि विटामिन जी (ग्रोथ) ने रनर अप का स्थान हासिल किया। इस इवेंट का समापन पुरस्कार और मान्यता समारोह के साथ हुआ, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन, खेल भावना और टीम स्पिरिट का जश्न मनाया गया।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का सम्मान

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल के विद्यार्थियों ने खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लिया। विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों व खिलाड़ियों को स्कूल में एक कार्यक्रम रख कर सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र दिया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर पर्यावरण जागृती वैदिक के बन्नूर के अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित मौजूद रहे। स्कूल परिवार की ओर से राजपुरोहित का सम्मान किया गया। राजपुरोहित ने अपने संबोधन में बताया कि आज के दौर में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ खेल खेलना भी अति आवश्यक है, जो शरीर में तंदुरुस्ती और स्पूर्ति पैदा करता है। खेल और शिक्षा, दोनों ही हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन सिर्फ मनोरंजन और खेल से परे, खेल और खेल शिक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये छात्रों को टीम वर्क, नेतृत्व, जवाबदेही और धैर्य जैसे जीवन कौशल सिखाते हैं।

कद आवोला सांवरिया म्हारे देश भजन महोत्सव में झूमे श्याम भक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय संस्था श्री श्याम सखा परिवार द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष रविवार को श्री गोडवाड जैन भवन सभागार लालबाग रोड में करने वाले श्याम करवाने वाले श्याम के तत्वावधान में षष्ठम प्रस्तुति 'कद आवोला सांवरिया म्हारे देश भजन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राणीगंज के किशन बगड़िया की टीम ने बाबा श्याम का गुलाब के फूलों से मनमहोक दरबार सजाया। जिसको हर कोई भक्त खड़ा हो कर निहारता ही रहा। दोपहर 2 बजे से पंडित विजय शुक्ला के सानिध्य में संस्था के बिमल सुरोलिया, सुभाष राजपुरोहित, भंवर सिंह राजपुरोहित, नरेंद्र सिंह राजपुरोहित ने परिवार सहित विधिवत पूजन किया कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की। इस मौक पर उपस्थित भक्तों ने पूरे सभागार को श्याम के जयकारों से श्याम रंग में रंग दिया। तत्पश्चात भजनों की गंगा में मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन प्रवाहक राकेश बावलिया, सिद्धि शर्मा लक्ष्मणगढ़, गिरिराज शर्मा जयपुर के साथ स्थानीय कलाकार भागवताचार्य पंडित मुरारी दाधीच, रामसुंदर बगड़िया, श्रेया इन्दोरिया, किशन बगड़िया, श्रुति पुरोहित सहित कई भजन गायकों ने अपनी प्रस्तुति से समा बांधा। श्री श्याम सखा परिवार के सदस्य बिमल सुरोलिया ने बड़ी संख्या में पधारे भक्तों व सामाजिक धार्मिक संथाओं के गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त किया। इस महोत्सव में बाबा श्याम का फुलों से भव्य एवं मनमोहक श्रृंगार के साथ छप्पन भोग अर्पण किया गया। मुंबई के गायक राकेश बावलिया के सभागार में पहुंचते ही भक्तों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका अभिनंदन किया। राकेश बावलिया के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति पर भक्त झूमते रहे। सभी गायक कलाकारों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस मौक पर श्याम मंदिर ट्रस्ट, श्याम सेवा संघ, गौड़ ब्राह्मण संघ, सारस्वत समाज, विप्र सेना, बाबा गंगाराम सेवा समिति, श्याम सखा परिवार, दादी धाम प्रचार समिति, राजपुरोहित समाज व अनेक धार्मिक संथाओं के गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर सुंदर आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी।

जैन छात्रों को सशक्त बनाने हेतु जीतो एजुकेशन ओलंपियाड का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो ने सर एम. वी. ऑडिटोरियम, एफकेसीसीआई बिल्डिंग, केजी रोड में जीतो एजुकेशन ओलंपियाड के शुभारंभ की घोषणा की। यह एक सामुदायिक पहल है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक जैन बच्चे को भविष्य की सफलता के लिए मजबूत आधार प्रदान करना है। प्रारंभिक अवस्था से ही स्पष्टता, एकाग्रता और महत्वाकांक्षा को विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया यह ओलंपियाड विद्यार्थियों को आने वाले समय के प्रोफेशनल्स और लीडर्स बनने के लिए आवश्यक गुणों से सुसज्जित करता है। इस ओलंपियाड के प्रमुख उद्देश्य शैक्षणिक प्रतिभा की प्रारंभिक पहचान, समान अवसर प्रदान करना, मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराना, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रायोजित करना तथा समुदाय के लिए भावी लीडर्स और अचीवर्स की एक सशक्त श्रृंखला तैयार करना है। ये सभी उद्देश्य जीतो की उस दूरदर्शी सोच के अनुरूप हैं, जिसके तहत शिक्षा, मूल्यों और

अवसरों के माध्यम से प्रत्येक जैन बच्चे के उत्थान का संकल्प लिया गया है। जीतो एजुकेशन ओलंपियाड विद्यार्थियों को अनेक लाभ प्रदान करता है, जिनमें प्रतिभा की शुरुआती पहचान, सुदृढ़ शैक्षणिक अनुशासन, प्रतिस्पर्धी मानसिकता का विकास, सभी के लिए समान अवसर तथा विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया अकादमिक फ्रेमवर्क शामिल है। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने जीतो के गणमान्य पदाधिकारियों, सदस्यों तथा सभी जैन संघों एवं संस्थानों के छात्र प्रमुखों का स्वागत करते हुए कहा कि यह जीतो की एक नई पहल है, जिसका उद्देश्य प्रतिभाशाली और होनहार विद्यार्थियों की पहचान कर उनकी रुचि के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर श्रीपाल कावड़ ने कहा, यह पहल आत्मविश्वासी और सक्षम जैन प्रोफेशनल्स की एक नई पीढ़ी तैयार करने के व्यापक मिशन का हिस्सा है, जो आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो। आज आपका प्रोत्साहन आपके बच्चे के लिए ऐसे अवसरों के द्वार खोल सकता है, जिनकी उसने कल्पना भी नहीं की होगी। जीतो एजुकेशन ओलंपियाड की परीक्षा 11 जनवरी 2026 को प्रात 10.30 बजे से रात्रि 8 बजे तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा 100 प्रतिशत ऑनलाइन एवं प्रॉक्टर्ड होगी, जिससे छात्र सुरक्षित निगरानी के अंतर्गत अपने घर से ही परीक्षा दे सकेंगे। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में कक्षा 6 से 10 तक अध्ययनरत सभी जैन छात्र इस ओलंपियाड में भाग लेने के पात्र हैं। परीक्षा में गणित, विज्ञान और अंग्रेजी विषय शामिल होंगे। यह जानकारीपूर्ण सत्र 225 सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जीतो एपेक्स सचिव श्रीपाल बच्छावत, एपेक्स डायरेक्टर एवं केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीन बाफना, श्रमण आरोग्यम चेयरमैन रमेश हरन, जीतो जॉब चेयरमैन विनोद पोखरणा, मोनिका पिरगल, नेमीचंद चोपड़ा, बबीता रायसोनी, विजय सिंघवी, जीतो बेंगलूरु साउथ एवं बेंगलूरु नॉर्थ के मैनेजिंग कमेटी सदस्य, जेएलडब्ल्यू तथा यूथ विंग के कमेटी सदस्य भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विशाल नि:शुल्क कृत्रिम पैर वितरण कार्यक्रम का आयोजन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। शोधा मोटर्स प्रा. लिमिटेड एवं ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर, हुब्बल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किम्स स्थित महावीर लिंब सेंटर परिसर में एक विशाल नि शुल्क कृत्रिम पैर शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह विशेष सेवा शिविर शोढा मोटर्स के निदेशक कार्तिक पी. नायक के जन्मदिन के शुभ अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें राज्य के विभिन्न भागों से आए सैकड़ों दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैर लगाए गए। शिविर का उद्घाटन फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी, सोढा मोटर्स के महंतेश हुगार, अक्षता हुले एवं वनिता यातगेई के

कर कमलों द्वारा लाभार्थियों को कृत्रिम पैर प्रदान कर किया गया। महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने अपने संबोधन में कहा कि इस सेवा शिविर के सफल आयोजन में सोढा टोयोटा का स्नेहपूर्ण सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा। फेडरेशन के सह मंत्री महावीर कुंदुर ने बताया कि महावीर लिंब सेंटर अब तक 300 से अधिक सेवा शिविरों के माध्यम से न केवल दक्षिण भारत बल्कि देश के विभिन्न कोनों में 55,000 से अधिक दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैर प्रदान कर उन्हें स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य कर चुका है। इस अवसर पर लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाष डंक ने सभी सहयोगियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया।

महेश बैंक चुनाव में संस्थापक पैनल की ऐतिहासिक जीत, अंशधारकों का आभार व्यक्त

हैदराबाद, 16 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महेश बैंक के हालिया चुनाव के नतीजों में संस्थापक पैनल के 13 उम्मीदवारों को भारी बहुमत से विजयी बनाने पर बैंक के निदेशक गोविंद राठी ने सभी अंशधारकों का हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस विश्वास और आशीर्वाद से अंशधारकों ने समर्थन दिया है, वह आगे भी इसी तरह बनाए रखें, ताकि बैंक निरंतर प्रगति कर सके और पिछले पाँच वर्षों में जो कुछ खोया है, उसे पुनः प्राप्त किया जा सके।

इस अवसर पर खुशी का माहौल रहा और कई गणमान्य व्यक्तियों ने सभी नवनिर्वाचित डायरेक्टर्स का शॉल एवं पुष्पहार से स्वागत किया। इनमें श्री पूनम प्रभाकर (ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर), मुंडा मार्केट की कॉरपोरेटर दीपिका, अरुण डोकटिया, रंजीत सिंह, कुंदन सिंह, अध्यक्ष क्षेत्रीय राजपूत समाज, सत्यनारायण तोतला, एकुला अनीता (टीआरएस लीडर), पवन कुमार, भाजपा नेता पुरुषोत्तम आला, टीआरएस नेता रामचंद्र, रितेश जागीरदार, प्रेम बजाज, किशन यादव, भारत शाह, भगत सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गोविंद राठी ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि 17 दिसंबर 2025 को द्रोपति गार्डन में रात्रि 7:00 बजे विजय उत्सव का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने समाज बंधुओं एवं सभी अंशधारकों से इस विजय उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का निवेदन किया।

छात्रों के लिए सभी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 16 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थान), जिला शिक्षा अधिकारी दीपक तिवारी ने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों और कल्याणकारी छात्रावासों में पढ़ने वाले छात्रों को सभी सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए काम कर रही है। मंगलवार को उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का दौरा किया और रसोई, भंडारगृह, आवश्यक वस्तुओं की गुणवत्ता, भोजन व्यवस्था, रजिस्टर और आसपास के वातावरण का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि सरकार प्रत्येक सरकारी स्कूल में पीने का पानी, बिजली, लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय, अतिरिक्त कमरे, चारदीवारी और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएगी और छात्रों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए पौष्टिक भोजन से युक्त भोजन व्यवस्था लागू करेगी।

इस संदर्भ में, उन्होंने कहा कि मध्याह्न भोजन तैयार करने में स्वच्छता नियमों का पालन करने के अलावा, भोजन तैयार करने में ताजी सब्जियों और गुणवत्तापूर्ण आवश्यक वस्तुओं का उपयोग किया जाना चाहिए और छात्रों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन समय पर निर्धारित मेनू के अनुसार उपलब्ध कराया जाना चाहिए और आवश्यक वस्तुओं के भंडारण कक्ष को स्वच्छ रखा जाना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों को सलाह दी कि वे विद्यार्थियों को सुगम भाषा में शिक्षा प्रदान करें और कक्षा में पिछड़े विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दें।इस कार्यक्रम में संबंधित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

सब कुछ तेरा श्याम सरकार द्वारा रानी अवन्तिबाई लोध भवन, गंगा बावली, धूलपेट में आयोजित श्याम बाबा कीर्तन संध्या में भजन प्रस्तुत करते हे सागर व्यास । अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पहाड़ी श्याम मंदिर, महिन्द्रा हिल्स के चेयरमैन अरुण डाकोतिया साथ में नागेश अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया, कपीश ढेडिया, मोहित अग्रवाल, जगदीश वर्मा, आकाश सिंह, चिंटु सिंह, पवन सिंह, राहुल सिंह, संदीप सिंह, शैलेन्द्र सिंह एवं अन्य ।

चुनाव के अंतिम चरण के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 16 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने बताया कि दूसरे आम पंचायत चुनावों के मद्देनजर, जिले में चुनाव के अंतिम चरण के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। मंगलवार को उन्होंने जिला केंद्र में मंडल परिषद विकास अधिकारी के परिसर में स्थापित चुनाव सामग्री वितरण केंद्र का दौरा किया और वितरण प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर ने कहा कि जिले में ग्राम पंचायत सरपंच और वार्ड सदस्यों के पदों के लिए तीसरे चरण के चुनाव पारदर्शी और शांतिपूर्ण माहौल में कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि अंतिम चरण में, आसिफाबाद, रेब्बेना, तिरियानी और कागजनगर मंडलों में ग्राम पंचायत सरपंच की 108 सीटों में से 2 सीटें सर्वसम्मति से जीती गईं और 2 सीटों पर नामांकन नहीं हुआ, इसलिए 104 ग्राम पंचायत सरपंच सीटों पर चुनाव होंगे। वार्ड सदस्य की 938 सीटों में से 186 सीटें सर्वसम्मति से जीती गईं और 8 सीटों पर नामांकन नहीं हुआ, इसलिए 744 वार्डों पर चुनाव होंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव के तीसरे चरण में 61 हजार 252 पुरुष, 61 हजार 141 महिलाएं और 6 अन्य, कुल मिलाकर 1 लाख 22 हजार 429 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रबंधन के तहत 1,079 मतदान अधिकारी और 1,241 अन्य मतदान अधिकारी ड्यूटी पर हैं, और 27 क्षेत्रीय अधिकारी चुनाव प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं ताकि 4 मंडलों में चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकें। उन्होंने बताया कि इस माह की 17 तारीख को सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक मतदान होगा, मतगणना दोपहर 2 बजे से शुरू होगी और परिणाम घोषित होने के बाद उपसरपंच का चुनाव होगा। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था की गई है और जिले में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पूर्ण व्यवस्था की गई है और अधिकारियों को समन्वय में काम करना चाहिए और अंतिम चरण के चुनाव को पहले और दूसरे चरण की तरह सफल बनाना चाहिए।

इस कार्यक्रम में जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड, तहसीलदार, मंडल परिषद विकास अधिकारी, संबंधित अधिकारी और अन्य उपस्थित थे।

चुनाव सामग्री का वितरण आवंटन के अनुसार प्रभावी ढंग से हो : दीपक तिवारी

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 16 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी ने निर्देश दिए कि दूसरे आम पंचायत चुनावों के अंतर्गत जिले में होने वाले तीसरे चरण के चुनावों के लिए आवंटित चुनाव सामग्री का वितरण निर्धारित आवंटन के अनुसार प्रभावी और सुव्यवस्थित ढंग से किया जाना चाहिए।सोमवार को जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम. डेविड के साथ उन्होंने जिला केंद्र में स्थापित चुनाव सामग्री वितरण केंद्र का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर दीपक तिवारी ने कहा कि 16 दिसंबर को सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने आवंटित चुनाव सामग्री वितरण केंद्रों पर निर्धारित समय पर उपस्थित हों और संबंधित मतदान केंद्रों के लिए निर्धारित चुनाव सामग्री प्राप्त करें।

उन्होंने बताया कि तीसरे चरण के अंतर्गत आसिफाबाद, रेब्बेना, तिरयानी और कागज नगर मंडलों में ग्राम पंचायत सरपंच एवं वार्ड सदस्यों के पदों के लिए चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। चुनाव को सुचारु, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए मतदान केंद्रों, पुलिस कर्मियों, सेक्टर/क्लस्टर पर्यवेक्षकों, फ्लाइंग स्क्वॉड, मंडल परिषद विकास अधिकारियों तथा पंचायत सचिवों के बीच समन्वय से कार्य किया जाएगा।

जिला अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि सभी मतदान केंद्रों की निगरानी वेबकास्टिंग के माध्यम से की जाएगी। मतदान 17 दिसंबर को सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा, जबकि मतगणना दोपहर 2 बजे से प्रारंभ की जाएगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव सामग्री का वितरण और वापसी चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार बिना किसी त्रुटि के सख्ती से की जानी चाहिए। साथ ही, अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने कर्तव्यों का पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे और चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके।इस अवसर पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस ने वाहन साहिर अवैध रूप से लेजाने वाले मवेशी पकड़ा

बेल्लमपल्ली, 16 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार सुबह स्थानिक तालाब कट्टे पर स्थित पोछम्मा मंदिर के करीब पुलिस ने अवैध रूप से लेजाने वाले मवेशी पकड़ा.कन्नेपल्ली पुलिस ने बताया, बुलेरो गाड़ी नंबर टीएस 08 यूए 8158 से बिना किसी अनुमति के अवैध रूप से 4 मवेशियों को छुपा कर कन्नेपल्ली की और से बेल्लमपल्ली की और आरही गाड़ी का पीछा करते हुवे पोछम्मा मंदिर के पास पकड़ा और तुरंत एसआई भास्कर राव को सूचना दी।उनके आदेश पर माला गुरुजाला के पास स्थित श्री बांके बिहारी गौशाला में मवेशियों के सौंपा और बोलेरो वाहन को कन्नेपल्ली पुलिस थाना लेजाया गया।

उपसंचालक अरुण जोशी का लांबी बीमारी के चलते निधन

किनवट, 16 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैद्राबाद वी आर सी के रिटायर उपसंचालक अरुण जोशी का लांबी बीमारी के चलते हैद्राबाद स्थित निधन हो गया अरुण जोशी दिव्यांगो के पुनर्वसन व नियुक्ती कार्य मे उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हे राष्ट्र व राज्य पुरस्कार से सन्मानित किया गया था दिवंगत अरुण जोशी महाराष्ट्र के लातुर जिले के अहमदपूर के निवासी थे वे अपने पीछे पत्नी,दो पुत्रिया एवं एक पुत्र पोता पोती का भरापुरा परिवार छोड ग ए वे किनवट के पत्रकार आशिष देशपांडे के करीबी थे ।

चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में होने चाहिए : प्रसाद

आसिफाबाद, 16 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद के सीआई बालाजी वर प्रसाद ने जनता से आसिफाबाद जिला मंडल में ग्राम पंचायत चुनावों के तीसरे चरण को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने का आग्रह किया।उन्होंने सलाह दी कि पुलिस थानों में धारा 144 लागू होने के कारण कोई भी समूह में मतदान केंद्रों पर न आए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदाता को अपना पहचान पत्र लाना चाहिए और मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद मतगणना प्रक्रिया जारी रहने के कारण किसी को भी किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों को जीतने के बाद विजय रैलियां आयोजित करने की अनुमति नहीं है।

जिले में तीसरे फेज के चुनाव के इंतज़ाम पूर्ण जिला चुनाव अधिकारी, कलेक्टर कुमार दीपक..

मंचेरियाल, 16 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार मंचेरियाल जिला चुनाव अधिकारी कलेक्टर कुमार दीपक ने बताया, दूसरे आम पंचायत चुनाव के मद्देनजर, जिले में होने वाले तीसरे फेज के चुनाव के लिए ज़रूरी इंतज़ाम पूरे कर लिए गए हैं, उन्होंने कहा, अधिकारियों के तालमेल से जिले में पहले और दूसरे फेज के चुनाव सफल रहे, अधिकारी मिलकर तीसरे फेज के चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक कराने के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि इस महीने की 17 तारीख को सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक वोटिंग होगी, दोपहर 2 बजे से वोटों की गिनती होगी, और नतीजे घोषित होने के बाद उपसरपंच का चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि तीसरे फेज के चुनाव के तहत, जिले के चेन्नूर, मंडामर्री, कोटापल्ली, भीमाराम और जयपुर मंडल में ग्राम पंचायत सरपंच और वार्ड सदस्यों के पदों के लिए चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि 102 ग्राम पंचायत सरपंच सीटों के लिए 390 नॉमिनेशन मिले, 4 सीटों पर बिना किसी सहमति के चुनाव हुए और 98 सीटों पर चुनाव होंगे।

उन्होंने कहा कि 868 वार्ड मेंबर सीटों के लिए 1,905 नॉमिनेशन मिले, 4 सीटों को छोड़कर जहां नॉमिनेशन नहीं मिले/सही नॉमिनेशन जमा नहीं हुए, 711 सीटों पर चुनाव होंगे, 153 सीटों पर बिना किसी सहमति के चुनाव हुए और 102 सीटों पर चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि इन चुनावों में 52,810 पुरुष, 54,075 महिलाएं और 4 अन्य लोग अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा कि हर पोलिंग स्टेशन पर सुरक्षा के इंतज़ाम किए गए हैं और पोलिंग स्टाफ को सुविधाएं दी गई हैं ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि जो भी योग्य है, उसे बिना डरे और बिना किसी भेदभाव के अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए।

जिले में तीसरे फेज के चुनाव के इंतज़ाम पूर्ण जिला चुनाव अधिकारी, कलेक्टर कुमार दीपक..

मंचेरियाल, 16 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलवार मंचेरियाल जिला चुनाव अधिकारी कलेक्टर कुमार दीपक ने बताया, दूसरे आम पंचायत चुनाव के मद्देनजर, जिले में होने वाले तीसरे फेज के चुनाव के लिए ज़रूरी इंतज़ाम पूरे कर लिए गए हैं, उन्होंने कहा, अधिकारियों के तालमेल से जिले में पहले और दूसरे फेज के चुनाव सफल रहे, अधिकारी मिलकर तीसरे फेज के चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक कराने के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि इस महीने की 17 तारीख को सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक वोटिंग होगी, दोपहर 2 बजे से वोटों की गिनती होगी, और नतीजे घोषित होने के बाद उपसरपंच का चुनाव होगा।

उन्होंने कहा कि तीसरे फेज के चुनाव के तहत, जिले के चेन्नूर, मंडामर्री, कोटापल्ली, भीमाराम और जयपुर मंडल में ग्राम पंचायत सरपंच और वार्ड सदस्यों के पदों के लिए चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि 102 ग्राम पंचायत सरपंच सीटों के लिए 390 नॉमिनेशन मिले, 4 सीटों पर बिना किसी सहमति के चुनाव हुए और 98 सीटों पर चुनाव होंगे। उन्होंने कहा कि 868 वार्ड मेंबर सीटों के लिए 1,905 नॉमिनेशन मिले, 4 सीटों को छोड़कर जहां नॉमिनेशन नहीं मिले/सही नॉमिनेशन जमा नहीं हुए, 711 सीटों पर चुनाव होंगे, 153 सीटों पर बिना किसी सहमति के चुनाव हुए और 102 सीटों पर चुनाव होंगे।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला: अब वैध प्रदूषण सर्टिफिकेट के बिना नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल और सीएनजी

नई दिल्ली, 16 (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। जहरीली हवा के कारण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों की सेहत पर सीधा असर पड़ रहा है। इसी बीच दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने दिल्ली के लोगों से माफी मांगते हुए साफ कहा कि किसी भी सरकार के लिए सिर्फ नौ या दस महीनों में प्रदूषण को पूरी तरह खत्म करना नामुमकिन है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि वे दिल्ली की जनता से दिल से माफी मांगना चाहते हैं, लेकिन साथ ही यह भी सच्चाई है कि प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या को खत्म करने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों से दिल्ली जिस प्रदूषण की बीमारी से जूझ रही है, वह अचानक ठीक नहीं हो सकती। इसके बावजूद उनकी सरकार लगातार हर दिन एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) को सुधारने के लिए काम कर रही है। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण पर जोर देते हुए कहा कि सभी पंप मालिकों को निर्देश दिया गया है कि 18 दिसंबर से वैध प्रदूषण सर्टिफिकेट दिखाए बिना गाड़ियों में पेट्रोल-डीजल और सीएनजी नहीं

डालें। मंत्री ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी की सरकार के मुकाबले मौजूदा सरकार ने हर महीने औसतन बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि हम रोजाना हालात सुधारने की कोशिश कर रहे हैं और इसी तरह अगर लगातार काम चलता रहा, तभी दिल्ली को साफ हवा मिल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदूषण की समस्या पिछले कई सालों की आम आदमी पार्टी और उससे पहले की कांग्रेस सरकारों की देन है।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज ये नेता मास्क लगाकर बयान दे रहे हैं, लेकिन पिछले साल जब प्रदूषण इससे भी ज्यादा था, तब वे कहां थे? मंत्री ने कहा कि उस समय न तो राहुल गांधी दिखाई दिए और न ही प्रियंका गांधी। आज अचानक प्रदूषण की चिंता दिखाना सिर्फ राजनीति है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण है और यह बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा रहा है।

यह बीमारी मौजूदा सरकार ने नहीं दी है, बल्कि पिछली सरकारों की गलत नीतियों का नतीजा है। मौजूदा सरकार खुद को एक डॉक्टर की तरह मानती है, जो रोज इस बीमारी का इलाज कर रही है।

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ रोजाना कार्रवाई की जा रही है और धीरे-धीरे हालात सुधरेंगे। उन्होंने दिल्ली की जनता से भरोसा बनाए रखने की अपील की और कहा कि साफ हवा का सपना तभी पूरा होगा जब लगातार मेहनत की जाए।

मनरेगा को खत्म करने की सरकार की योजना के खिलाफ प्रदर्शन करेगी कांग्रेस : केसी वेणुगोपाल

नई दिल्ली, 16 (एजेंसियां)। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मनरेगा को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा को खत्म करने की सरकार की योजना के खिलाफ कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करेगी। केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म करने की सरकार की योजना के खिलाफ लड़ने के लिए कांग्रेस पार्टी बुधवार यानी 17 दिसंबर को सभी जिला मुख्यालयों पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी।

इसके अलावा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस, 28 दिसंबर को, हमारी पार्टी के

कार्यकर्ता हर मंडल और गांव में महात्मा गांधी की तस्वीरें लेकर कार्यक्रम आयोजित करेंगे, ताकि इस जनविरोधी कानून और बापू जी की विरासत पर सीधे हमले का विरोध किया जा सके। उन्होंने कहा कि मनरेगा एक ऐतिहासिक कानून है, जिसने लोगों को काम का अधिकार दिया है, श्रम की गरिमा को बनाए रखा है, और पूरे भारत में करोड़ों ग्रामीण परिवारों को आजीविका सुरक्षा प्रदान की है। हमारा संघर्ष किसी सामान्य बिल का विरोध करने के बारे में नहीं है, यह एक मुश्किल से मिले अधिकार की रक्षा करने और उन लाखों लोगों के साथ खड़े होने के बारे में है जिनकी जिंदगी, गरिमा और उम्मीद मनरेगा पर निर्भर करती है।

वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी की भावना से और भारत के सबसे गरीब लोगों की रक्षा में इस लड़ाई का नेतृत्व करती रहेगी।

कांग्रेस नेता ने एक्स पर पत्र भी शेयर करते हुए कहा कि सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म करने के लिए एक बिल लाकर एक खतरनाक और जानबूझकर उठाया गया कदम है। यह कोई सामान्य विधायी प्रक्रिया नहीं है।

पीएमएमएल की बैठक में नेहरू दस्तावेजों की अनुपलब्धता पर निर्णय नहीं, हटाने की अफवाहें गलत : शेखावत

नई दिल्ली, 16 (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री म्यूजियम और लाइब्रेरी (पीएमएमएल) की 2025 की वार्षिक आम बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से जुड़े दस्तावेजों की उपलब्धता को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पीएमएमएल ने अब तक इन दस्तावेजों का सालाना ऑडिट करने की कोई नीति तैयार नहीं की है। शेखावत ने यह जानकारी लोकसभा में भाजपा सांसद संबित पात्रा के सवालों के जवाब में दी। उन्होंने कहा

कि कुछ दस्तावेजों को गलत तरीके से हटाए जाने या इसे लेकर जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के सवालों का जवाब नेगेटिव में है।

वहीं, राष्ट्रीय सांस्कृतिक मैपिंग के बारे में उन्होंने बताया कि देश के कुल 6,38,365 गांवों में से 6,23,449 गांवों की मैपिंग 'मेरा गांव, मेरी धरोहर' (एमजीएमडी) पोर्टल पर हो चुकी है। इस मिशन के तहत स्थानीय धरोहर, लोक कला, परंपराएं, त्योहार, रीति-रिवाज, पहनावा, आभूषण, खानपान और ऐतिहासिक महत्व जैसे तमाम सांस्कृतिक पहलुओं को रिकॉर्ड किया जा रहा है।

शेखावत ने बताया कि एमजीएमडी पोर्टल पर यह डेटा गांव-वार रखा गया है, किसी खास कला या विषयवार नहीं।

उन्होंने कहा कि एमजीएमडी कार्यक्रम से ग्रामीण पहचान मजबूत होती है। इससे हर गांव का अपना सांस्कृतिक प्रोफाइल तैयार होता है, जो स्थानीय परंपराओं और धरोहर को मान्यता देता है। यह डेटा राष्ट्रीय स्तर पर योजना बनाने में मदद करता है, जैसे कि सांस्कृतिक क्लस्टर डेवलपमेंट, हेरिटेज टूरिज्म और पारंपरिक हुनर को बढ़ावा देना।

ओडिशा में 47,209 गांवों का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। भद्रक जिले के 998 गांवों और बालासोर जिले के 2,798 गांवों की जानकारी शामिल है।

उन्होंने कहा कि डेटा गांव-वार रखा गया है, समुदाय-वार नहीं। उदाहरण के लिए, आंध्र प्रदेश की कुछ जनजातीय समुदायों जैसे बागाटा, कोन्डा डोरा, कोन्डु, वाल्मीकि, कोया, कोन्डा कम्मरा, कोन्डा रेड्डी, कोटिया और गडबा को भी गांव-स्तर पर रिकॉर्ड किया गया है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि पीएमएमएल में दस्तावेजों की स्थिति और राष्ट्रीय सांस्कृतिक मैपिंग दोनों ही योजनाओं पर काम जारी है और डेटा व्यवस्थित तरीके से संग्रहित किया जा रहा है।

भाजपा जहां हारती है, वहीं एसआईआर के जरिए वोट कटवाए जा रहे हैं : अखिलेश यादव

नई दिल्ली, 16 (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एसआईआर कोई सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह भाजपा की एक सोची-समझी रणनीति और साजिश है। अखिलेश यादव का कहना है कि भाजपा सीधे एनआरसी की बात नहीं कर पा रही थी, इसलिए एसआईआर को बहाना बनाकर इस मुद्दे को आगे बढ़ाया जा रहा है। अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि अगर भविष्य में एनआरसी लागू किया गया, तो लोगों से कौन-कौन से कागज मांगे जाएंगे। उन्होंने साफ कहा कि अगर कोई व्यक्ति एक बार वोटर बन चुका है, तो वह भारतीय नागरिक है। इसके बावजूद लोगों की नागरिकता पर सवाल खड़े करना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

उन्होंने पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एसआईआर के तहत करीब 58 लाख लोगों के वोट काट दिए गए। अखिलेश यादव ने दावा किया कि यह वही इलाके हैं, जहां भाजपा चुनाव हार रही है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां भाजपा कमजोर होती है, वहीं वोट कटवाने की कोशिश की जाती है।उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि वहां कई बार यह प्रचार किया गया कि बांग्लादेशी, रोहिंग्या और बाहरी लोग रह रहे हैं। कई बड़े और प्रतिष्ठित चैनलों ने भी यही खबरें चलाईं। लेकिन, जब सच्चाई सामने आई, तो पता चला कि जिन जमीनों पर ये लोग रह रहे थे, वे जमीनें खुद भाजपा नेताओं ने किराए पर दी थीं। जब कागजों की जांच हुई, तो वे सभी लोग असम के रहने वाले

भारतीय नागरिक निकले।उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार मीडिया भी भाजपा के एजेंडे और नैरेटिव का हिस्सा बन जाती है। इससे आम जनता को गुमराह किया जाता है और समाज में डर का माहौल बनाया जाता है।अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री खुद घबरा गए हैं। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों के वोट बनवाए जाएं, लेकिन यहां तो हालात ऐसे हैं कि वोट बनवाने से ज्यादा वोट काटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि बीएलओ पर इतना दबाव डाला गया कि कुछ की जान तक चली गई।उन्होंने कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर उन इलाकों में वोट कटवा रहे हैं, जहां भाजपा हार रही है। उन्होंने आजमगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां करीब 15 लाख वोट कटने की चर्चा है। अगर एक जिले में इतने वोट कटेंगे, तो पूरे प्रदेश में क्या हाल होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में गुप्त बैठकों के जरिए अधिकारियों को वोट बनवाने या काटने के निर्देश दिए गए। जब मुख्यमंत्री खुद अधिकारियों के साथ गुप्त बैठक करेंगे, तो क्या वोटों में गड़बड़ी नहीं होगी? एक तरफ उत्तर प्रदेश में वोट बनवाने की बात की जा रही है और दूसरी तरफ बंगाल में वोट कटवाने की साजिश हो रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत होगा या कमजोर?उन्होंने पुराने चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि रामपुर, मीरापुर और कुंदरकी जैसे इलाकों में वोटरों को घर से बाहर तक नहीं निकलने दिया गया। कई जगह पुलिस ने प्राइवेट ड्रेस में वोट डाले। इसके वीडियो और सीसीटीवी फुटेज सरकार के पास मौजूद हैं, लेकिन उन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा रहा।अयोध्या के मिल्कीपुर और कुंदरकी चुनावों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां खुलेआम वोट डालने की बातें की गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक मंत्री का सहयोगी भी पकड़ा गया था, लेकिन उसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी आंखों से चुनाव लुटते देखा है। ऐसे हालात में अगर लोकतंत्र कमजोर हो रहा है, तो उसकी जिम्मेदारी भाजपा और चुनाव आयोग की है।गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव ने सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नकारात्मक राजनीति में विश्वास नहीं करती। वे किसी के खिलाफ नहीं बोलेंगे और अगर सहयोगी दल सवाल उठाते हैं, तो उनका जवाब सम्मान के साथ दिया जाएगा। उनका मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ना है। लोगों की समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना ही उनकी राजनीति है। इसी तरह से गठबंधन मजबूत होगा और आने वाले समय में वे इसी दिशा में काम करते रहेंगे।

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को नवीन दायित्व पर डॉ. राजीव बिंदल व सांसद अनुराग ठाकुर ने दी शुभकामनाएँ

शिमला, 16 (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने आज नई दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ नेताओं ने नितिन नबीन को उनके नवीन पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने कहा कि नितिन नबीन का राजनीतिक एवं संगठनात्मक जीवन अनुशासन, परिश्रम और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। 23 मई 1980 को झारखंड की राजधानी राँची में जन्मे नितिन नबीन ने कम आयु में ही सार्वजनिक जीवन में कदम रखा और संगठन के विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए आज पार्टी के शीर्ष संगठनात्मक पद तक पहुँचे हैं। उन्होंने बताया कि नितिन नबीन लगातार पाँचवीं बार बांकीपुर विधानसभा से भारी मतों से विजयी होकर जनविश्वास का प्रतीक बने हैं। प्रदेश

मीडिया प्रभारी ने कहा कि नितिन नबीन का विधायक से लेकर बिहार सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री और अब राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तक का सफर उनके कुशल नेतृत्व, कार्यक्षमता और संगठनात्मक क्षमता को दर्शाता है। पथ निर्माण विभाग, नगर विकास एवं आवास तथा विधि विभाग जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों में उनके कार्यकाल को सुशासन और विकास से जोड़ा जाता है।नंदा ने उनके संगठनात्मक योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा में राष्ट्रीय महामंत्री, बिहार प्रदेश अध्यक्ष, सिक्किम और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में संगठन प्रभारी एवं चुनाव प्रभारी के रूप में नितिन नबीन ने पार्टी को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से सिक्किम में पहली बार भाजपा का कमल खिलना उनके कुशल रणनीतिक नेतृत्व का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन सामाजिक सरोकारों से भी गहराई से जुड़े रहे हैं। पटना में विगत वर्षों से भव्य रामनवमी शोभा यात्रा का आयोजन, 'नवीन सिन्हा प्रतिभा सम्मान समारोह' के माध्यम से प्रतिभाओं को प्रोत्साहन तथा युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के उनके प्रयास सराहनीय हैं।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने 2013 में अमेरिका के खतङ्झ कार्यक्रम के माध्यम से वैश्विक अनुभव प्राप्त किया है। प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नन्दा ने विश्वास जताया कि नितिन नबीन के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा उनके अनुभव और ऊर्जा से पार्टी देशभर में नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश भाजपा को भी उनके मार्गदर्शन से संगठनात्मक मजबूती मिलेगी और पार्टी राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन ने बिहार में मंत्री पद छोड़ा

पटना, 16 (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नबीन ने बिहार में मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। बताया गया कि पार्टी में एक व्यक्ति एक पद के सिद्धांत पर अमल करते हुए उन्होंने ऐसा किया। जानकारी के मुताबिक, नितिन नबीन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना त्यागपत्र भेज दिया है। नितिन नबीन बिहार की नीतीश सरकार में पथ निर्माण विभाग और नगर विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसकी जिम्मेदारी किसे सौंपते हैं। 14 जनवरी के पहले बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार की कोई संभावना नहीं दिख रही है। बता दें कि दो दिन पहले बिहार के मंत्री नितिन नबीन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए गए। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने इसकी घोषणा की। राष्ट्रीय महासचिव ने नियुक्ति पत्र में कहा कि भाजपा के संसदीय बोर्ड ने बिहार के मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।

उन्होंने आगे यह भी लिखा है कि यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। इस आदेश की जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सभी प्रदेश प्रभारियों, प्रदेश अध्यक्षों और संगठन महामंत्रियों को प्रेषित कर दी गई है। नितिन नबीन ने सोमवार को भाजपा मुख्यालय पहुंचकर पदभार भी ग्रहण कर लिया।

पार्टी के इस फैसले को संगठनात्मक स्तर पर एक अहम कदम माना जा रहा है। नितिन नबीन की नियुक्ति से राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के संगठन को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बता दें कि भाजपा लगातार संगठन में बदलाव कर रही है। भाजपा ने बिहार प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी दिलीप जायसवाल को हटाकर दरभंगा के विधायक संजय सरावगी को जिम्मेदारी सौंपी है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने 5 साल से फरार रोहित बलारा को किया गिरफ्तार, पैरोल पर आने के बाद से था फरार

नई दिल्ली, 16 (एजेंसियां)। दिल्ली क्राइम ब्रांच ने पैरोल पर 5 साल से फरार रोहित बलारा को द्वारका से गिरफ्तार किया है। आरोपी को नेब सराय थाना क्षेत्र में 8 वर्षीय नाबालिग लड़के के साथ यौन शोषण के मामले में दोषी ठहराया जा चुका है और वह 2021 से फरार था। पुलिस के अनुसार, रोहित बलारा को कोविड-19 महामारी के दौरान वर्ष 2021 में 90 दिनों की इमरजेंसी पैरोल दी गई थी, लेकिन पैरोल अवधि समाप्त होने के बाद उसने आत्मसमर्पण नहीं किया और फरार हो गया। जेल प्रशासन की तरफ से बार-बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद उसने आत्मसमर्पण नहीं किया और लगातार फरार चल रहा था।उन्होंने बताया कि पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी के लिए कई बार इसके घर और अन्य स्थानों पर तलाशी ली, लेकिन वो वहां नहीं मिला। पुलिस के आने की सूचना उसे पहले ही मिल जाती थी और वो फरार हो जाता था।मामले की गंभीरता को देखते हुए मामला क्राइम ब्रांच को दिया गया। इस टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर

गौतम मलिक ने किया। टीम ने मुखबिर की सूचना और एडवांस्ड मोबाइल सर्विलांस के माध्यम से फरार आरोपी बलारा को द्वारका से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम लगातार छापेमारी कर रही थी। बलारा पुलिस से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने भी बदल रहा था। आखिरकार टीम को पुख्ता सूचना मिली कि रोहित बलारा द्वारका में छिपा हुआ है। सूचना मिलने पर टीम ने इलाके को घेरकर उसे गिरफ्तार कर लिया।बता दें कि रोहित बलारा नेब सराय का ही निवासी है और उसने स्थानीय सरकारी स्कूल से सातवीं तक पढ़ाई की है। वर्ष 2019 में लंबी जांच और ट्रायल के बाद उसे दोषी ठहराते हुए साढ़े तीन साल की सजा सुनाई गई थी। गिरफ्तारी के साथ ही वर्षों से फरार आरोपी को भगाने में कई लोग शामिल थे।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसे लोगों की पहचान की जा रही है, जल्द ही उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. रामविलास वेदांती महाराज का संपूर्ण जीवन रामकाज को समर्पित रहा : योगी

अयोध्या,16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या स्थित हिंदू धाम आश्रम पहुंचकर वशिष्ठ भवन के ब्रह्मलीन महंत डॉ. रामविलास वेदांती महाराज के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति अभियान के वरिष्ठ सदस्य तथा वशिष्ठ भवन, अयोध्या के महंत डॉ. रामविलास वेदांती महाराज भौतिक रूप से आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका संपूर्ण जीवन अयोध्या धाम के विकास और रामलला के भव्य मंदिर निर्माण को समर्पित रहा। सीएम योगी ने कहा कि वेदांती महाराज का पूरा जीवन ही रामकाज को समर्पित था। यह भी एक संयोग है कि प्रभु श्रीराम की पावन कथा का वाचन करते हुए उन्होंने नश्वर देह का त्यागकर साकेतवास किया। उन्होंने वेदांती महाराज के योगदान को याद करते हुए कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के प्रारंभिक दौर से लेकर उसके मूर्त रूप लेने और आंदोलन के सफल परिणाम को देखने का सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि 25 नवंबर को श्रीरामजन्मभूमि पर निर्मित भव्य मंदिर पर धर्मध्वजा आरोहण के समारोह में भी वेदांती महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह उनके समर्पण और निरंतर सहभागिता का स्पष्ट

प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 1983 में श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति अभियान के आरंभ से लेकर अब तक आयोजित प्रत्येक आंदोलन और कार्यक्रम में वेदांती महाराज की सक्रिय भूमिका रही।

मुख्यमंत्री ने वेदांती महाराज को याद करते हुए कहा कि आज भले ही वे भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके साकेतवासी होने पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके शिष्यों व आश्रमवासियों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए मैं अयोध्या आया हूं। उन्होंने कहा कि गोरक्षपीठ से वेदांती महाराज का अत्यंत निकट और आत्मीय संबंध रहा। उन्होंने बताया कि वर्ष 1949 में अयोध्या धाम में श्रीरामजन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के विग्रह के प्रकटीकरण के समय गोरक्षपीठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर पूज्य महंत श्री दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा वेदांती जी महाराज के पूज्य गुरु बाबा अभिराम दास जी उस ऐतिहासिक अभियान का हिस्सा थे।

सीएम योगी ने आगे कहा कि वर्ष 1983 में जब श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन हुआ और उनके पूज्य गुरुदेव, गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महंत श्री अवेद्यनाथ जी महाराज उस समिति के अध्यक्ष बने, तब से डॉ. रामविलास वेदांती जी महाराज वरिष्ठ सदस्य के रूप में निरंतर इस आंदोलन से जुड़े रहे।

उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के पवित्र मंदिर से जुड़े सभी ऐतिहासिक कार्यक्रमों, 5 अगस्त 2020 को मंदिर के शिलान्यास, 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा, और 25 नवंबर 2025 को धर्मध्वजा आरोहण के वेदांती जी महाराज साक्षी रहे। यह उनके जीवन की साधना और संकल्प का ही परिणाम था कि वे रामलला को विराजमान होते, भव्य मंदिर का निर्माण होते, और दिव्य-भव्य अयोध्या को साकार रूप में देखते हुए तथा रामकथा का गायन करते हुए इस लोक से विदा हुए।

मुख्यमंत्री ने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना की कि वे वेदांती जी महाराज को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। उन्होंने कहा कि वे विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन करते हैं और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि वेदांती जी महाराज के आदर्शों का अनुसरण करते हुए उनके आश्रम के शिष्य और अनुयायी निरंतर रामकाज के अभियान से जुड़े रहेंगे।

बता दें कि डॉ. रामविलास वेदांती मध्य प्रदेश के लालगांव के समीप स्थित भठवा गांव में रामकथा का वाचन कर रहे थे। कथा का आयोजन 17 दिसंबर तक निर्धारित था, लेकिन शनिवार की रात सीने में दर्द और घबराहट की शिकायत के बाद उन्हें उपचार के लिए रीवा लाया गया। वहां एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार को उनका साकेतवास हो गया।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा: घने कोहरे में 7 बसें समेत 10 वाहन टकराए

मथुरा,16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को भीषण हादसा हुआ। घने कोहरे की वजह से सात बसें और तीन छोटे वाहन आपस में टकरा गए। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर गहरा दुख जताते हुए मुआवजे का ऐलान किया। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पीएम मोदी के हवाले से 'एक्स' पोस्ट में लिखा, उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में लोगों की जान जाने का दुख बहुत ज्यादा है। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। पीएमएनआरएफ से हर मृतक के परिवार को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हादसे पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, जनपद मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।बता दें कि इस भीषण हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा 7 बसों और 3 छोटी गाड़ियों के बीच हुआ था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ियों में आग लग गई। हादसे के बाद 70 लोगों को जलती हुई गाड़ियों से सुरक्षित बाहर निकाला गया। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने बताया कि सभी घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है और प्रशासन की ओर से हर जरूरी मदद उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं, मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए गए।

एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, पहले एक दुर्घटना हुई, जिसके बाद तीन से छह बसों में आग लग गई। हादसे के समय बसें पूरी तरह भरी हुई थीं और सभी सीटों पर यात्री मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि वह हादसे के वक्त सो रहा था। अचानक जोरदार आवाज के साथ आग फैल गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

बलिया में बच्चे का अपहरण : पुलिस मुठभेड़ में आरोपी घायल, मासूम सकुशल बरामद

बलिया,16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक मासूम बच्चे के अपहरण और उसे बेचने की कोशिश का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, उभांव थाना पुलिस देर

रात सहारनपुर के पास नियमित चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति पैदल आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस टीम ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो वह रुकने के बजाय भागने लगा और पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। घायल आरोपी से पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद जैद उर्फ सलमान बताया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने बीते 11 दिसंबर को एक तीन साल के बच्चे का अपहरण किया था और उसे बेचने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है।

यूपी के मेरठ और उन्नाव में भीषण सड़क हादसा, हेड कांस्टेबल समेत 6 की मौत

मेरठ/उन्नाव,16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के दो अलग-अलग जिलों में मंगलवार को हुए सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पहला हादसा यूपी के मेरठ में उस वक्त हुआ, जब पुलिस टीम की प्राइवेट कार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार अनियंत्रित होकर हिंडन नदी में जा गिरी। इस हादसे में हेड कांस्टेबल राहुल चौधरी समेत कार सवार दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में एक अन्य पुलिसकर्मी और दो निजी व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को तुरंत मेरठ के आनंद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार सिपाही कौशल और एक निजी व्यक्ति की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया गया है कि हादसे के समय बागपत पुलिस की टीम मेरठ में एक मामले की जांच कर वापस लौट रही थी। मृतक हेड कांस्टेबल राहुल चौधरी

बागपत जनपद की डोला चौकी पर तैनात थे और हादसे का शिकार हुई कार उन्हीं की बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों मृतकों का पंचनामा कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

दूसरी घटना उन्नाव जिले से सामने आई, जहां आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक फॉर्च्यूनर कार का टायर फट गया। टायर फटने से कार अनियंत्रित होकर सामने चल रही गाड़ी से टकराई और फिर डिवाइडर से जा भिड़ी, जिससे फॉर्च्यूनर डिवाइडर में फंस गई।

हादसा बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में किमी संख्या-241 के पास हुआ। सूचना मिलने पर मौके पर यूपीडा और पुलिस की टीमें पहुंचीं और घायलों को एंबुलेंस के जरिए सीएचसी बांगरमऊ भेजा गया। हालांकि, अस्पताल में चिकित्सकों ने चारों लोगों को मृत घोषित कर दिया। सभी मृतक गाजियाबाद जनपद के निवासी बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, वे एक राजनीतिक पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे और पेशे से नमक के व्यापारी थे।

दोनों ही मामलों में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है और दुर्घटनाओं के कारणों की जांच की जा रही है।

नोएडा में कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए बड़ा प्रशासनिक कदम, 9 थाना प्रभारियों के ट्रांसफर

नोएडा,16 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट ने मंगलवार को एक अहम प्रशासनिक फैसला लिया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने थानों के नेतृत्व में बदलाव करते हुए कुल 9 थाना प्रभारियों के ट्रांसफर के आदेश जारी किए हैं। यह निर्णय पुलिस कमिश्नरेट स्तर पर गठित पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक में विचार-विमर्श के बाद लिया गया, जिसके तुरंत बाद नई तैनातियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी गई। पुलिस कमिश्नरेट के अनुसार, यह फेरबदल मौजूदा अपराध स्थिति की समीक्षा, फील्ड स्तर पर कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने तथा आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है। बदली गई कमान के तहत कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील थानों में नए प्रभारी निरीक्षकों की तैनाती की गई है।जारी आदेश के अनुसार, निरीक्षक अरविंद कुमार को नोएडा थाना सेक्टर-20 का नया प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं निरीक्षक धर्मप्रकाश शुक्ला को नोएडा थाना सेक्टर-39 की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईटी सेल (सेंट्रल) में तैनात

निरीक्षक अमित तोमर को अब नोएडा थाना सेक्टर-58 का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है।निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह को नोएडा थाना फेस-2 में कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक के रूप में भेजा गया है। इसके अलावा निरीक्षक अमित कुमार को नोएडा थाना सेक्टर-63 की कमान सौंपी गई है। ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में भी बदलाव किए गए हैं।निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह को दादरी थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट की वेलफेयर शाखा में तैनात श्याम बाबू शुक्ला को रबूपुरा थाना का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है।

इसके साथ ही, अपराध की विशेष श्रेणियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निरीक्षक विंध्याचल तिवारी को एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है, जबकि निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि यह बदलाव बेहद अहम है। नए थाना प्रभारियों के सामने अपराध नियंत्रण, गश्त व्यवस्था को मजबूत करने, शिकायतों के त्वरित निस्तारण और पब्लिक डीलिंग को बेहतर बनाने की बड़ी चुनौती होगी। खासतौर पर शहरी नोएडा में बढ़ती आबादी, ट्रैफिक और साइबर अपराध जैसी समस्याओं को देखते हुए थाना स्तर पर मजबूत नेतृत्व की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

नोएडा पुलिस कमिश्नरेट का कहना है कि इस प्रशासनिक फेरबदल का उद्देश्य केवल पदों में बदलाव नहीं, बल्कि फील्ड में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करना है। आने वाले दिनों में नए प्रभारियों के प्रदर्शन के आधार पर अपराध दर, रिस्पॉन्स टाइम और जनता की संतुष्टि जैसे मानकों पर इसका असर साफ तौर पर देखा जाएगा।

कांग्रेस निराशा और हताशा में है : जयवीर सिंह

लखनऊ,16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री जयवीर सिंह ने कांग्रेस पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि पीएम मोदी के खिलाफ रामलीला मैदान में आयोजित रैली में आपत्तिजनक टिप्पणी को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। यूपी सरकार में मंत्री का यह बयान उस वक्त आया है जब कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस मामले पर कहा कि कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की गई है। भीड़ में काफी लोग थे, अगर किसी ने ऐसा किया है तो उसकी हमें जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा इसे मुद्दा बनाकर लगातार शीतकालीन सत्र को बाधित करने का प्रयास कर रही है।

जयवीर सिंह ने कहा कि कांग्रेस रैली में किसी की मौत की कामना करने वाली टिप्पणी करना या नारे लगाना, इससे ज्यादा गंभीर कुछ नहीं हो सकता। कांग्रेस निराशा और हताशा में है। उन्होंने कहा कि देश सद्भावना और आपसी सम्मान में विश्वास रखता है और वह ऐसे नारों को स्वीकार नहीं करेगा। आखिरकार इससे कांग्रेस को ही नुकसान होगा।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं होना चाहिए। इस तरह के नारों को देश कभी स्वीकार नहीं कर सकता।

मनरेगा के नाम बदलने पर उन्होंने कहा कि नया वर्जन आ रहा है, पारदर्शिता और गुणवत्ता लाई जा रही है और भी तमाम चीजें जो कमियां थीं, उन्हें सुधारा जा रहा है।

वोट चोरी के मामले में उमर अब्दुल्ला और सुप्रिया सुले के अलग बयान पर उन्होंने कहा कि पहले से सभी को पता है कि इंडी अलायंस में शामिल राजनीतिक दलों के बीच सामंजस्य नहीं है। वे केवल भाजपा के विरोध के लिए साथ आते हैं। चुनावों में एक दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरते हैं।

नीतीश कुमार के हिजाब वीडियो विवाद पर कहा कि अभी इस पर किसी भी तरह से कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। इसके लिए विस्तृत रूप से वीडियो देखना होगा। ऐसे में तुरंत टिप्पणी करना ठीक नहीं होगा।

कांग्रेस अपने काम से मतलब रखे, हर चीज में टांग न अड़ाए : संजय निषाद

लखनऊ,16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने यमुना एक्सप्रेस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति दुख जाहिर किया। साथ ही उन्होंने सड़क हादसों में कमी लाने के लिए तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने मनरेगा पर मचे विवाद को लेकर कांग्रेस पर निशाना भी साधा। उन्होंने मंगलवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। यह बहुत दुखद हादसा है। हमें कोशिश करनी चाहिए कि इस तरह के हादसों पर विराम लगे। इसके लिए हमें तकनीक का इस्तेमाल करना होगा। संजय निषाद ने कहा कि आज हम लोग अपनी दैनिक व्यवहार में चीजों को अपने अनुकूल ढालने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, तो हम सुरक्षा के मामले में तकनीक को प्राथमिकता क्यों नहीं करते।उन्होंने एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला का बुर्का उठाने पर कहा कि वे सिर्फ देख रहे थे कि सही व्यक्ति को प्रमाणपत्र मिल रहा है या नहीं। जो लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जुड़ी इस घटना पर सवाल उठा रहे हैं, वे पूरी तरह से नकारात्मक हैं। मैं समझता हूं कि ऐसे लोगों को भारतीय राजनीति में किसी भी सूरत में गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।संजय निषाद ने कहा कि

हर जगह राजनीति नहीं होनी चाहिए। अब समय आ चुका है कि जब हम सभी एकजुट होकर देश के विकास के बारे में सोचें। इस बारे में सोचें कि कैसे लोगों को रोजगार मिले। इस तरह के मुद्दे पर राजनीति करके अपना समय न गंवाएं।केंद्र सरकार की ओर से मनरेगा का नाम बदलने पर भी मंत्री संजय निषाद ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर मनरेगा का नाम बदला जा रहा है, तो इससे किसी को भी आपत्ति नहीं होनी चाहिए। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि इस पूरे प्रकरण में गांधीजी की भूमिका कहां से आ गई। वो तो इस थ्योरी पर चला करते थे कि लोगों को उनके पिछले जन्म के कर्मों के हिसाब से इस जन्म में काम करने को मिल रहा है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं था। सच्चाई यह थी कि अंग्रेजों और मुगलों ने आम हिंदुस्तानियों की जमीन छीनकर उन्हें गरीब बना दिया था और वो मजदूरी करने के लिए बाध्य थे, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में समग्र विकास की अवधारणा के साथ काम किया जा रहा है। हमारी सरकार हर किसी के विकास के बारे में सोच रही है और उसके साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में कांग्रेस के लिए यह जरूरी और अच्छा रहेगा कि वह इस तरह के किसी भी मुद्दे पर कोई टांग नहीं अड़ाए। वह अपने काम से ही मतलब रखे तो उसके लिए ज्यादा बेहतर रहेगा, लेकिन अफसोस इस दिशा में कांग्रेस कोई कदम उठाती हुई नजर नहीं आ रही है।

मंत्री संजय निषाद ने कहा कि मान्यता है कि जो भी व्यक्ति गलत चीज का समर्थन करता है, उसका गर्त में जाना तय है। वर्तमान में यह मान्यता कांग्रेस पर लागू हो रही है। आज उसकी हालत किसी से छुपी नहीं है। उसकी दुर्गति अपने चरम पर पहुंच चुकी है। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि ये लोग किस मुंह से वोट चोरी की बात कर रहे हैं। जब नेहरू और पटेल के बीच चुनाव हुआ था, तो सबको पता है कि नेहरू को कितने वोट मिले थे और पटेल को कितने मिले थे।

क्षेत्रीय आवागमन संपर्क बढ़ने के साथ प्रदेश में सुनिश्चित होगी 'अंतिम मील कनेक्टिविटी'

लखनऊ,16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार विजन-2047 के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में प्रदेश की परिवहन संरचना को सशक्त और आधुनिक बनाने पर निरंतर कार्य कर रही है।

'विकसित उत्तर प्रदेश' की परिकल्पना के तहत सरकार का प्रमुख फोकस क्षेत्रीय आवागमन संपर्क की अवसंरचनाओं को सुदृढ़ करने के साथ अंतिम मील कनेक्टिविटी पर है ताकि प्रदेश के शहरों, कस्बों तथा औद्योगिक क्षेत्रों को तेज, सुरक्षित तथा विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।प्रदेश सरकार हाई-स्पीड परिवहन नेटवर्क के माध्यम से शहरी क्षेत्रों के बीच आवागमन को तेज और सुगम बनाने का व्यापक खाका तैयार कर रही है। इसके अंतर्गत प्रमुख शहरों तथा आर्थिक केंद्रों को जोड़ने के लिए हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप इसे प्रदेश में एक हजार किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में किस प्रकार व्यवस्थित रूप से स्थापित किया जाए, इसे लेकर कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इस नेटवर्क के साकार होने से न केवल यात्रा का समय घटेगा, बल्कि लोगों की आवाजाही आसान होने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों के विस्तार तथा व्यापक कायाकल्प को लेकर जो खाका तैयार किया जा रहा है, उसमें रीजनल ट्रांसपोर्ट सिस्टम को सुदृढ़ करना भी शामिल है।

सलाह

अच्छी बॉडी के लिए जरूरी है स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक भारी एक्सरसाइज है। जिसकी शुरुआत करने से पहले वेट लिफ्टिंग के कुछ नियम जान लेना बहुत जरूरी होता है, जिससे इसका कोई दुष्परिणाम न हो। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज के पहले पूरी तैयारी जरूरी है, कम से कम शुरुआती दौर में हफ्ते में एक से तीन दिन मांसपेशियों की एक्सरसाइज जरूर करें। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में सबसे आसान विकल्प वेट मशीन से एक्सरसाइज और डंबल करना होता है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की मदद से पेट सहित पूरे शरीर के फैट को कम कर मसल्स को मजबूत बनाया जा सकता है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न केवल वजन घटाने में मदद करता है, बल्कि इसका इस्तेमाल वजन बढ़ाने के लिए भी कर सकते हैं। हालांकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान बढ़ने वाला वजन आपके लिए फायदेमंद है, नुकसानदेह नहीं। लंबे समय तक फिट रहने के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग बहुत जरूरी है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से कैसे बढ़ता है वजन

मांसपेशियों के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने के दौरान मसल्स फाइबर में छोटे टीयर्स बनते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान मांसपेशियों में अतिरिक्त कोशिकायें जुड़ती हैं जो भविष्य में फायदेमंद साबित होती हैं। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान समुचित आराम और पोषण आपकी मांसपेशियों के निर्माण में मदद करती है जिससे इसकी क्षमता में ब?वा होता है। मांसपेशियों का वजन लोगों में यह भ्रम होता है कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान मांसपेशियों का वजन बढ़ना शरीर में अतिरिक्त चर्बी के बढ़ने के बराबर होता है। जबकि यह सच नही है, इसके विपरीत यदि मांसपेशियों का एक पाउंड वसा के एक पाउंड से कम जगह लेता है। इस दौरान आपके शरीर का आकार और वजन दोनों बढ़ेगा।

कैसे करें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

शुरूआत में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग ट्रेनर की देखरेख में ही करना चाहिए। क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने में जहां फायदा है वही खतरा भी है। क्यों कि इससे आपकी मसल्स खिंच सकती हैं और चोट भी लग सकती है। अगर चोट से बचना है तो आप पहले ठीक तरह से स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करना सीखे। इसमें सभी मसल्स ग्रुप की अपनी अहमियत है, उन लोगों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद है, जिनके घुटनों में अर्थराइटिस है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में क्या-क्या होता है

इसके लिए सबसे ज्यादा आसान विकल्प वेट मशीन से एक्सरसाइज और डंबल उठाने होते हैं। मशीन से आपको सही मूवमेंट सीखने को मिलती है। आपको सही मूवमेंट सीखने को मिलती है। मशीन को आप अपने कद के हिसाब से ही एडजस्ट करें। अगर मशीन को ठीक से एडजस्ट न किया गया हो। तो आप गलत मूवमेंट में कसरत करेंगे, इससे चोट लगने की संभावनाएं बढ़ेंगी। अगर आप बहुत ज्यादा वजन उठाते हैं तो आपकी कमर पर बुरा असर पड़ सकता है। शरीर के सभी हिस्से के लिए अलग-अलग स्ट्रेंथ ट्रेनिंग होती है। चेस्ट के लिए बेंच प्रेस, चेस्ट प्रेस मशीन, पुश अप्स, पेक डेक मशीन आदि। बैक के लिए सीटेड रो मशीन, बैक एक्सटेंशन, पुलडाउन। बाइसेप्स के लिए बाइसेप्स कर्ल, हैमर्ल, कनसेन्ट्रेशन कर्ल। ट्राइसेप्स के लिए ट्राइसेप्स एक्सटेंशन, डिप्स, किकबैक्स। पेट के लिए क्रंच, रीवर्स क्रंच, ऑब्लिक ट्विस्ट, पेल्विक टिल्ट आदि होते हैं।

बढ़ते बच्चे के लिए जरूरी पोषक तत्व

बच्चों को बड़ों के मुकाबले खाने में पोषक तत्वों की जरूरत ज्यादा होती है। यह उनके बढ़ने की उम्र होती हैं, इस समय उनका शारीरिक विकास हो रहा होता है। बच्चे सारा दिन वे उछलकूद मचाते रहते हैं। इसलिए उनके उचित विकास के लिए पर्याप्त पोषक तत्वों की दरकार होती है। पोषक तत्व बच्चों को कुछ बीमारियों, जैसे- मोटापा और हड्डियों को कमजोर होने से बचाने में सहायता करते हैं। इससे बच्चा पूरी क्षमता के साथ विकास करता है। एक बढ़ते हुए बच्चे को ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के साथ-साथ बीच में स्नैक्स की जरूरत होती है।

आवश्यक पोषक तत्व

» **प्रोटीन**- प्रोटीन शरीर के उत्तकों को बनाने, रख-रखाव और मरम्मत करने में सहायता करता है। प्रोटीन की ज्यादा मात्रा दूध और डेयरी प्रोडक्ट, दालें, अंडे, मछली और मांस में होती है। प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों की आवश्यकता विशेषकर तेजी से बढ़ रहे बच्चों को होती है। रोजना अपने बच्चे को प्रोटीन से भरपूर पदार्थ खिलाएं।

» **विटामिन और खनिज**- विटामिन और खनिज शरीर को स्वस्थ बनाता है, साथ ही शरीर के विकास में सहायता करता हैं। बच्चों के लिए आयरन और कैल्शियम बहुत आवश्यक हैं। बढ़ रहे बच्चे को अपनी हड्डियां और दांत मजबूत करने के लिए कैल्शियम की जरुरत होती है। दूध, दूध से बने पदार्थ और हरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्त्रोत है। किशोर अवस्था में बच्चों की कैल्शियम की आवश्यकता की पूर्ति केवल खाने से ही पूरी नहीं होती, बल्कि कुछ अतिरिक्त कैल्शियम सप्लिमेंट की जरुरत भी होती है।

» **कार्बोहाइड्रेट और वसा**- बच्चों में शारीरिक विकास के लिए जिस ऊर्जा और कैलोरी की जरुरत होती है उसकी पूर्ति कार्बोहाइड्रेट से होती है। स्कूल जाने की उम्र में बच्चे तेजी से विकास करते हैं, जिससे उनको भूख ज्यादा लगती है।

» **आयरन**- आयरन खून बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज है। आयरन खून बनाने के अलावा ध्यान और एकाग्रता को सुधारने में सहायता करता है। मांस, अंडा, मछली, हरी पत्तेदार सब्जियां, आयरन के अच्छे स्त्रोत हैं। जब विटामिन सी से भरपूर भोजन हम करते हैं तो उस शाकाहारी खाने में आयरन की मात्रा ज्यादा होती है।

» **फल और सब्जियां**- फल और सब्जियों में विटामिन और खनिज की मात्रा ज्यादा होती है। विटामिन और खनिज स्वस्थ त्वचा, अच्छी ग्रोथ, विकास और संक्रमण से लड़ने के लिए आवश्यक हैं। सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जिसमें विटामिन ए और सी और सूक्ष्म पोषक जैसे मैग्नीशियम और पोटेशियम पाया जाता है। सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट जो बच्चों के शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है। साथ ही बड़ी उम्र में कैंसर और दिल की बीमारियों के खतरे को कम करता है। साबुत अनाज, मांस और डेयरी प्रोडेक्टस में विटामिन डी की प्रचुरता होती है। फलों में भी फाइबर की मात्रा, विटामिन ए और सी और पौटेशियम होता है। सब्जियों की तरह फलों में भी एंटीऑक्सीडेंट होता है।

» **अनाज**- आप जितना अनाज खाते हैं, उसमें कम से कम आधा अनाज दलिया, आटा, मक्का, ब्राउन चावल और गेहूं की रोटियां होनी चाहिए। बेहतर होगा कि केवल एरोबिक्स करने के बजाय इसको अलग-अलग एक्सरसाइज के कांबिनेशन में करें। बहुत हेवी और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज वजन घटाने का सही तरीका नहीं हैं। इनकी मदद से आप मसल्स बना सकते हैं, शरीर को मजबूत कर सकते हैं लेकिन ज्यादा वजन नहीं घटा सकते। बेहतर तरीका है कि आप कार्डियो एक्सरसाइज के साथ इनका कांबिनेशन बनाएं।

उपरोक्त टिप्स अपनाकर आप भी अपने शरीर से फैट को कम कर सकते हैं, साथ ही आप फिट रहेंगे।

सुझाव

फट बर्निंग टिप्स बढ़ाएं आपकी फिटनेस

शरीर पर जमा अतिरिक्त चर्बी न सिर्फ आपकी सुंदरता को कम करती है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर डालती है। मोटापा कई बीमारियों की जड़ है। क्या आप भी मोटापे के कारण बीमारियों के खतरों से घिरे रहना चाहते हैं या फिर कुछ फैट बर्निंग टिप्स की मदद से अपनी चर्बी कम करके फिट शरीर पाना चाहेंगे। कुछ लोगों की पहली पसंद फिट रहना होती है। वहीं कुछ लोग एक्सारसाइज करने या शरीर की चर्बी कम करने को प्राथमिकता नहीं देते। जो लोग नियमित व्यायाम करते हैं उनके शरीर पर चर्बी कम रहती है और उनका वजन भी संतुलित रहता है। ऐसे लोग बीमारियों से दूर रहने के साथ ही स्वथ्य और तंदुरुस्त भी रहते हैं। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं किस तरह आप भी आसान फैट बर्निंग टिप्स की मदद से स्लिम और आकर्षक लग सकते हैं। हजार पुशअप्स या क्रंचेज मार लेने या कड़ी मेहनत वाली एक्सरसाइज करने से ही आपकी चर्बी कम नहीं होती। चर्बी कम करने और शरीर को मजबूत बनाने के लिए आपको भोजन व एक्सरसाइज का चुनाव सोचसमझकर करना चाहिए। ऐसी एक्सरसाइज करें, जिससे शरीर के सभी हिस्सों की मांसपेशियों में गतिविधि हो। पेट की चर्बी कम करने के लिए कार्डियोवस्कुलर एक्सरसाइज फायदेमंद रहती हैं।

खाने का रखें खास खयाल

खाने में गेहूं की बजाय जौ और चने के आटे की रोटी का सेवन करें। जौ और चने के सेवन से आप अतिरिक्त कॉर्बोहाइड्रेट लेने से बचेंगे। इससे आपके शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा नहीं होगी। नारियल पानी का सेवन करें, यह शरीर को स्फूर्ति देता है और इसमें कैलोरी कम होती है। शक्कर कम मात्रा में लें, ग्लूकोज और कार्बोहाइड्रेट की जगह प्रोटीन ज्यादा से ज्यादा से मात्रा में लें। विटामिन सी युक्त आहार लें, इससे शरीर में कोर्टिसोल नियंत्रित रहेगा। विटामिन सी वाले पदार्थों में कार्निटाइन नामक तत्व होता है जो शरीर की अतिरिक्त फैट को बर्न करता है। संतरे, शिमला मिर्च, टमाटर और नींबू आदि साइट्रस फलों में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। अपने खाने में हरी सब्जियों, मेवे और लीन मीट को शामिल कीजिये।

फायदेमंद एक्सरसाइज

कार्डियो वर्कआउट्स फैट घटाने के लिए बेहतर विकल्प हैं। 500 क्रंच करने की बजाय ऐसे व्यायाम करें जिनसे ज्यादा मात्रा में फैट बर्न होता है। विंडमिल, टर्किश सिटअप्स और रस्सी कूदना आदि करें। एरोबिक एक्सरसाइज भी खुद को फिट रखने का बेहतर विकल्प है। हालांकि एरोबिक्स से वजन पर काबू पाना थोड़ा मुश्किल है। इससे शरीर लचीला और मजबूत बनता है। जिम जाने के साथ ही दिनभर में ऐसे काम भी कीजिये जिससे आप एक्टिव रहें। आप चाहे तो शाम के समय पार्क में जाकर दोस्तों या छोटे बच्चों के साथ खेल सकते हैं।

नेचुरल माउथ फ्रेशनर से इस तरह रखें बच्चों का ख्याल

जिस तरह बड़ो को मुंह की दुर्गंध को दूर करने के लिए माउथ फ्रेशनर की जरुरत पड़ती है, उसी तरह बच्चों को भी इसकी जरुरत होती है। पर आप उन्हें ऐसा माउथ फ्रेशनर देना चाहते है जो उनके लिए पूरी तरह सुरक्षित हो। बाजार से मिलने माउथ फ्रेशनर में इस तरह के तत्व होते है जो बच्चों की सेहत पर बुरा असर डालते है। इसके कारण बच्चों को मुंह से संबंधित कई तरह की प्रॉब्लम आ जाती है। ऐसे में आप घर पर बने माफथ फरेशनर का इस्तेमाल कर सकते है। इसका स्वाद कड़वा न होने के कारण बच्चे इसे अराम से यूस कर लेंगे।

1. अनार का छिलका

अनार का छिलका एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल के गुणों से भरपूर होता है। इस माउथ फ्रेशनर को बनाने के लिए अनार के छिलके निकाल कर धूप में अच्छी तरह सूखा लें। सूखने के बाद इसका पाउडर बना कर पानी में दो चम्मच उबाल लें। उबालने के बाद इसे ठंडा होने पर इसे छान कर दें। इसका स्वाद मिठा होने के कारण बच्चें इसका इस्तेमाल अराम से कर लेंगे।

2. अदरक

बच्चों की मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए ये एक बेहतरीन माउथ फ्रेशनर है। अदरक को कद्दूकस करके इसमें नमक और काली मिर्च को मिलाएं। इस मिश्रण को कम से कम तीन-चार दिनों तक सूखाएं। सूखने के बाद इसके डिब्बे में रख लें। इस माफथ फ्रेशनर से मुंह के दुर्गंध के अलावा मुंह के किटाणु भी दूर हो जाते है।

3. पुदीना

पुदीने से तो कई तरह की बीमारियां दूर हो जाती है लेकिन ये एक बहुत ही अच्छा माफथ फ्रेशनर भी है। पुदीने के पत्तों को धूप में अच्छी तरह सूखा कर पीस लें। खाना खाने के बाद बच्चों को कुल्ली करवाएं। अगर बच्चे इसे करने से मना करते है तो आप उन्हें ये ऐसे भी दें सकते है।

4. सौंफ

अगर बच्चें इन माफथ फरेशनर का इस्तेमाल नहीं करना चाहते तो आप उन्हें सौंफ से बना माउथ फ्रेशनर भी करवा सकते है। इसके लिए सौंफ में हरा धनियां, आधा कप तिल और आधा कप इलायची कर अच्छी तरह भूनने के बाद पीस लें। इसमें थोड़ी सी शक्कर डाल दें इससे बच्चों को ये टेस्टी लगेगा।

शाकाहारियों के लिए डायट प्लान

शाकाहारियों के लिए डायट प्लान में सभी पोषक तत्व संतुलित मात्रा में होने चाहिये। इसे बनाते समय लिंग आयु और वजन के हिसाब से बनाना चाहिए। शाकाहारियों को हरी पत्तेदार सब्जियां और फलों का सेवन अधिक करें। प्रोटीन की जरूरतों को पूरा करने के लिए सोयाबीन, टोफू, सोया मिल?क और टोंड अथवा डबल टोंड दूध लें। स्प्राउट्स, दालों आदि का सेवन करें। चपाती बनाने के लिए गेहूं के आटे में चना और सोया का आटा मिला लें।

रेसिपी

साबूदाने का चीला

सामग्री

1 कप साबूदाना, 2 बड़े आलू (उबले हुए), 2-3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 2 टे.स्पून बारीक कटा हरा धनिया, 1 टी स्पून जीरा, आधा कप मूंगफली भुनी हुई, 4-5 टी स्पून देसी घी, नमक स्वादानुसार।

विधि

साबूदाने को धोकर उस पर थोड़ा सा पानी छिड़क कर का 1 घंटे के लिए ढककर रख दें। भुनी हुई मूंगफली को कूट लें। साबूदाने को एक बाउल में डालकर उसमें उबले हुए आलू, हरी मिर्च, हरा धनिया, जीरा, नमक और कुटी हुई मूंगफली मिला दें। तवा गरम कर उसपर मिश्रण फैला दें। ऊपर से घी भी डाल दें, पलटकर दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन सेंक लें। हरी चटनी के साथ सर्व करें।

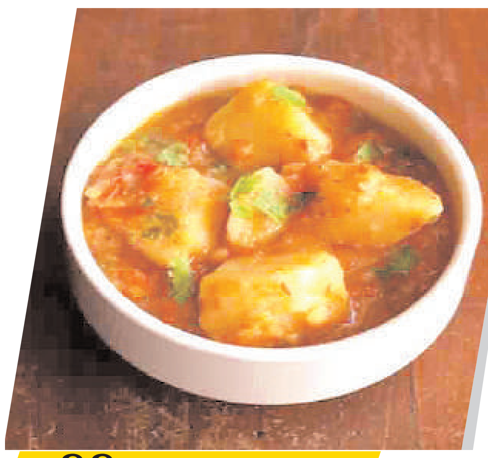

दही आलू टमाटर सब्जी

सामग्री

आलू- एक किलो, टमाटर- 100 ग्राम, हरी मिर्च- पांच, अदरक- डेढ़ इंच, हरी धनिया- डेढ़ बड़े चम्मच, दही- 100 ग्राम, क्रीम- 100 ग्राम, सिंघाड़े का आटा- दो बड़े चम्मच, सेंधा नमक- स्वादानुसार, जीरा- एक बड़ा चम्मच, गरम मसाला- डेढ़ बड़े चम्मच, लाल मिच- पांच साबुत, मक्खन- 200 ग्राम

विधि

आलू उबालकर फिर छीलकर इनके डेढ़ इंच चौकोर टुकड़े कर लें। टमाटर महीन काट लें। हरी मिर्च व अदरक काट लें। दही में एक चौथाई टी-कप पानी व सिंघाड़े का आटा मिलाकर फेंट लें। क्रीम छान लें। मक्खन गर्मकर साबुत लाल मिर्च, जीरा व हरी मिर्च का छौंक देकर आलू मिला दें। इसमें गरम मसाला, सेंधा नमक, टमाटर, दही, क्रीम व डेढ़ टी-कप पानी देकर उबाल आने तक करीब पांच मिनट पका लें। हरी धनिया व अदरक देकर उतार लें। स्वादिष्ट व पौष्टिक सब्जी सिंघाड़े के आटे से बनी पूड़ियों के साथ गरमागरम परोसें।

बच्चों को सुसाइड के लिए उकसाता है यह गेम

पेरेंट्स ना बरतें लापरवाही

बच्चों से लेकर बड़ों तक ऐसा कोई नहीं जिसे गेम खेलना पसंद न हो। फ्री टाइम में चाहे घर पर हो या बाहर गेम खेलना बेस्ट टाइम पास माना जाता है। लेकिन देखा गया है कि बच्चे इन गेम्ज के ज्यादा आदी होते हैं। इसलिए माता-पिता को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि उनके बच्चे किसी ऐसे रास्ते पर न चले जाएं, जो उनके लिए जानलेवा हो सकता है। वर्किंग पेरेंट्स के लिए यह बात ज्यादा अहम हो जाती है, क्योंकि सारा दिन वह अपने बच्चे के साथ नहीं होते। ऐसे में उनका बच्चा क्या कर रहा है, इस बात की खबर उन्हें होनी चाहिए।

भारत में पहुंची दहशत

कुछ समय पहले पोकेमोन नाम की एक गेम काफी फेमस हुई थी, जिसने बड़ों से लेकर बच्चों तक पर अपना गहरा असर दिखाया था। सोते, उठते, जागते अधिकतर लोग इसी गेम को खेलने के आदी हो चुके थे। लेकिन अब एक ऐसी गेम चर्चा में है, जो बच्चों को सुसाइड के लिए उकसाती है। ब्लू व्हेल नाम की यह गेम अब तक दुनियाभर में करीब 250 से ज्यादा बच्चों की जान ले चुकी है। इसे 25 साल के फिलिप बुडेकिन ने साल 2013 में बनाया था। अब इस गेम की दहशत भारत में भी पहुंच चुकी है।

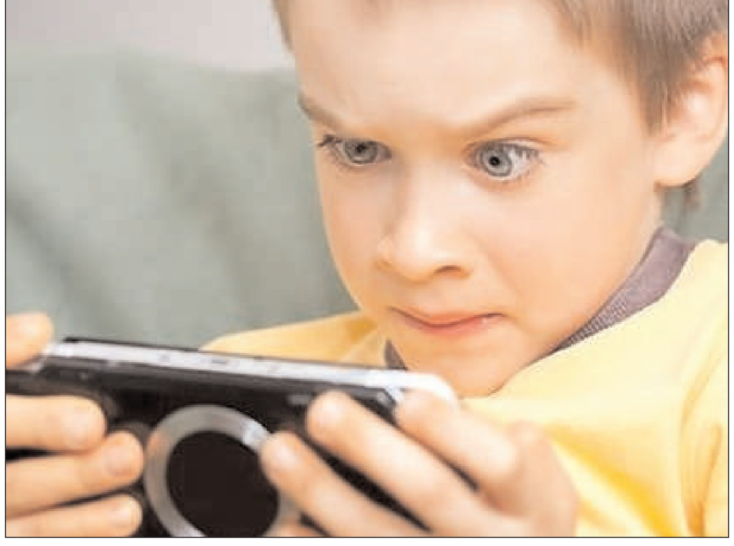

गेम से बाहर निकलना मुश्किल

यह गेम क्लोज्ड ग्रुप में खेला जाता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सएप जैसे साइट्स पर इंविटेशन के जरिए बच्चे इस गेम में शामिल होते हैं। इसमें 50 स्टेज को 50 दिनों में पूरा करना होता है। हर स्टेज पर यूजर को खुद को तकलीफ देते हुए एक तस्वीर ग्रुप पर भेजनी प ?ती है। गेम की सबसे खतरनाक बात यह है कि जब भी बच्चे इस गेम से बाहर निकलने की कोशिश करते हैं तो गेम चलाने वाले आपके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देते है। पुलिस की मानें तो माता-पिता को अपने बच्चों की तरफ खास ध्यान देना होगा, ताकि उन्हें इस खतरनाक गेम से बचाया जा सके।

संपादकीय

सिडनी में खूनी खेल

सिडनी में यहूदियों को निशाना बनाये जाने की घटना ने पहलगाम आतंकी हमले के जख्मों को हरा कर दिया। पहलगाम में भी आतंकियों ने लोगों को चुन-चुनकर मारा था। सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय की सभा पर हुआ हमला हमें इस क्रूरता की याद दिलाता है कि आतंकवादी आम जीवन के केंद्र में, प्रार्थना स्थलों और सुकून देने वाले स्थलों को ही अपना निशाना बनाते हैं। यह हिंसा उस हनुक्का उत्सव के दौरान की गई, जो अंधकार के साम्राज्य को प्रकाश से पराजित करने का संकल्प दर्शाता है। इस मायने में यह हमला क्रूरता की हद दर्शाता है। दरअसल, आस्ट्रेलिया लंबे समय से इस विश्वास के चलते शांति का अहसास करता रहा है कि तमाम वैश्विक संघर्षों से बनायी गई उसकी दूरी, उसे सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन इस घटना के बाद उसका भ्रम टूटा है। अब जाकर उसे यह अहसास हुआ है कि आतंकवादी अपने घातक मसूंबों को अंजाम देने के लिये हमारे ऐसे ही विश्वासों को तोड़कर हमले करते हैं। बॉन्डी के हमले ने न केवल आस्ट्रेलिया के भ्रम को तोड़ा है बल्कि उसे अपनी सुरक्षा नीतियों में बदलाव को बाध्य किया है। जैसा कि अपरिहार्य है, आस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने हमले को एक वैश्विक आतंकवाद के रूप में वर्गीकृत किया है। खासकर हिंसा के तौर-तरीके और वैचारिक मकसद को ध्यान में रखते हुए। यह वर्गीकरण इस बात को भी स्वीकार करता है कि हमला नफरत से प्रेरित हिंसा के एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा था, जो दुनिया के तमाम देशों में देखा जा रहा है। इस आतंकी घटना के बाद यहूदी समुदाय में दुख के साथ-साथ आक्रोश भी उमड़ रहा है। खासकर इस बात को लेकर कि यहूदी समुदाय द्वारा लंबे समय से दी जा रही चेतावनी के बावजूद आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी रवैये को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस प्रवृत्ति पर पहले से ही सतर्क निगरानी रखी गई होती तो शायद बॉन्डी के हमले को टाला जा सकता। निस्संदेह, आस्ट्रेलिया में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से ही इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस तीखी और ध्रुवीकृत हो चली थी। हालांकि, यहां हुए अधिकांश विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे हैं, लेकिन चरमपंथी विचारधारा का पोषण करने वाले मुट्ठीभर लोग भी घातक घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। यह हमला ऐसे मंसूबों की रोकथाम की सीमाओं को भी उजागर करता है। निस्संदेह, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से आंतकी नेटवर्क की निगरानी समय रहते की जा सकती है। वे सही वक्त पर ही न केवल आने वाले खतरों का आकलन कर सकती हैं बल्कि साजिशों को नाकाम भी कर सकती हैं। लेकिन एक विसंगति यह भी है कि सार्वजनिक स्थानों पर अकेले हमले करने वालों को रोकना कुछ कठिन जरूर होता है। जैसे कि इस मामले में देखने में आया है। फिर भी, इस भयावह घटना के बीच एक साहस देखने को भी मिला। एक बहादुर राहगीर ने एक हमलावर को निहत्था करने के लिये अपनी जान भी जोखिम में डाली। हालांकि, वह इस प्रयास में घायल हुआ, लेकिन वह कई लोगों की जान बचाने में कामयाब हुआ। पूरी दुनिया में उसके साहस के लिये प्रशंसा हो रही है। संकट की घड़ी में ऐसा साहस आतंकवादियों की कायरता पर करारा प्रहार होता है और इससे आतंकवादियों के मंसूबे धरे रह जाते हैं। यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि घोर अंधकार के क्षणों में भी मानवता का अंत नहीं होता। निश्चित रूप से इस घटना के बाद आस्ट्रेलिया को सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके यहां रह रहे संवेदनशील समुदायों के लिये मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही समय रहते समाज में घृणा को बढ़ाने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ऐसे वक्त में जब हमास व इस्राइल के संघर्ष के बाद पूरी दुनिया में यहूदी विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, तो इसके खिलाफ वैश्विक स्तर पर साझा लड़ाई लड़ने की जरूरत है। विश्व समुदाय को किसी धर्म या संप्रदाय के खिलाफ होने वाली आतंकी घटनाओं का मुकाबला मिलकर करने की जरूरत है। अन्यथा कट्टरपंथी तत्वों के हौसले बुलंद होते रहेंगे। इसके अलावा आतंकी संगठनों को आर्थिक मदद, समर्थन व अन्य सहयोग देने वाले देशों पर भी शिकंजा कसने की जरूरत है।

> सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय की सभा पर हुआ हमला हमें इस क्रूरता की याद दिलाता है कि आतंकवादी आम जीवन के केंद्र में, प्रार्थना स्थलों और सुकून देने वाले स्थलों को ही अपना निशाना बनाते हैं। यह हिंसा उस हनुक्का उत्सव के दौरान की गई, जो अंधकार के साम्राज्य को प्रकाश से पराजित करने का संकल्प दर्शाता है। इस मायने में यह हमला क्रूरता की हद दर्शाता है। दरअसल, आस्ट्रेलिया लंबे समय से इस विश्वास के चलते शांति का अहसास करता रहा है कि तमाम वैश्विक संघर्षों से बनायी गई उसकी दूरी, उसे सुरक्षा प्रदान करती है। लेकिन इस घटना के बाद उसका भ्रम टूटा है। अब जाकर उसे यह अहसास हुआ है कि आतंकवादी अपने घातक मसूंबों को अंजाम देने के लिये हमारे ऐसे ही विश्वासों को तोड़कर हमले करते हैं। बॉन्डी के हमले ने न केवल आस्ट्रेलिया के भ्रम को तोड़ा है बल्कि उसे अपनी सुरक्षा नीतियों में बदलाव को बाध्य किया है। जैसा कि अपरिहार्य है, आस्ट्रेलिया के अधिकारियों ने हमले को एक वैश्विक आतंकवाद के रूप में वर्गीकृत किया है। खासकर हिंसा के तौर-तरीके और वैचारिक मकसद को ध्यान में रखते हुए। यह वर्गीकरण इस बात को भी स्वीकार करता है कि हमला नफरत से प्रेरित हिंसा के एक व्यापक पैटर्न का हिस्सा था, जो दुनिया के तमाम देशों में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण

भाजपा में युवा नेतृत्व की नई आहट पर भरोसा

ललित गर्ग

> दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यद्यपि यह नियुक्ति औपचारिक रूप से अस्थायी कही जा रही है, किंतु जिस प्रकार से इस निर्णय का पार्टी के भीतर और बाहर स्वागत हो रहा है, उससे यह संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

भारतीय राजनीति में लंबे समय से जिस क्षण की प्रतीक्षा थी, वह अब एक निर्णायक मोड़ पर आ खड़ी हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यद्यपि यह नियुक्ति औपचारिक रूप से अस्थायी कही जा रही है, किंतु जिस प्रकार से इस निर्णय का पार्टी के भीतर और बाहर स्वागत हो रहा है, उससे यह संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है। नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके साथ ही संगठन के विभिन्न स्तरों पर उन्होंने जिस अनुशासन, रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है, वही उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक विकल्प बनाता है। उनका राजनीतिक व्यक्तित्व केवल भाषणों तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने, कार्यकर्ताओं को जोड़ने और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की क्षमता से परिपूर्ण है। यही गुण भाजपा की आत्मा भी है-जहां व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण। चाहे वह केंद्र सरकार में मंत्रियों का चयन हो, राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति हो या संगठन में बदलाव-मोदी ने बार-बार यह साबित किया है कि वे भविष्य की राजनीति को आज गढ़ने में विश्वास रखते हैं। नितिन नबीन का चयन भी इसी विचारधारा का प्रतिफल है। यह निर्णय संकेत देता है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि अगले दो-तीन दशकों के लिए एक स्थायी वैचारिक और संगठनात्मक नेतृत्व तैयार कर रही है। युवा पीढ़ी, विशेषकर पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को आकर्षित करने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि वैचारिक संतुलन का केंद्र भी होता है। इस पद पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति और समर्थन अनिवार्य माना जाता है। भाजपा की चुनावी सफलताओं में संघ की भूमिका सदैव निर्णायक रही है-चाहे

वह विचार-प्रसार हो, कार्यकर्ता निर्माण हो या सामाजिक संपर्क। पिछले कुछ चुनावों में जिन परिस्थितियों का सामना पार्टी को करना पड़ा, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठन और संघ के बीच पूर्ण सामंजस्य कितना आवश्यक है। ऐसे में नितिन नबीन का चयन यह संकेत देता है कि संघ और पार्टी नेतृत्व के बीच गहन विमर्श और सहमति के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। यह नियुक्ति भाजपा को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती पश्चिम बंगाल के आगामी चुनाव हैं। यह राज्य लंबे समय से भाजपा के लिए रणनीतिक और वैचारिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। यहां केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। एक संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की वास्तविक कसौटी यहीं होगी। यदि वे बंगाल में संगठन को नई धार देने, कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने और जनता के बीच विश्वास स्थापित करने में सफल होते हैं, तो उनका नेतृत्व स्वतः ही प्रमाणित हो जाएगा। यही वह मंच है, जहां उनका रुतबा, कौशल और रणनीतिक दृष्टि राष्ट्रीय राजनीति के सामने स्पष्ट होगी। भाजपा की राजनीति में एक विशेष परंपरा रही है-जहां कयास कुछ और होते हैं और निर्णय बिल्कुल अलग दिशा से आता है। अनेक नाम चर्चा में रहते हैं, अनेक चेहरे मंजिल के निकट आकर भी ठहर जाते हैं, किंतु अंतिम निर्णय अक्सर सबको चौंकाने वाला होता है। यही भाजपा की 'चमत्कार करने वाली' संगठनात्मक शैली है। नितिन नबीन का मनोनयन भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह निर्णय उन तमाम अटकलों पर विराम लगाने की क्षमता रखता है, जो लंबे समय से अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी के भीतर चल रही थीं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भाजपा में पद नहीं, क्षमता निर्णायक होती है। नितिन नबीन भारतीय राजनीति की उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठनात्मक निष्ठा, वैचारिक स्पष्टता और सतत जनसंपर्क को अपनी राजनीतिक पहचान बनाया है। छात्र राजनीति से लेकर सक्रिय सार्वजनिक जीवन तक उनका सफ़र अनुशासन, कर्मठता, राष्ट्रीयता और संघर्ष की पाठशाला रहा है। वे जमीनी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करने वाले, जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने वाले और उन्हें प्रशासनिक व राजनीतिक मंचों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने वाले नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। नितिन नबीन की कार्यशैली में युवाओं के प्रति विश्वास, विकासोन्मुख सोच और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे पद को नहीं, दायित्व को प्राथमिकता देते हैं और संगठन के मूल्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ते रहे हैं। नितिन नबीन सिन्हा कायस्थ समुदाय के एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। अभी उन्हें जेपी नड्डा की जगह पर भाजपा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है जो अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में बिहार सरकार में सड़क निर्माण मंत्री है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में लगभग 84,000 वोटों से जीत हासिल की। पिछले चुनाव में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी अंतर से हराया था। पुष्पम प्रिया चौधरी भी इस चुनाव में भारी अंतर से हार गईं। वे पटना जिले के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बिहार विधान सभा के सदस्य हैं। 2 मार्च 2017 को, नबीन ने बिहार कांग्रेस के नेता अब्दुल जलील मस्तान के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया और उनकी नागरिकता पर सवाल उठाया। मस्तान ने कथित तौर पर एक रैली में भीड़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को जूतों से मारने के लिए कहा था। भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त संगठनात्मक आंदोलन है, जिसकी आत्मा उसका अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से सजग कार्यकर्ता है। पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सहभागिता, संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा को मजबूत करता है। संगठन नेतृत्व के प्रति कार्यकर्ताओं का अटूट विश्वास, स्पष्ट दिशा और नेतृत्व की पारदर्शिता भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। यहाँ कार्यकर्ता स्वयं को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी मानता है। यही कारण है कि भाजपा में नेतृत्व और कार्यकर्ता के बीच विश्वास, प्रतिबद्धता और परस्पर सम्मान का संबंध दिखाई देता है, जो पार्टी को निरंतर सशक्त और गतिशील बनाए रखता है। नितिन नबीन का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनयन केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति नहीं, बल्कि भाजपा के भविष्य की राजनीति का स्पष्ट संकेत है। यह युवा नेतृत्व, वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठनात्मक अनुशासन और संघ-समन्वय का संगम है। यदि नितिन नबीन इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हैं-विशेषकर पश्चिम बंगाल जैसी कठिन राजनीतिक भूमि पर-तो वे न केवल भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेंगे, बल्कि भारतीय राजनीति में युवा नेतृत्व की नई परिभाषा भी गढ़ेंगे। यही वह क्षण है, जहां राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि दृष्टि, धैर्य और दूरदर्शिता का प्रमाण बन जाती है।

देश दुनिया से

भारतीय आत्मनिर्भरता की आकांक्षा में रूस की अहम भूमिका

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का नई दिल्ली का दो दिवसीय दौरा 2022 में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद भारत की उनकी पहली यात्रा थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी में हुए इस शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के बीच टिकाऊ रणनीतिक साझेदारी पर ज़ोर दिया गया, जिसे दशकों चले शीत युद्ध-काल के सहयोग के दौरान विकसित किया गया था। इस यात्रा ने काफ़ी वैश्विक रुचि पैदा की, क्योंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ की कोशिश रही है कि यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध को लेकर रूसी राष्ट्रपति को 'अलग-थलग' किया जाए। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने तो यूक्रेन में युद्ध अपराधों के संबंध में पुतिन की गिरफ्तारी का वारंट तक जारी कर रखा है। इसलिए, उनकी अगवानी पारंपरिक शिखर सम्मेलन की भव्यता और संबंधित प्रोटोकॉल के साथ करने के भारतीय निर्णय का अपना रणनीतिक महत्व रहा। मोदी ने हवाई अड्डे पर रूसी नेता का स्वागत ट्रेडमार्क बन चुके गले लगाने के अपने अंदाज़ में किया, जोकि दोनों नेताओं के बीच संबंध को रेखांकित करता है। यह यात्रा भारत पर रूसी तेल आयात और रक्षा खरीद पर अंकुश लगाने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबावों के बीच हुई; दोनों पक्षों ने इस बात की पुष्टि की कि उनके संबंध 'बाहरी दबाव के परिप्रेक्ष्य में लचीले' हैं। 1960 के दशक के मध्य से रूस रिवायती तौर पर भारत को सैन्य उपकरण और प्रमुख युद्धक सामग्री (टैंक, जहाज, विमान) का आपूर्तिकर्ता रहा है, लेकिन यात्रा से पूर्व जताई गई उम्मीदों और अटकलों के विपरीत, पुतिन की यात्रा के दौरान कोई बड़ा रक्षा सौदा घोषित नहीं हुआ। संयुक्त बयान में संदर्भ अपेक्षाकृत सामान्य था और इसमें कहा गया था कि सैन्य और सैन्य-तकनीकी सहयोग पारंपरिक रूप से भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का एक स्तंभ रहा है। आगे कहा गया: 'भारत की आत्मनिर्भरता अभियान के जवाब में, साझेदारी वर्तमान में उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी और प्रणालियों के संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, सह-विकास और सह-उत्पादन की ओर फिर से उन्मुख हो रही है'। ज्यादा ज़ोर भारत में मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से रूसी मूल के हथियारों और रक्षा उपकरणों के रखरखाव के लिए स्पेयर पार्ट्स, घटकों, संलग्न एवं अन्य उत्पादों के भारत में संयुक्त निर्माण पर दिया गया; भारतीय सशस्त्र बलों की ज़रूरतें पूरी करने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करना; और आगे चलकर परस्पर मित्र तीसरे राष्ट्रों को निर्यात की तैयारी करना। मोदी-पुतिन शिखर सम्मेलन ने भारत-रूस रक्षा संबंधों में एक संभावित रणनीतिक बदलाव का संकेत दिया, जो पारंपरिक खरीदार-विक्रेता गतिशीलता से आगे बढ़कर प्रगाढ़ सहयोग की तरफ बढ़ रहा है। यह रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता पहल के अनुरूप है, जिसका मकसद आयात पर निर्भरता को और कम करना है – रूस की हिस्सेदारी 2010-15 के बीच 72 प्रतिशत के उच्च स्तर से घटकर 2020-24 में 36 फीसदी रह गई। यह सबक लेने लायक है कि 1960 के दशक के मध्य में सोवियत संघ से काफी सैन्य साजो-सामान (पहला मिग फाइटर एयरक्राफ्ट, पेट्या/कमोर्टा-क्लास नौसैन्य पोत और टैंक) हासिल करने के बावजूद, भारत कभी भी अपने करीबी सहयोगी से कोई डिज़ाइन संबंधी जानकारी हासिल नहीं कर पाया। इस प्रकार, सोवियत/रूसी मूल के अधिकांश उपकरण जो कहने को तो भारत में 'निर्मित' किए गए थे, उनमें भी मुख्य रूप से काम आयातित किट/पुर्जों को असेंबल करने का ही था। इसका मतलब था कि चाहे वह गोला-बारूद फैक्ट्रियां हों या हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, मुख्य गतिविधि पुर्जों को जोड़ना भर था और रिवर्स-इंजीनियरिंग करने या स्वदेशी डिज़ाइन पर काम करने का बहुत कम या कोई प्रयास नहीं किया गया। डिज़ाइन के क्षेत्र में प्रवेश करने की यह अक्षमता/अनिच्छा चीनी उदाहरण के बिल्कुल विपरीत है। सोवियत-युग के सैन्य उपकरणों की चीन की सबसे सफल रिवर्स-इंजीनियरिंग उपलब्धि एसयू-27 'फ्लैंकर' की नकल कर शेनयांग जे-11 फाइटर जेट परिवार का विकास करना है। पीएलए वायु सेना ने शुरू में 1990 के दशक में लाइसेंस प्राप्त उत्पादन समझौते के तहत रूस से एसयू-27 एसके फाइटर जेट खरीदे, और रूसी-आपूर्ति वाली किट का उपयोग करके उन्हें जे-11ए के रूप में असेंबल किया। हालांकि, 2000 के दशक के मध्य तक, चीन विमान की रिवर्स-इंजीनियरिंग करने में सफल रहा - प्रमुख घटकों को बाहर निकालकर, उनका विश्लेषण और नकल करके - बिना किसी और रूसी भागीदारी के पूरी तरह स्वदेशी जे-11बी संस्करण का उत्पादन कर लिया। इसमें एयरफ्रेम, एवियोनिक्स, राडार सिस्टम और प्रोपल्शन की नकल करना, फिर डब्ल्यूएस-10 टर्बोफैन इंजन (रूसी एएल-31एफ की रिवर्स-इंजी.), एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड ऐरेें (एईएसए) राडार और घरेलू स्तर पर उत्पादित हथियार प्रणालियां जैसे कि चीनी अपग्रेड को एकीकृत करना शामिल था। एसयू-27 खुद सोवियत संघ में बना था (1970 के दशक में डिज़ाइन किया गया, 1985 में सेवा में आया), जिससे जे-11 सोवियत तकनीक का सीधा रूपांतरण बन गया। इस डिज़ाइन सफलता ने चीन को अपनी आयात निर्भरता कम करने, आत्मनिर्भरता हासिल करने और फिर इस फाइटर का निर्यात करने के काबिल बनाया, जिसका एक प्रमुख खरीदार पाकिस्तान है। वहीं, भारत ने अपना पहला सुखोई, एसयू-30, 1997 में खरीदा, लेकिन मौजूदा राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र संकोची रहा और आयात निर्भरता जारी रही, जिसमें फ्रांसीसी लड़ाकू विमान (राफेल) एक वैकल्पिक आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा। पुतिन की यात्रा में पांचवीं पीढ़ी के एसयू-57 फाइटर जेट में फिर से दिलचस्पी देखी गई, जिसमें भारत 'सोर्स कोड एक्सेस' और 'स्टेल्थ एन्हांसमेंट' तकनीक हस्तांतरण की मांग कर रहा है। क्या यह बतौर संभावित अधिग्रहण स्वदेशी तेजस का पूरक बनेगा, यह बहस का मुद्दा बना हुआ है। इससे इनकार नहीं कर सकते कि रूस (सोवियत युग के दौरान और उसके बाद भी) ने भारत को कुछ खास क्षेत्रों में अमूल्य तकनीकी सहायता प्रदान की है जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है - मिसाइलें और पानी के नीचे परमाणु चलित पनडुब्बी (आईएनएस अरिहंत) इसकी मिसाल हैं। संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस मिसाइल एक सफलता गाथा है, और इस यात्रा में इस मिसाइल के हल्के वेरिएंट को सहयोग के संभावित क्षेत्र के रूप में सूचीबद्ध किया गया। अहम सैन्य उपकरणों का डिज़ाइन ज्ञान किसी राष्ट्र के लिए गौरवपूर्ण है और ऐसा ज्ञान बाजार से आसानी से नहीं खरीदा जा सकता। सोवियत संघ/रूस, जिससे भारत के मजबूत सैन्य आपूर्तिकर्ता संबंध रहे हैं, उसने भी डिज़ाइन ज्ञान साझा नहीं किया है। पुतिन की यात्रा के परिणाम बढ़िया हो सकते हैं बशर्ते भारत आत्मनिर्भरता को उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ प्राथमिकता दे पाए और रूस के साथ साझेदारी की ओर फिर से उन्मुख होकर चुनिंदा उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों के संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, सह-विकास और सह-उत्पादन की पूरी क्षमता का अहसास कर पाए।

कुछ अलग

सेवा तीर्थ

साधो! सवाल लोकचंद्र का है और लोकचंद्र को बचाने की जिम्मेवारी आपके उन मजबूत कंधों पर है, जो सदियों तक गेहुंए, भूरे और गोरे हाकिमों के जुए में जुतने के बाद आजकल लोकचंद्र की खुली फिजाओं में फैले प्रदूषण में सर्दियों की गुनगुनी धूप का मजा ले रहे हैं। पर अगर आपने अभी लोकचंद्र की रक्षा नहीं की, तो इस बात की पूरी संभावना है कि जल्द ही आप अपने आपको काले हाकिमों के जुए में बंधा पाएं। दरअसल, हमारे देश का इतिहास कथावाचकों का है। कथावाचकों के इस देश में तथ्यों को पहचानना और उन तक पहुंचना कभी आसान नहीं रहा। धार्मिक कथावाचकों की इस देश में कभी कमी नहीं रही। आजादी की लड़ाई और उसके बाद इसमें राष्ट्रवादी राजनीतिक कथावाचक भी शामिल हो गए। लेकिन अखिल ब्रह्मांड को सोशल मीडिया के आने के बाद ही हमारी सच्ची राष्ट्रीय कथावाचालता से रूबरू होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सोशल मीडिया पर खुले विश्वविद्यालयों में हर क्षण पेले जा रहे नए ज्ञान से अब मुझे यकीन हो चला है कि मैं केवल हाड़-मांस का पुतला नहीं, परमपिता परमात्मा द्वारा भेजा गया ऐसा दिव्य पुरुष हूं, जिसने देश को रसातल में पहुंचाने के लिए ही जन्म लिया है। मुझे यह ऊर्जा व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी को सुनने-समझने और उसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए मिली है। आपका मुझे पता नहीं। पर एक अंधभक्त होने के नाते कम से कम मैं तो अपने आपको भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे अपने जीवन के चौथे दशक के उत्तरार्ध से आजादी के अमृतकाल में जीने का अवसर मिला। विश्वगुरू के स्टेशन से आगे निकलकर देश की गाड़ी अब ब्रह्मांडगुरू स्टेशन की ओर अग्रसर है।

आप का नजरिया

फिल्म में सच्चाई

हमारे देश में हर चीज में राजनीति घुसेडऩा एक आदत सी बन गई है और यह बात तथाकथित लिबरल और हमारे थके-पके कम्युनिस्ट भाइयों पर पूरी तरह से लागू होती है। अब ताजा संदर्भ है एक मूवी का जिसका नाम है धुरंधर। अनछुए विषय पर बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तो धमाल मचाया ही, सोये हुए भारतीयों को फिर जगा दिया। और यहीं से लेफ्ट लिबरल लोगों की तकलीफ बढ़ गई कि क्यों पुराने जख्म कुरेदे गए या फिर पाकिस्तान को बैड लाइट में दिखाया गया। लेकिन जो सच है, उसे छुपाना कैसा? फिल्मकार आदित्य धार ने एक पुराने लेकिन प्रासंगिक विषय पर एक फिल्म बना डाली। यह कहानी है पाकिस्तान के कराची शहर की जहां का सबसे पुराना इलाका ल्यारी गैंग वार से दशकों से आतंकित रहा है। उसी ल्यारी में एक खूंखार डॉन होता था जिसका नाम था बाबू बलोच। लेकिन वह बाबू डकैत के नाम से जाना जाता है। उसकी दहशत इतनी थी कि लोग उसका नाम सुनते ही कांपने लगते थे। बाबू बलोच को रहमान नाम के दूसरे बलोच ने मार गिराया और खुद वहां का बेताज बादशाह बन बैठा। रहमान डकैत बेहद क्रूर और निर्दयी था। इनसानी जिंदगी की उसके पास कोई कीमत नहीं थी। उसके ही गैंग में धुरंधर यानी भारतीय एजेंट हमजा बलोच बनकर जा घुसा। इस फिल्म की कहानी में उन डकैतों की जिंदगी और एक आईएसआई एजेंट की मिलीभगत के सीन भी हैं। एक पुलिस अफसर असलम की भी कहानी है जो डकैतों को खत्म करने में लगा था। कई सालों तक कराची में उसका नाम गूंजता था। कहा जाता है कि बाद में जब तालिबान कराची में घुसे तो उन्होंने एसपी असलम को ही उड़ा दिया। बहरहाल इस फिल्म से लिबरल और कम्युनिस्टों को तकलीफ यह है कि इसमें कराची के मुसलमानों के बारे में सच-सच दिखाया गया। हिंदुओं के बारे में कहा गया कि वे डरपोक होते हैं। इन बातों से उन्हें बहुत तकलीफ हो रही है और पाकिस्तानी मीडिया के सदस्यों की तरह ही इसे गलत साबित करने में लगे हुए हैं। लेकिन यह सब कुछ सच है। आप पूछेंगे कि कैसे? तो मैं बताता हूं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट श्रृंखला कवरेज के लिए मैं नवभारत टाइम्स की ओर से पाकिस्तान गया था। वहां मुझे दोनों पहलू दिखे। एक ओर मेरी एक भारतीय के तौर पर बहुत खातिर हुई तो दूसरी ओर मुझे कुछ ऐसे पाकिस्तानी भी मिले जो भारत को बिल्कुल पसंद नहीं करते थे। दैनिक अखबार जंग के एक सीनियर जर्नलिस्ट थे जिनका नाम मुझे याद नहीं है, भारतीय पत्रकारों के लिए शाकाहारी खाना लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में लाते थे। वह लीजर टाइम में या फिर लंच टाइम में पाकिस्तान के बारे में काफी कुछ बताते थे। उससे मुझे मालूम पड़ा कि कैसे वहां क्राइम और करप्शन का बोलबाला है। मैंने खुद वहां इमिग्रेशन और कस्टम काउंटर पर रिश्वत दी क्योंकि वह एक रिवाज था। इतना ही नहीं एक बार मैं और मेरे फोटोग्राफर मित्र विमल सक्सेना जब लाहौर के बाजार में घूम रहे थे तो वहां हमारा एक दुकानदार से डॉलर बदलने के मामले में विवाद हो गया तो फिर हमारे फोटोग्राफर मित्र लडऩे की मुद्रा में आ गए थे, दिल्ली स्टाइल में। फिर लोगों ने बीच-बचाव कराया। मैंने अपने मित्र का हाथ पकड़ा तो उसी समय उस दुकानदार ने कहा कि हिंदू डरपोक होते हैं। यह मेरे कानों से सुनी बात है। अगर फिल्म में ऐसा कहा गया है तो सोलह आने सही कहा गया है। पहले वहां यही माना जाता था। अब हालात शायद बदले हैं। इसका कारण यह भी था कि पाकिस्तान बनाने की बात जिन्ना ने जब सोची तो उसने डायरेक्ट एक्शन की बात की जिसके तहत आठ लाख हिंदू और सिख मार दिए गए, लड़कियां उठा ली गईं, धन लूट लिया गया। हिंदू कुछ नहीं कर सके। इसलिए उन्हें डरपोक माना जाता है। इस फिल्म में सच्चाई बयान की गई है, इसमें दो राय नहीं होनी चाहिए। हर विषय पर राजनीति भी नहीं होनी चाहिए, आखिर सीमा पार का मामला है।

> हिंदुओं के बारे में कहा गया कि वे डरपोक होते हैं। इन बातों से उन्हें बहुत तकलीफ हो रही है और पाकिस्तानी मीडिया के सदस्यों की तरह ही इसे गलत साबित करने में लगे हुए हैं। लेकिन यह सब कुछ सच है। आप पूछेंगे कि कैसे? तो मैं बताता हूं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट श्रृंखला कवरेज के लिए मैं नवभारत टाइम्स की ओर से पाकिस्तान गया था। वहां मुझे दोनों पहलू दिखे। एक ओर मेरी एक भारतीय के तौर पर बहुत खातिर हुई तो दूसरी ओर मुझे कुछ ऐसे पाकिस्तानी भी मिले जो भारत को बिल्कुल पसंद नहीं करते थे। दैनिक अखबार जंग के एक सीनियर जर्नलिस्ट थे जिनका नाम मुझे याद नहीं है, भारतीय पत्रकारों के लिए शाकाहारी खाना लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में लाते थे। वह लीजर टाइम में या फिर लंच टाइम में पाकिस्तान के बारे में काफी कुछ बताते थे। उससे मुझे मालूम पड़ा कि कैसे वहां क्राइम और करप्शन का बोलबाला है। मैंने खुद वहां इमिग्रेशन और कस्टम काउंटर पर रिश्वत दी क्योंकि वह एक रिवाज था। इतना ही नहीं एक बार मैं और मेरे फोटोग्राफर मित्र विमल सक्सेना जब लाहौर के बाजार में घूम रहे थे तो वहां हमारा एक दुकानदार से डॉलर बदलने के मामले में विवाद हो गया तो फिर हमारे फोटोग्राफर मित्र लडऩे की मुद्रा में आ गए थे, दिल्ली स्टाइल में। फिर लोगों ने बीच-बचाव कराया। मैंने अपने मित्र का हाथ पकड़ा तो उसी समय उस दुकानदार ने कहा कि हिंदू डरपोक होते हैं। यह मेरे कानों से सुनी बात है। अगर फिल्म में ऐसा कहा गया है तो सोलह आने सही कहा गया है।

दृष्टि कोण

इंडिगो को कड़ी सजा की जरूरत

हाल ही में, इंडिगो एयरलाइंस की बड़ी संख्या में फ्लाइट रद्द होने की वजह से इस विमानन क्षेत्र में बहुत अफरा-तफरी मच गई और हवाई यात्रियों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा। इसका कारण लगभग दो साल पहले घोषित एक नियम का लागू होना था, जिसके बारे में एयरलाइंस को कई बार छूट भी दी गई थी ताकि वे नियमों का पालन करने के लिए खुद को तैयार कर सकें। लेकिन, जब डेडलाइन पास आई, तो इंडिगो इसके लिए बिल्कुल तैयार नहीं थी और इसका नतीजा यह हुआ कि इतनी बड़ी अफरा-तफरी मच गई, जैसी पहले कभी नहीं देखी गई थी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलट की थकान कम करके विमान सुरक्षा बढ़ाने के लिए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिट (एफडीटीएल) यानी उड़ान ड्यूटी समय सीमा, के नियमों में बदलाव किया। सबसे पहले, यह अनिवार्य किया गया कि पायलटों को हफ्ते में पहले के 36 घंटे से बढ़ा कर, कम से कम लगातार 48 घंटे आराम दिया जाए। दूसरा, रात की आधिकारिक परिभाषा जो पूर्व में आधी रात से सुबह 5 बजे तक का समय था, उसे बढ़ा कर आधी रात से सुबह 6 बजे तक कर दिया गया। तीसरा, अब एक पायलट एक रात की ड्यूटी के समय में ज्यादा से ज्यादा दो लैंडिंग कर सकता है, जो पिछली छह की सीमा से काफी कम है। डीजीसीए ने साफ किया है कि निजी तौर पर ली गई छुट्टी को हफ्ते में 48 घंटे के जरूरी आराम का हिस्सा नहीं माना जा सकता। इससे यह पक्का होता है कि आराम का समय सिर्फ रिकवरी के लिए इस्तेमाल हो, न कि छुट्टी के दिनों के साथ जोड़ा जाए, पायलटों का कहना है कि यह तरीका पहले आम था। अभी के लिए, सभी एयरलाइनों को इस जरूरत से कुछ समय के लिए छूट मिली है ताकि पूरे भारत में सामान्य स्थिति बहाल हो सके। ये नियम बहुत पहले ही अधिसूचित कर दिए गए थे, और एयरलाइंस को इन्हें मानने के लिए पर्याप्त समय भी दिया गया था, जिसे इंडिगो समय पर लागू करने में नाकाम रही, और फिर एक टाइमलाइन दी गई,

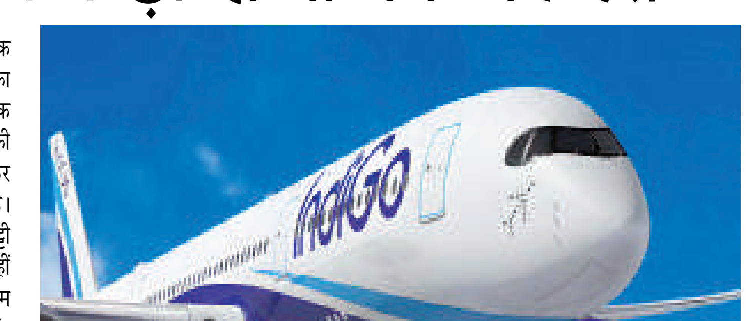

जिसे वे फिर से चूक गए, और आखिरकार वह दिन आ गया जिसके आगे सरकार ने रियायत देने से इनकार कर दिया और नतीजा सबसे बुरी अफरा-तफरी थी। अब फिर से यात्रियों को परेशानी से बचाने के लिए, सरकार ने फरवरी माह तक की छूट दी है। जैसा कि हम समझते हैं कि चूंकि नए नियम काम के घंटों से जुड़े थे, जिसमें रात में काम करना भी शामिल था, इंडिगो को समय रहते इन्हें लागू करने की कोशिश करनी चाहिए थी, क्योंकि ये नए नियम रातों-रात लागू नहीं हुए थे। जरूरी बात यह है कि इंडिगो ने नए नियमों को मानने की शायद ही कोई कोशिश की, बल्कि इस बात का फायदा उठाते हुए कि सरकार को यात्रियों की परेशानी के कारण उनके अनुपालन में छूट देनी ही होगी, उन्होंने धीरे-धीरे आगे बढऩे के बजाय अपनी समय सारिणी यानी शेड्यूल को जारी रखा। यह समझा जा सकता है कि पायलटों के आराम और रात में उड़ान भरने के नए नियमों का पालन करने के लिए, एयरलाइंस को और पायलट तैनात करने होंगे। यह कोई राज नहीं है कि इंडिगो अपने मुनाफे को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने के लिए लागत कम करने की कोशिश कर रही है और इस कम हुई लागत का एक हिस्सा पायलटों का वेतन भी है। इसका अत्यंत आसान हिसाब है। हम समझते हैं कि अगर पायलटों को अभी के 36 घंटे के बजाय 48 घंटे का आराम देना है, तो एयरलाइंस को ज्यादा पायलट रखने होंगे, जिसका मतलब होगा पायलट के वेतन और अन्य भुगतानों पर कम से कम 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी। जाहिर है इंडिगो यह त्याग करने के लिए अनिच्छुक थी।

पेरिस में भी होती है ऑफिस पॉलिटिक्स भारतीय प्रोफेशनल का वीडियो हुआ वायरल

पेरिस, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पेरिस में कार्यरत एक भारतीय प्रोफेशनल का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसे लेकर व्यापक बहस छिड़ गई है। इस वीडियो में वह शख्स विदेश में भारतीय सहकर्मियों के साथ काम करने के अपने अनुभवों को खुलकर साझा करता है। उसका कहना है कि कई भारतीय कर्मचारी अपने काम पर फोकस करने के बजाय दूसरों की छोटी-छोटी गलतियों पर नजर रखने और उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने में ज्यादा रुचि लेते हैं।

वीडियो में वह बताता है कि यदि कोई कर्मचारी महज पांच मिनट देर से ऑफिस पहुंच जाए, तो उस बात को इस तरह मैनेजर तक पहुंचाया जाता है, मानो उसने कोई बहुत बड़ा अपराध कर दिया हो। दूसरी ओर, जो कर्मचारी समय से पहले ऑफिस आता है, वह इसे अपनी महानता दिखाने का जरिया बना लेता है और दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश करता है। उसके अनुसार यह व्यवहार न केवल अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा को जन्म देता है, बल्कि टीम के माहौल को भी खराब करता है। उसका आरोप है कि कुछ भारतीय कर्मचारियों के बीच गॉसिप, बैकबाइटिंग और शिकायतें ऑफिस की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं। वह कहता है कि वह खुद को खुशकिस्मत मानता है क्योंकि जिस प्रोजेक्ट पर वह काम कर रहा है, उसमें वह अकेला भारतीय है। इसी वजह से उसे रोज के ड्रामे, आपसी राजनीति और तनाव से जूझना नहीं पड़ता। वीडियो में वह साफ शब्दों में कहता है कि एक भारतीय अक्सर दूसरे भारतीय का दुश्मन बन जाता है। उसके मुताबिक यह स्थिति सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि विदेशों में भी यही देखने को मिलती है। उसका दावा है कि पेरिस में स्थानीय कर्मचारी आमतौर पर ऑफिस पॉलिटिक्स पर ज्यादा ध्यान नहीं देते, जबकि भारतीय कर्मचारी अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ साजिशें रचने में लगे रहते हैं। इसका सीधा असर टीमवर्क पर पड़ता है और धीरे-धीरे पूरा वर्क एनवायरनमेंट टॉक्सिक बन जाता है। वीडियो का एक चौंकाने वाला पहलू तब सामने आता है जब वह बताता है कि जिन मैनेजर्स के सामने ये छोटी-छोटी शिकायतें पहुंचाई जाती हैं।

न्यूज ब्रीफ

चार्ली क्रिक की हत्या पर कैसा था ट्रंप का पहला रिएक्शन.......जेडी वेंस ने बताया

वॉशिंगटन। टर्निंग प्वाइंट यूएसए के पूर्व प्रमुख चार्ली क्रिक की हत्या 10 सितंबर को एक यूनिवर्सिटी संवाद के दौरान हुई थी। इस हत्या के बाद क्रिक समर्थकों के बीच में शोक की लहर दौड़ गई थी। क्रिक अपने विचारों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी प्रभावित करते थे। अब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे चार्ली क्रिक की हत्या पर राष्ट्रपति ट्रंप का पहला रिएक्शन क्या था। इस वीडियो में वेंस ने कहा, मैंने सोशल मीडिया पर देखा। मुझे समझ आ गया था कि क्या हो गया है। मैं उन घंटों को कभी नहीं भूलूंगा। इसके बाद वेंस ने बताया कि उन्होंने यह खबर राष्ट्रपति ट्रंप को कैसे दी। उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि मैं ओवल ऑफिस गया और राष्ट्रपति को घटना के बारे में बताया। आम तौर पर राष्ट्रपति के पास किसी भी परिस्थिति में कहने के लिए कुछ न कुछ होता है... उनमें यह क्षमता है कि वह चीजों को संभाल लेते हैं। लेकिन उस दिन यह उन गिने-चुने मौकों में था... या शायद इकलौता मौका था, जब मैंने उन्हें पूरी तरह से स्तब्ध देखा। वेंस ने कहा, वह बस अपनी कुर्सी पर पीछे टिक गए और बोले, यार उसने हमारे लिए काफी मजबूती से लड़ाई लड़ी। बता दें 2016 के बाद से ट्रंप और क्रिक के बीच में काफी घनिष्ठ संबंध थे।

इल्हान उमर का आरोप, उनके बेटे से नागरिकता सिद्ध करने के लिए कहा गया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से प्रवासियों के लिए जीवन थोड़ा कठिन हुआ है। इसी कड़ी में मिनेसोटा की डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि इल्हान उमर ने दावा किया है कि उनके बेटे अदनान को अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्ट्स्म एनफोर्समेंट के एजेंट्स ने रोक कर अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए कहा।

रिपोर्ट के मुताबिक यह एजेंट्स सरकार के आदेश पर अवैध अप्रवासियों की तलाश कर रहे हैं। इल्हान ने पूरी घटना के बारे में बताया कि कल, जब वह एक स्टोर पर कुछ खरीद रहा था, तभी अदनान को कुछ आईसीई एजेंट्स ने रोक दिया और अपनी नागरिकता सिद्ध करने को कहा। चूंकि अदनान अपना पासपोर्ट हमेशा अपने साथ रखता है, उसने एजेंट को दिखाया और फिर अदनान को जाने दिया गया। दरअसल, अमेरिका में इल्हान उमर का नाम कोई कम जाना पहचाना नहीं है। कश्मीर के मुद्दे पर खुलकर पाकिस्तान का सपोर्ट करने वाली इल्हान उमर सोमालिया की मूल निवासी हैं। ट्रंप कई बार उन पर निजी हमला करते हुए उन्हें कचर बताकर कहा था कि वह नहीं चाहते कि यह अमेरिका में रहे। ट्रंप का आरोप है कि अमेरिका की नागरिकता पाने के लिए इल्हान ने अपने भाई से ही शादी कर ली। कौन है अदनान हिरसी इल्हान उमर और उनके पूर्व पति अहमद हिरसी के बेटे का नाम अदनान है। इसके अलावा इस दंपत्ति के दो बेटियां और हैं। हालांकि, इन तीनों के बारे में सार्वजनिक जानकारी बहुत कम है। हालांकि, 2016 में जब मिनेसोटा से इल्हान जीतकर आई थीं, उस वक्त अदनान 10 साल के थे। उमर ने बताया कि यह पहली बार नहीं है, जब उनके बेटे को एजेंट्स ने रोका हो। इससे पहले भी एक मस्जिद में वह कुछ लोगों के साथ नमाज पढ़ रहा था। ठीक उसी समय वहां पर एजेंट्स आ गए और सभी से पूछताछ की। हालांकि, बाद में सभी को छोड़ दिया गया।

यूरोपा की सतह पर मिला अजीब, डरावना और मकड़ी जैसा विशाल निशान

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष में बृहस्पति के बर्फीले चांद यूरोपा की सतह पर वैज्ञानिकों को एक अजीब, डरावना और मकड़ी जैसा विशाल निशान मिला है। इस घटना ने अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में हलचल मचा दी है।

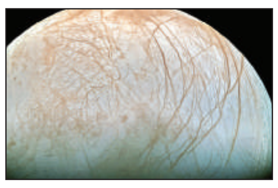

यह ऐसा नजर आता है मानो किसी विशाल जीव ने बर्फ पर खरोंच मारी हो या कोई दैत्याकार मकड़ी वहां रेंग गई हो। यह रहस्यमय पैटर्न नासा के गैलिलियो स्पेसक्राफ्ट ने 1990 के दशक में कैद किया था, लेकिन अब जाकर वैज्ञानिक इसके पीछे छिपे राज को समझ पाए हैं। इस निशान को वैज्ञानिकों ने आयरिश भाषा में 'डम्हैन अल्ला' नाम दिया है, जिसका अर्थ होता है 'दीवार का राक्षस' या 'स्पाइडर'। यह निशान यूरोपा के मनन्नान क्रेटर के पास देखा गया था, जहां बर्फ पर तारे के फटने जैसे रेडियल पैटर्न नजर आते हैं। लंबे समय तक इसे उल्कापिंड की टक्कर का नतीजा माना गया, लेकिन ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन के वैज्ञानिकों की नई रिसर्च ने इस धारणा को बदल दिया है। अध्ययन के मुताबिक, यह निशान किसी बाहरी टक्कर से नहीं, बल्कि यूरोपा के भीतर चल रही गतिविधियों से बना है।

नेपाल में बनी स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक 'राम-लक्ष्मण' वोटिंग मशीन का प्रयोग करेगी ओली की पार्टी

काठमांडू, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

नेपाल में दो उद्यमी भाइयों ने एक इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का आविष्कार किया है जिसका प्रयोग पहली बार नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) (नेकपा-एमाले) अपने 11वें राष्ट्रीय महाधिवेशन में मतदान के लिए करने जा रही है। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो इसका उपयोग आम चुनाव में करने विचार किया जा सकेगा। नेकपा एमाले केंद्रीय निर्वाचन आयोग के अध्यक्ष विजय सुब्बा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाधिवेशन के लिए कुल 100 इलेक्ट्रॉनिक 'राम-लक्ष्मण' वोटिंग मशीनें लाई गई हैं, जिनमें से 80 मशीनों का प्रयोग मतदान में किया जाएगा। सुब्बा के अनुसार, एक मतदाता को मतदान करने में कम से कम 25 से 30 मिनट लगेंगे। महाधिवेशन में कुल 2,263 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। राम-लक्ष्मण इनोवेशन प्रा. लि. के संचालक लक्ष्मण रिमाल ने बताया कि 10 मशीनें अभ्यास (डेमो) के लिए तथा 10 अतिरिक्त मशीनें रखी गई हैं। इससे पहले, वर्ष 2021 में सौराहा में आयोजित 10वें महाधिवेशन में भी इलेक्ट्रॉनिक मशीनों के माध्यम से मतदान किया गया था। रिमाल बंधुओं द्वारा विकसित यह मशीन 'ऑफलाइन सिस्टम' पर आधारित है, जिसके कारण इसे हैक नहीं किया जा सकता, ऐसा उनका दावा है। उनके अनुसार, मतदान के बाद प्रमाण के रूप में मशीन से प्रिंटेड कागज निकलता है, जिसे यदि मामला अदालत तक जाता है तो अदालत द्वारा मान्य किया जा सकता है। मशीन में डिजिटल हस्ताक्षर होते हैं और मतदान का रिकॉर्ड मशीन में दो स्थानों पर सुरक्षित रहता है। अनुसंधानकर्ता लक्ष्मण रिमाल ने बताया कि उनके द्वारा बनाई गई मशीन से मतदान तेज़ी से होता है, मत रद्द होने की संभावना बिल्कुल नहीं रहती, और मतगणना भी केवल एक बटन क्लिक करते ही तुरंत पूरी होकर परिणाम सार्वजनिक हो जाता है। अनुसंधानकर्ता भाई राम-लक्ष्मण रिमाल की इच्छा है कि उनके द्वारा विकसित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को देश के किसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में भी प्रयोग करने का अवसर मिले। लक्ष्मण रिमाल ने कहा, 'मतदाताओं को अलग से मतदाता शिक्षा की आवश्यकता नहीं पड़ती। न केवल बुजुर्गों बल्कि दिव्यांग व्यक्तियों के लिए भी मतदान आसान हो जाता है।

जेन जी आंदोलन न्यायिक जांच के समक्ष नेपाली सेना के प्रधान सेनापति का बयान दर्ज

काठमांडू। नेपाली सेना के प्रधान सेनापति जनरल अशोकराज सिग्देल ने जेन जी आंदोलन की जांच कर रहे केन्द्रीय आयोग के समक्ष बयान में कहा है कि सेना देश के वैधानिक एवं जिम्मेदार निकायों द्वारा निर्णय लिए बिना स्वयं से कोई कार्रवाई करने में सक्षम नहीं है। जांच आयोग के समक्ष बयान में प्रधान सेनापति ने कहा कि 8 सितंबर को हुई हताहतों की घटनाओं के कारण आम जनता में तीव्र आक्रोश फैल गया था और सुबह होते ही हालात काबू से बाहर हो गए थे। सिग्देल के बयान में कहा गया, 'कम समय में, इतने छोटे स्थान पर इस प्रकार की घटना होने के बाद अगले ही दिन सुबह से स्थिति असामान्य और नियंत्रण से बाहर हो गई थी। यदि सुबह से ही स्थिति नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाया गया होता, लेकिन उसे सुबह 10 बजे तक सामान्य मानकर छोड़ दिया गया, तो सभी को बाहर निकलने का मौका मिल गया और हालात और भी बिगड़ गए। 'उन्होंने यह भी कहा कि यदि सुबह करीब 10 बजे, जब स्थिति गंभीर रूप से बिगड़ चुकी थी, उस समय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाकर आपातकाल या इसी तरह का कोई कदम उठाया गया होता, तो स्थिति को संभाला जा सकता था। उनके बयान में कहा गया कि 'देश के वैध और जिम्मेदार निकायों द्वारा निर्णय लिए बिना सेना स्वयं कार्रवाई नहीं कर सकती थी।' सिग्देल ने अपने बयान में यह भी कहा कि कई स्थानों पर सैनिकों ने वरिष्ठ अधिकारियों और सरकारी निकायों की सुरक्षा के लिए बार-बार प्रयास किए तथा कठिन परिस्थितियों में फंसे कई पुलिसकर्मियों की जान बचाकर उनका उद्धार भी किया। उनके बयान में यह भी कहा गया, 'यदि यह मान लिया जाए कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर हो चुकी थी और सेना स्वयं तैनात हुई होती, तो बिना बल प्रयोग के हालात को नियंत्रित करना संभव नहीं था।

तुर्किये में जहां उगता है सबसे ज्यादा गेहूं, अब जमीन में हो रहे सैकड़ों गड्ढे

अंकारा, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ग्राउंड वाटर के अत्यधिक इस्तेमाल से इलाका सूखे का कर रहा सामना

तुर्किये के कोन्या मैदान में सबसे ज्यादा गेहूं उगाया जाता है। कोन्या मैदान का कुल कृषि क्षेत्र करीब 2.6 मिलियन हेक्टेयर है, जो तुर्किये के कुल कृषि क्षेत्र का 11.2 फीसद है। क्षमता से ज्यादा उपज और ग्राउंड वाटर के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण यह इलाका सूखा का सामना कर रहा है। इससे जमीनों में सैकड़ों गड्ढे बन रहे हैं, जो खेतों को बर्बाद कर रहे हैं। तुर्किये की आपदा प्रबंधन एजेंसी की नई रिपोर्ट के मुताबिक कोन्या बेसिन में अब तक 684 ऐसे गड्ढों की पहचान की गई है, जबकि रिसर्च सेंटर के मुताबिक 2017 में 299 सिंकहोल थे, जो 2021 तक बढ़कर 2,550 हो गए।

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में करीब 20 नए बड़े सिंकहोल बनने की पुष्टि हुई है। इन गड्ढों की गहराई 30 मीटर से ज्यादा और चौड़ाई 100 फीट तक बताई जा रही है। यह संकट अचानक नहीं आया है, बल्कि पिछले 20 साल से किसानों और प्रशासन की अनदेखी के कारण यह धीरे-धीरे बढ़ी है। 2025 में यह समस्या और बढ़ गई, क्योंकि सूखा और भूजल दोहन काफी बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ करापिनार जिले में 534 सिंकहोल हैं और ये मुख्य रूप से ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह इंसानों के कारण आई आपदा है, लापरवाही ने इसे और बढ़ावा दिया है। कोन्या मैदान की भूवैज्ञानिक संरचना कार्स्ट टाइप की है, मतलब यह मैदान कार्बोनेट और जिप्सम जैसी घुलनशील चट्टानों से बना है। ये चट्टानें हजारों सालों में पानी में घुलकर गड्ढे बनाती हैं। कोन्या में चुकंदर, मक्का और अन्य पानी-गहन फसलों की सिंचाई के लिए हजारों वैध और अवैध कुएं चल रहे हैं। 1970 के दशक से कुछ इलाकों में ग्राउंड वाटर लेवल 60 मीटर तक गिर चुका है। अवैध कुओं और अनियंत्रित पंपिंग ने जमीन को कमजोर कर दिया है, जिससे जमीन अचानक धंस रही है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची में 5.2 तीव्रता का भूकंप

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत की राजधानी कराची और आसपास का इलाका सोमवार देररात भूकंप से हिल गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप के झटके कराची के अलग-अलग हिस्सों में महसूस किए गए। भूकंप के झटकों से चुंदरीगर रोड, सदर, क्लिफ्टन, टीपू सुल्तान रोड, पहलवान गोठ और बहरिया टाउन में हड़कंप मच गया। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए और पवित्र कुरान की आयतें पढ़ने लगे। भूकंप की वजह से कराची के किसी भी हिस्से से जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र (इस्लामाबाद) के अनुसार, भूकंप का केंद्र कराची से 87 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 12 किलोमीटर की गहराई पर रहा। इससे पहले, बलूचिस्तान प्रांत में सिबी और उसके आसपास के इलाकों में रिक्टर स्केल पर 3.2 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। भूकंप का केंद्र सिबी से 53 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में 11 किलोमीटर की गहराई पर था। उल्लेखनीय है कि अरब सागर के तट पर स्थित कराची पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर है। यह पाकिस्तान का प्रमुख औद्योगिक और वित्तीय केंद्र होने के साथ-साथ मुख्य बंदरगाह भी है इसे पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कहा जाता है। भारत के विभाजन के बाद1947 से 1959 तक पाकिस्तान की राजधानी कराची रही।

सीरिया में आईएसआईएस के हमले में मारे गए दो सैन्य अधिकारी अमेरिका के

वाशिंगटन, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

सीरिया में इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट या इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के हमले में मारे गए तीन लोगों में दो की पहचान अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के रूप में हुई है। यह हमला सीरिया के पाल्मायरा में सप्ताहांत में हुआ। सेना ने सोमवार को कहा कि आतंकवादी समूह के हमले में दो अमेरिकी सैनिक सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवर (25) डेस मोइनेस, आयोवा और सार्जेंट विलियम नथानिएल हॉवर्ड (29) मार्शलटाउन, आयोवा के रूप में हुई है। दोनों आयोवा नेशनल गार्ड के सदस्य थे।

रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में एक दुभाषिया भी मारा गया। पेंटागन ने कहा कि शनिवार के हमले में आईएसआईएस एक बंदूकधारी ने दो सैनिकों और दुभाषिया पर घात लगाकर हमला किया। आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'सार्जेंट हॉवर्ड और सार्जेंट टोरेस-टोवर ने राष्ट्र के सम्मान के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान कर दिया। हम उनकी सेवा के लिए आभारी हैं और गहरा शोक व्यक्त करते हैं।'

पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल के अनुसार, इस हमले में तीन अन्य अमेरिकी सैनिक घायल हो गए और हमलावर को मार गिराया गया। पेंटागन के एक अधिकारी का कहना है कि सीरिया में आईएसआईएस का मुकाबला करने के लिए वर्तमान में लगभग 1,000 अमेरिकी सैनिक हैं। इस हमले के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रम्प ने 'बहुत गंभीर जवाबी कार्रवाई' का वादा किया। शनिवार को आर्मी-नेवी फुटबॉल खेल के लिए व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, 'हम सीरिया में तीन महान देशभक्तों के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं। ' पिछले साल राष्ट्रपति बशर अल असद के पतन के बाद सीरिया में अमेरिकी सैनिकों पर यह पहला हमला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि सीरिया के नए राष्ट्रपति अहमद अल-शरा इस हमले से आहत हैं।

संघर्षविराम की संभावना बढ़ी : जर्मनी-यूक्रेन वार्ता में दिखी नई कूटनीतिक गति

बर्लिन,16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने बर्लिन में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यूक्रेन युद्ध को लेकर उभरती कूटनीतिक पहल और संभावित शांति प्रक्रिया पर अपने-अपने रुख स्पष्ट किए। चांसलर मर्ज ने वार्ता को 'उत्पादक' बताते हुए कहा कि यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय राजनयिक गति देखने को मिल रही है।

उनके अनुसार, भले ही बातचीत अभी शुरुआती चरण में हो, लेकिन पहली बार ऐसा प्रतीत हो रहा है कि संघर्षविराम की वास्तविक संभावना बन रही है। मर्ज़ ने इस नए माहौल का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को देते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों और सक्रिय भूमिका के बिना यह कूटनीतिक प्रगति संभव नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि रूस अब भी कठोर और अधिकतम मांगों के जरिए समय खींचने की कोशिश कर रहा है, लेकिन यूरोपीय देश वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चांसलर ने अमेरिका द्वारा प्रस्तावित यूक्रेन के लिए 'कानूनी और भौतिक सुरक्षा गारंटियों' की विशेष रूप से सराहना की और इन्हें शांति प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण बताया।

क्षेत्रीय मुद्दों पर मर्ज़ ने स्पष्ट किया कि अपने क्षेत्र की रक्षा करने वाले यूक्रेनी नागरिकों को ही किसी भी संभावित बदलाव पर निर्णय लेने का अधिकार है। राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन चाहता है कि उसके राष्ट्रीय हितों का सम्मान किया जाए और उन्हें यह भरोसा है कि सहयोगी देश उसकी बात सुन रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि किसी भी शांति समझौते के लिए ठोस और प्रभावी सुरक्षा गारंटी अनिवार्य है।

जब तक इन गारंटियों पर स्पष्टता नहीं होगी, तब तक सीमाओं और क्षेत्रों से जुड़े फैसलों पर विचार संभव नहीं है। ज़ेलेंस्की ने स्वीकार किया कि क्षेत्रीय मुद्दे यूक्रेन के लिए बेहद पीड़ादायक हैं। इस दौरान यूरोपीय संघ में जमे हुए रूसी परिसंपत्तियों के इस्तेमाल के सवाल पर मर्ज़ ने संकेत दिया कि मौजूदा प्रस्ताव ही ऐसा विकल्प है जिसे यूरोपीय संघ के मतदान नियमों के तहत पारित किया जा सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस सप्ताह होने वाली यूरोपीय परिषद की बैठक में इस मुद्दे पर सहमति नहीं बनती, तो इससे यूरोपीय संघ की विश्वसनीयता और निर्णय लेने की क्षमता को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

आईपीएल ऑक्शन 2026 : खिलाड़ियों की सूची अपडेट,19 नए नाम जोड़े गए

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की नीलामी से ठीक पहले खिलाड़ियों की सूची में एक बार फिर बदलाव किया गया है। सोमवार को जारी अपडेट के अनुसार, फ्रेंचाइज़ियों के अनुरोध पर 19 अतिरिक्त खिलाड़ियों को नीलामी सूची में शामिल किया गया है। इसके साथ ही अब कुल खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर 369 हो गई है।

इस ताज़ा अपडेट में सबसे अहम नाम बंगाल के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन का है, जिन्हें पहली बार आईपीएल 2026 नीलामी सूची में जगह मिली है। इससे पहले लीग ने नौ खिलाड़ियों को नीलामी पूल में जोड़ा था, जिनमें त्रिपुरा के ऑलराउंडर मानिसंकर मुरसिंह, स्वास्तिक चिकारा और दक्षिण अफ्रीका के इथन बॉश शामिल थे। हालांकि, कुछ ही समय बाद इन नामों को सूची से हटा लिया गया था। अब नवीनतम अपडेट के बाद इन नौ खिलाड़ियों को एक बार फिर नीलामी सूची में शामिल कर लिया गया है।

नीलामी सूची में जोड़े गए खिलाड़ी और उनकी बेस प्राइस

मानसिंकर मुरसिंह – 30 लाख, स्वास्तिक चिकारा – 30 लाख, इथन बॉश – 75 लाख , विरनदीप सिंह – 30 लाख , चामा मिलिंद – 30 लाख , के.एल. श्रीजित – 30 लाख , राहुल राज नामला – 30 लाख , क्रिस ग्रीन – 75 लाख , विराट सिंह – 30 लाख , अभिमन्यु ईश्वरन – 30 लाख , त्रिपुरेश सिंह – 30 लाख , काइल वेरेयेन – 1.25 करोड़ , ब्लेसिंग मुजाराबानी – 75 लाख , बेन सियर्स – 1.50 करोड़ , राजेश मोहंती – 30 लाख , स्वास्तिक सामल – 30 लाख , सरांश जैन – 30 लाख , सूरज संगराजू – 30 लाख , तनमय अग्रवाल – 30 लाख

अबू धाबी के एतिहाद एरीना में होने वाली इस नीलामी से पहले हुए इस अपडेट ने फ्रेंचाइज़ियों के लिए विकल्पों को और व्यापक बना दिया है। सभी की नजरें अब इस पर टिकी हैं कि इन नए नामों पर कौन-सी टीमें दांव लगाती हैं।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंकाई टीम के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए

कोलंबो। विश्वकप विजेता श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पेट्रोलियम संसाधन विकास मंत्री रहे अर्जुन रणतुंगा की गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए हैं। यहां की एक अदालत ने खेल से राजनीति में आये रणतुंगा का नाम भ्रष्टाचार के मामले में आने के कारण ये आदेश दिये हैं। इसी कारण उनके विदेश जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। रणतुंगा पर सरकारी तेल कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने के आरोप हैं। वहीं रिश्वत और भ्रष्टाचार रोधी जांच एजेंसी ने कहा है कि रणतुंगा को गिरफ्तार कर पेश करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। श्रीलंका की भ्रष्टाचार या रिश्वत के आरोपों की जांच करने वाले आयोग (सीआईएबोक) ने मुख्य मजिस्ट्रेट न्यायालय को बताया कि रणतुंगा के मंत्री रहते सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) में ईंधन खरीद से जुड़े फैसलों के कारण लगभग 800 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का कथित नुकसान हुआ। यह नुकसान इसीलिए क्योंकि दीर्घकालिक ईंधन टेंडर रद्द कर महंगे दामों पर स्पॉट टेंडर लागू किए गए। आयोग की ओर से पेश हुई सहायक निदेशक (कानूनी) अनुषा सम्मंथप्पेरुमा ने अदालत को बताया कि वर्ष 2017-2018 के लिए प्रस्तावित तीन दीर्घकालिक ईंधन आपूर्ति टेंडर रद्द किए गए थे। इसके बाद लिए गए फैसलों के कारण निगम को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

भारतीय टीम चौथे टी20 में भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 मैच में उतरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे है और ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर पांच मैचों की इस सीरीज में अपनी बढ़त बनाये रखना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी लंबी पारी खेलना चाहेंगे। सूर्या अब तक इस सीरीज में रन नहीं बनाने के कारण निशाने पर हैं। इस मैच में उपकप्तान शुभमन गिल को आराम देकर उनकी जगह पर संजू सैमसन को भी अवसर मिल सकता है। शुभमन भी इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में सभी का मानना है कि उन्हें आराम दिया जाना चाहिये। भारतीय टीम चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सही संतुलन से उतर कर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करना चाहेगी। सूर्यकुमार का इस सत्र में औसत 15 से कम है। इसके अलावा 2025 में उनके नाम कोई अर्धशतक नहीं है जो उनके करियर में इस तरह का सबसे लंबा चरण है। वह इस दौरान केवल दो बार 20 गेंद से अधिक बल्लेबाजी करने में सफल रहे हैं।

भारत के हर्षल पाठक को नेपाल महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया

काठमांडू। भारत के हर्षल पाठक को नेपाल महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसकी घोषणा मंगलवार को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने की। हर्षल पाठक आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में नेपाल महिला टीम का मार्गदर्शन करेंगे और खिलाड़ियों के विकास तथा टीम की तैयारी की जिम्मेदारी संभालेंगी। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने भरोसा जताया कि उनकी नियुक्ति से नेपाल महिला टीम के प्रदर्शन में मजबूती आएगी। इससे पहले हर्षल पाठक थाईलैंड की पुरुष क्रिकेट टीम की कोच रह चुके हैं। नेपाल ने इस पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे, जिसके बाद पाठक को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। हर्षल पाठक की कोचिंग में नेपाल महिला टीम अब आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 ग्लोबल क्वालीफायर में हिस्सा लेगी, जिसका आयोजन 18 जनवरी से 1 फरवरी तक नेपाल में ही किया जाएगा। एशिया क्वालीफायर में उपविजेता रही थी नेपाल महिला टीम इससे पहले इस साल नेपाल ने एशिया क्वालीफायर में उपविजेता रहकर ग्लोबल क्वालीफायर में जगह बनाई थी। मई में थाईलैंड में आयोजित इस टूर्नामेंट में थाईलैंड शीर्ष पर रहा था। एशिया को ग्लोबल क्वालीफायर के लिए दो स्थान मिले थे, जबकि अमेरिका क्षेत्र को केवल एक स्थान आवंटित किया गया था। एशिया क्वालीफायर के अहम मुकाबले में नेपाल ने यूएई के 115 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत दर्ज की थी। कप्तान इंदु बर्मा ने 33 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई और एक मैच शेष रहते हुए ग्लोबल क्वालीफायर का टिकट पक्का किया।

आईपीएल 2026 मिनी नीलामी : अनकैप्ड खिलाड़ियों पर पैसों की बारिश, प्रशांत-कार्तिक 14-14 करोड़ में बिके

अबू धाबी, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।

आईपीएल 2026 के लिए मिनी नीलामी मंगलवार को अबू धाबी में आयोजित की गई। इस नीलामी में कुल 369 खिलाड़ियों पर बोली लगी, जिनमें से 77 खिलाड़ी सोल्ड हुए। सोल्ड हुए खिलाड़ियों में 48 भारतीय और 29 विदेशी खिलाड़ी शामिल रहे। फ्रेंचाइजी टीमों ने इस नीलामी के दौरान कुल 215.45 करोड़ रुपये खर्च किए।

इस नीलामी की सबसे खास बात यह रही कि अनकैप्ड खिलाड़ियों (जिन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है) ने महफिल लूट ली। इन खिलाड़ियों पर जमकर धनवर्षा हुई और कई ने आईपीएल इतिहास में नए रिकॉर्ड कायम किए। आइए ऐसे ही 6 अनकैप्ड खिलाड़ियों पर नजर डालते हैं, जो इस नीलामी के सबसे बड़े आकर्षण रहे।

प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा के लिए यह दिन हमेशा यादगार बन गया। दोनों खिलाड़ी आईपीएल इतिहास के संयुक्त रूप से सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए। चेन्नई सुपर किंग्स ने दोनों को अपनी टीम में शामिल किया। दोनों का बेस प्राइस 30 लाख रुपये था, लेकिन नीलामी के दौरान दोनों ही 14.20 करोड़ रुपये में बिके। इस तरह उनके दाम में बेस प्राइस के मुकाबले 4,633.33 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। अब प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा चेन्नई सुपर किंग्स के भविष्य का अहम हिस्सा माने जा रहे हैं।

प्रशांत और कार्तिक के अलावा जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी डार भी उन खिलाड़ियों में शामिल रहे, जिनकी कीमत में बड़ा उछाल देखने को मिला। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी डार को दिल्ली कैपिटल्स ने 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपये था, यानी उनकी कीमत में 2,700 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

इससे पहले दिन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरन ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदकर आईपीएल इतिहास का सबसे महंगा विदेशी खिलाड़ी बना दिया। ग्रीन का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था।

नीलामी में मंगेश यादव के लिए भी जबरदस्त बोली लगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उन्हें 5.20 करोड़ रुपये में खरीदा। मंगेश का बेस प्राइस 30 लाख रुपये था, जो 1,633.33 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। घरेलू क्रिकेट में यॉर्कर स्पेशलिस्ट के रूप में पहचाने जाने वाले मंगेश यादव पहले भी आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार के साथ खेल चुके हैं। उन्हें यश दयाल के रिप्लेसमेंट या कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है, जिनका अगले आईपीएल सीजन में खेलना अभी संदेह में है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने तेजस्वी सिंह को 3 करोड़ रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपये था, यानी उनकी कीमत में 900 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

सूची में आखिरी नाम मुकुल चौधरी का रहा, जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 2.60 करोड़ रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस 30 लाख रुपये था, यानी उनकी कीमत में 766.67 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

कुल मिलाकर आईपीएल 2026 की इस मिनी नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ियों का जलवा साफ दिखाई दिया और फ्रेंचाइजी टीमों ने भविष्य के सितारों पर खुलकर भरोसा जताया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफीः पंजाब ने रोमांचक मुकाबले में मध्य प्रदेश को दो विकेट से हराया

पुणे, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 के सुपर लीग ग्रुप-ए मुकाबले में पंजाब ने मध्य प्रदेश के खिलाफ एक बेहद रोमांचक मैच में दो विकेट से शानदार जीत दर्ज की। मंगलवार को पुणे के डीवाई पाटिल अकादमी में खेले गए इस हाई-स्कोरिंग मुकाबले में पंजाब ने 226 रनों का बड़ा लक्ष्य अंतिम ओवर में हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मध्य प्रदेश ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 225 रन बनाए। टीम की पारी की धुरी वेंकटेश अय्यर रहे, जिन्होंने 43 गेंदों में 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 70 रन की आक्रामक पारी खेली। शुरुआती विकेट गिरने के बावजूद उन्होंने रन गति बनाए रखी। अंत के ओवरों में अनिकेत वर्मा (16 गेंदों में 31 रन) और मंगेश यादव (12 गेंदों में 28 रन) ने तेज रन बटोरते हुए स्कोर को मजबूत किया। पंजाब की ओर से गेंदबाजी में गुरनूर बराड़ (3/45) और रमनदीप सिंह (2/38) सबसे सफल रहे। हालांकि, मध्य प्रदेश के बल्लेबाजों की आक्रामकता के चलते दोनों गेंदबाजों को 40 से अधिक रन खर्च करने पड़े। 226 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरुआत धमाकेदार रही। ओपनर हरनूर सिंह ने 36 गेंदों में 64 रन की तेज पारी खेलकर टीम को मजबूत आधार दिया।

इसके बाद मध्यक्रम में सलील अरोड़ा ने 29 गेंदों में 50 रन बनाकर पारी को संभाले रखा, जबकि अनमोलप्रीत सिंह ने मात्र 14 गेंदों में 38 रन की विस्फोटक पारी खेली। मैच का रोमांच अंतिम ओवरों में चरम पर पहुंच गया। रमनदीप सिंह ने दबाव में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 21 गेंदों में 35 रन बनाए और टीम को जीत के करीब ले आए। अंतिम 12 गेंदों में 23 रन चाहिए थे, जहां रमनदीप ने 19वें ओवर में 17 रन बटोरे और अंतिम ओवर की पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर पंजाब को जीत दिला दी। अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए रमनदीप सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

ओलंपिक खेलों में भाग लेता हुआ मकाओ स्पेशल एडमिनिस्ट्रेटिव दल

चीन में 9 वें नेशनल व स्पेशल ओलंपिक खेलों में भाग लेता हुआ मकाओ का स्पेशल एडमिनिस्ट्रेटिव दल।

अंडर-19 एशिया कप : अभिज्ञान कुंडू का दोहरा शतक, भारत ने मलेशिया के खिलाफ बनाए 408 रन

दुबई, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय अंडर-19 टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने इतिहास रचते हुए शानदार दोहरा शतक जड़ा और उनकी बदौलत भारतीय टीम ने एसीसी पुरुष अंडर-19 एशिया कप 2025 के ग्रुप-ए मुकाबले में मलेशिया के खिलाफ पहली पारी में 7 विकेट पर 408 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह मुकाबला दुबई के द सेवन्स स्टेडियम में खेला जा रहा है।

टॉस जीतकर मलेशिया अंडर-19 टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत की शुरुआत हालांकि कुछ खास नहीं रही और टीम ने कप्तान आयुष म्हात्रे (7 गेंदों में 14 रन) और विहान मल्होत्रा (14 गेंदों में 7 रन) के विकेट जल्दी गंवा दिए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी (26 गेंदों में 50 रन) और वेदांत त्रिवेदी (106 गेंदों में 90 रन) ने पारी को संभालते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। सूर्यवंशी 11वें ओवर में आउट हुए, तब भारत का स्कोर 3 विकेट पर 87 रन था।

इसके बाद क्रीज पर उतरे अभिज्ञान कुंडू ने आते ही आक्रामक अंदाज अपनाया और चौकों-छक्कों की बरसात शुरू कर दी। कुंडू ने वेदांत त्रिवेदी के साथ 181 गेंदों में 209 रनों की विशाल साझेदारी की। इसके बाद उन्होंने कनिष्क चौहान के साथ मात्र 36 गेंदों में 87 रन और जोड़कर भारत के स्कोर को 400 के पार पहुंचाया।

अभिज्ञान कुंडू ने अपनी नाबाद 209 रन की पारी में 17 चौके और 9 छक्के जड़े। उन्होंने सिर्फ 44 गेंदों में अर्धशतक, 80 गेंदों में शतक और महज 121 गेंदों में ऐतिहासिक दोहरा शतक पूरा किया।

कुंडू की यह पारी कई मायनों में ऐतिहासिक रही। वह यूथ वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए, जबकि कुल मिलाकर ऐसा करने वाले वह दुनिया के दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले यह कारनामा दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 के जोरिख वान शाल्कवाइक ने 2025 में जिम्बाब्वे अंडर-19 के खिलाफ 153 गेंदों में 212 रन बनाकर किया था।

इसके साथ ही कुंडू ने अंबाती रायुडू का भारतीय अंडर-19 वनडे में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड (177*) भी तोड़ दिया। उनकी इस ऐतिहासिक पारी की बदौलत भारत ने मलेशिया के सामने 409 रनों का लक्ष्य रखा।

दुबई एशियन यूथ पैरा गेम्स में भारत के युवा पैरा शटलरों का जलवा, 8 स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां) ।

दुबई 2025 एशियन यूथ पैरा गेम्स में भारतीय युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैरा बैडमिंटन स्पर्धाओं में कुल 8 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारतीय दल ने इस टूर्नामेंट में कुल 17 पदक (8 स्वर्ण, 3 रजत और 6 कांस्य) जीतकर देश का नाम रोशन किया।

भारत की इस ऐतिहासिक सफलता के केंद्र में रहे जतिन आज़ाद, जिनके संयमित और आत्मविश्वास से भरे खेल ने टीम की जीत की नींव रखी। आज़ाद ने दोहरा स्वर्ण जीता। पहले उन्होंने पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया और फिर शिवम यादव के साथ मिलकर पुरुष युगल में भी स्वर्ण पदक जीता। फाइनल के दबाव में भी दोनों की साझेदारी भरोसे और बेहतरीन तालमेल की मिसाल बनी रही।

अपनी जीत के बाद जतिन आज़ाद ने भविष्य पर नजर रखते हुए कहा, 'मैं सभी चैंपियनशिप में खेलना चाहता हूं, ज्यादा अनुभव और एक्सपोज़र हासिल करना चाहता हूं। जितना ज्यादा एक्सपोज़र मिलेगा, उतना ही बेहतर प्रदर्शन करूंगा—और मुझे पूरा विश्वास है कि मेरा चयन पैरालंपिक्स के लिए होगा।' भारतीय टीम की सफलता में मानसिक मजबूती की भी अहम भूमिका रही। एक अन्य स्वर्ण पदक विजेता हर्षित चौधरी ने टीम के सकारात्मक रवैये पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लग रहा है क्योंकि हम हर स्थिति के लिए तैयार थे। मैंने और मेरे पार्टनर ने पूरे मैच के दौरान सकारात्मक सोच बनाए रखी।' खास बात यह रही कि दुबई 2025 सभी भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए पहला एशियन यूथ पैरा गेम्स था, जिससे यह उपलब्धि और भी खास बन जाती है। पदकों से बढ़कर, यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए सीख और अनुभव का अहम मंच साबित हुआ, जो उन्हें लॉस एंजेलिस 2028 पैरालंपिक खेलों की ओर मजबूती से आगे बढ़ने में मदद करेगा। अब युवा पैरा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन चुके जतिन आज़ाद ने सीधा और असरदार संदेश देते हुए कहा, 'हर किसी में शुरुआत करने का साहस नहीं होता। लेकिन बस खेलिए, अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए, अच्छी ट्रेनिंग कीजिए—नतीजे जरूर मिलेंगे।' फाइनल मुकाबलों में एशिया भर की उभरती प्रतिभा भी देखने को मिली। इंडोनेशिया के अफघानी अस सख़ा ने पुरुष एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर सबका ध्यान खींचा। उन्होंने कड़े मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों को हराया। अपनी जीत के बाद अफघानी ने कहा, 'मैं नर्वस था, लेकिन मेरे कोच ने मुझे शांत किया और आत्मविश्वास दिया। भारत बहुत मजबूत और जुझारू टीम है—मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि मैं जीत गया।

गूगल ने भारत में एआई परियोजनाओं के लिए 80 लाख डॉलर का निवेश किया

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार को भारत में स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और टिकाऊ शहरों के लिए एआई उत्कृष्टता केंद्रों को 80 लाख अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। कंपनी ने यह भी कहा कि भारत में स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए वह 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देगा।

गूगल स्वास्थ्य मॉडल के विकास में सहयोग के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर भी देगा

गूगल ने भारतीय भाषाओं के समाधान विकसित करने वाले स्टार्टअप्स ज्ञानीडॉटएआई, कोरोवरडॉटएआई और भारतजेन को 50,000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्रदान किया। इसका उद्देश्य भारत की भाषाई विविधता के लिए एआई मॉडल तैयार करना है। स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र में बहुभाषी एआई-संचालित अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए वधवानी एआई को 45 लाख अमेरिकी डॉलर की धनराशि दी जाएगी।

गूगल का कहना है कि यह कदम भारत में एआई के समावेशी विकास को मजबूत करेगा। गूगल ने 'मेडगेम्मा' आधारित स्वास्थ्य मॉडल के विकास के लिए 4,00,000 अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई। इसके साथ ही अजना लेंस भारतीय त्वचा विज्ञान और ओपीडी ट्रायजिंग में भारत-विशिष्ट मॉडल तैयार करेगी, जिसमें एआईआईएमएस के विशेषज्ञ सहयोग करेंगे।

आईआईएससी के शोधकर्ता और चिकित्सक भी नैदानिक अनुप्रयोगों के लिए एआइ मॉडल की संभावनाओं का अध्ययन करेंगे। गूगल ने आईआईटी मुंबई में नया भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए 20 लाख अमेरिकी डॉलर का प्रारंभिक योगदान देने की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वैश्विक एआई प्रगति भारत की भाषाई विविधता के अनुकूल हो।

न्यूज़ ब्रीफ

एचडीएफसी बैंक इंडसइंड बैंक में 9.5 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एचडीएफसी बैंक को इंडसइंड बैंक में 9.5 फीसदी तक हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी एचडीएफसी बैंक और उसकी ग्रुप कंपनियों जैसे एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी पेंशन फंड पर भी लागू होती है। आरबीआई ने शर्त रखी है कि यह निवेश 15 दिसंबर 2025 से एक साल के भीतर पूरा किया जाना चाहिए, वरना मंजूरी स्वत: रद्द हो जाएगी। इंडसइंड बैंक हाल ही में वित्तीय और गवर्नेंस से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। बैंक ने 31 मार्च को समाप्त तिमाही में अब तक का सबसे बड़ा घाटा दर्ज किया, जो गवर्नेंस और अकाउंटिंग गड़बड़ियों के कारण हुआ। इंडसइंड बैंक ने 3.47 अरब डॉलर पूंजी जुटाने की योजना बनाई है और अपने प्रमोटरों को बोर्ड में दो निदेशक नियुक्त करने की अनुमति देगा।

बीमा फंड से अब नहीं मिलेंगे बोनस और डिविडेंड, सरकार ने संसद में नया मसौदा पेश किया

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को संसद में बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025 का नया मसौदा पेश किया। इस विधेयक का उद्देश्य जीवन बीमा और कुछ अन्य अधिसूचित बीमा कारोबार से जुड़े फंडों के उपयोग पर और अधिक सख्ती करना है। प्रस्तावित कानून में खासतौर पर बीमा फंड से लाभांश, बोनस या डिबेंचर के भुगतान पर रोक लगाने की व्यवस्था की गई है। विधेयक के अनुसार, जीवन बीमा या अन्य अधिसूचित बीमा कंपनियां बीमा फंड से किसी भी रूप में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शेयरधारकों को लाभांश देने, पॉलिसीधारकों को बोनस देने या डिबेंचर का भुगतान करने के लिए धन का उपयोग नहीं कर सकेंगी। इससे पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। यदि बीमांकिक मूल्यांकन के बाद अधिशेष निकलता है, तो उसका उपयोग किया जा सकेगा। हालांकि, ऐसे अधिशेष को भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा तय किए गए तरीके से बैलेंस शीट में दिखाना अनिवार्य होगा और कानूनी रिटर्न के साथ जमा करना होगा। विधेयक में यह भी प्रावधान किया गया है कि डिबेंचर के लिए अधिशेष से किया जाने वाला कुल भुगतान, ब्याज समेत, घोषित अधिशेष के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। वहीं, डिबेंचर पर दिया जाने वाला ब्याज अधिशेष के 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं हो सकेगा, जब तक कि मूल्यांकन के समय इसे बीमा फंड में समायोजित न किया गया हो। यह प्रस्तावित विधेयक बीमा अधिनियम, 1938, भारतीय जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 और आईआरडीएआई अधिनियम, 1999 में संशोधन का भी प्रस्ताव करता है। सरकार का मानना है कि इन बदलावों से बीमा क्षेत्र में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और नियामकीय निगरानी को और मजबूत किया जा सकेगा।

राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025: काम-जीवन संतुलन पर नई बहस

नई दिल्ली। लोक सभा में सांसद सुप्रिया सुले द्वारा 'राइट टू डिसकनेक्ट बिल, 2025' पेश किए जाने के साथ काम और निजी जीवन के संतुलन को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। यह निजी विधेयक निजी कंपनियों पर लागू होगा और उन नियोक्ताओं पर जुर्माना लगाने का प्रावधान करता है, जो कर्मचारियों से तयशुदा कार्य घंटों से अधिक काम करने का दबाव डालते हैं। निजी विधेयक होने के कारण इसके पारित होने की संभावना भले ही कम हो, लेकिन इसने लंबे काम के घंटे और कर्मचारियों के शोषण जैसे मुद्दों को केंद्र में ला दिया है। यह विधेयक ऐसे समय में आया है, जब देश में नए श्रम कानून लागू किए गए हैं। इन कानूनों के तहत गिग वर्कर्स, एमएसएमई कर्मचारियों और न्यूनतम वेतन पाने वाले कामगारों सहित सभी श्रेणियों के लिए सप्ताह में 48 घंटे काम करने का प्रावधान है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार, 2024 में भारत दुनिया की सबसे अधिक काम करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहा, जहां औसतन 45.7 घंटे प्रति सप्ताह काम किया गया। इंडीड-सेंससवाइड के एक सर्वे में 79 प्रतिशत लोगों ने 'राइट टू डिसकनेक्ट' नीति को सकारात्मक बताया, लेकिन 88 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि उनसे तय समय के बाद भी काम कराया जाता है।

भारत का ऊर्जा क्षेत्र 11 वर्षों में अद्वितीय प्रगति की ओर : गोयल

भारत ने बिजली की कमी से बिजली सुरक्षा और स्थिरता की ओर बड़ी छलांग लगाई है

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने पिछले 11 वर्षों में बिजली उत्पादन, ग्रिड एकीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। 2013 में जहां बिजली की कमी 4.2 फीसदी थी, वहीं अब 2025 तक केवल 0.1 फीसदी रह गई है। देश ने 250 गीगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया। गोयल ने बताया कि सौर ऊर्जा क्षमता पिछले 11 सालों में 46 गुना बढ़ी, जिससे भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर आ गया है। पवन ऊर्जा क्षमता भी 2014 के 21 गीगावाट से बढ़कर 2025 में 53 गीगावाट हो गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत ने 1,048 मिलियन टन कोयला उत्पादन किया, जबकि कोयला आयात लगभग 8 फीसदी घटा। भारत अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनिंग हब बन चुका है और रिफाइनिंग क्षमता में 20 फीसदी तक वृद्धि की योजना है। देश में 34,238 किलोमीटर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन स्वीकृत की गई, जिसमें से 25,923 किलोमीटर कार्यरत हैं। गोयल ने बताया कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र की सफलता 5 प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। पहला स्तंभ, सभी तक बिजली पहुंच है। भारत ने सौभाग्य योजना के तहत हर घर में बिजली पहुंचाई है। इसके साथ ही, उजाला योजना के तहत 47.4 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए गए हैं, जिससे बिजली के बिलों में कमी आई और कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ है। दूसरा स्तंभ सस्ती बिजली है। भारत सरकार ने सौर, पवन और अन्य साफ ऊर्जा उपकरणों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया है। इसके अलावा, ईथेनॉल मिश्रण लक्ष्य को 2030 से पहले ही 20 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया। तीसरा स्तंभ बिजली की उपलब्धता है। भारत ने 2013 में जहां 4.2 प्रतिशत बिजली की कमी अनुभव की थी, वही अब यह कमी 2025 तक 0.1 प्रतिशत रह गई है। इसके साथ ही, देश ने 250 गीगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग को पूरा किया।

सोने में 487 रुपए की गिरावट, चांदी भी 2,119 रुपए टूटी

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमती धातुओं के भाव गिरावट के साथ खुले, जिससे निवेशकों की धारणा कमजोर नजर आई। वैश्विक संकेतों के साथ-साथ मुनाफावसूली के दबाव का असर घरेलू बाजार पर भी देखने को मिला। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 607 रुपये की गिरावट के साथ 1,33,523 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 1,34,130 रुपये था। इस समय सोना 487 रुपये की गिरावट के साथ 1,33,643 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 2,845 रुपये की गिरावट के साथ 1,95,056 रुपये प्रति किलो पर खुला। पिछला बंद भाव 1,97,901 रुपये था। इस समय यह 2,119 रुपये टूटकर 1,95,782 रुपये के करीब कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान चांदी ने 1,95,056 रुपये का निचला और 1,95,994 रुपये का ऊपरी स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मंगलवार को सोने-चांदी के वायदा भाव दबाव में रहे। कॉमेक्स पर सोना 4,334.30 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 4,335.20 डॉलर था। इस समय यह 23.50 डॉलर की गिरावट के साथ 4,311.70 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 64.11 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 0.88 डॉलर की गिरावट के साथ 63.70 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार करती दिखी।

क्वांटम एएमसी ने हैदराबाद में नए कार्यालय के साथ दक्षिणी भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ाई

हैदराबाद, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। क्वांटम एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ने हैदराबाद में अपने नए कार्यालय के उद्घाटन की घोषणा की है। यह कदम दक्षिणी भारत में अपनी उपस्थिति को मज़बूत करने और देश के सबसे तेज़ी से बढ़ते वित्तीय बाज़ारों में से एक को सेवा प्रदान करने की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बाज़ार का महत्व: तेलंगाना, विशेष रूप से हैदराबाद, पिछले दशक में एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में उभरा है, जिसमें आईटी क्षेत्र की वृद्धि और बढ़ती वित्तीय जागरूकता प्रमुख है।

तेलंगाना में एएयूएम: नवंबर 2025 तक, राज्य से म्यूचुअल फंड का औसत एसेट अंडर मैनेजमेंट लगभग 1.37 लाख करोड़ रुपये था, जो इसे देश के शीर्ष राज्यों में से एक बनाता है। तेलंगाना देश के कुल म्यूचुअल फंड अअणच् में लगभग 2.08% का योगदान देता है।

सीईओ का वक्तव्य: क्वांटम एएमसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीमंत शुक्ला ने कहा कि हैदराबाद कार्यालय का शुभारंभ दक्षिणी भारत में उनकी उपस्थिति को मज़बूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हैदराबाद पेशेवरों और उद्यमियों के सबसे गतिशील समुदायों में से एक है और यह विस्तार उच्च-गुणवत्ता वाले निवेश समाधानों के साथ भारत के विकसित होते निवेशक परिदृश्य की सेवा करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह तीन महीनों में उनका दूसरा कार्यालय है।

एमडी का वक्तव्य: क्वांटम एडवाइजर्स के प्रबंध निदेशक और समूह प्रमुख इक्विटी आईवी सुब्रमण्यम ने कहा कि हैदराबाद प्रौद्योगिकी, नवाचार और वित्तीय अनुशासन का शक्तिशाली मिश्रण प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि वे क्वांटम के मूल मूल्यों के अनुरूप, सरल, शोध-आधारित और दीर्घकालिक निवेश पेशकशों के साथ हैदराबाद के बढ़ते निवेशक समुदाय का समर्थन करने के लिए तत्पर हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम मोदी अच्छे...

उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक जुड़ाव का विस्तार साझेदारी के आर्थिक स्तंभ का केंद्र बिंदु बना हुआ है। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ट्रंप ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, ऊर्जा, रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। ये क्षेत्र भारत-अमेरिका समझौते के प्रमुख घटक हैं, जिसका उद्देश्य 21वीं सदी के लिए सैन्य साझेदारी, तीव्र व्यापार और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सहयोग के अवसरों को उत्प्रेरित करना है।

दोनों नेताओं ने वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर भी चर्चा की और साझा चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने के महत्व पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने उच्च स्तरीय संवाद जारी रखते हुए साझा हितों को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों नेता संपर्क में रहने पर सहमत हुए।

अमेरिका ने भारत ...

जोधपुर में स्थित 451 आर्मी एविएशन स्क्वाड्रन में शामिल किया जाएगा। आइए जानते हैं अपाचे हेलीकॉप्टर की ताकत के बारे में।

अमेरिका द्वारा निर्मित एएच-64ई अपाचे हेलीकॉप्टर को दुनिया के सबसे बेहतरीन मल्टीरोल लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में से एक माना जाता है। भारी मारक क्षमता और युद्धक्षेत्र में डटे रहने की खूबियों के कारण अपाचे हेलीकॉप्टर को मफ्लाइंग टैंकफ के नाम से भी जाना जाता है।

ये हेलीकॉप्टर अमेरिकी सेना की भी रीढ़ मानी जाती है और अमेरिका ने कई देशों में ऑपरेशन के दौरान इसे इस्तेमाल किया है।

अपाचे हेलीकॉप्टर हेलफायर मिसाइलों, 70 मिमी रॉकेट और 30 मिमी चेन गन से लैस होता है। ये हेलीकॉप्टर दुश्मन के ठिकानों, बंकरों और एयर डिफेंस सिस्टम्स को भी निशाना बनाने में सक्षम है। अपाचे हेलीकॉप्टर में टॉप क्लास के सेंसर्स लगे है। ये हेलीकॉप्टर रात में लड़ने की भी क्षमता रखता है और खतरे वाले इलाकों व पहाड़ी इलाकों में काफी प्रभावी हैं।

भारत सरकार ने साल 2020 में अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग के साथ भारतीय सेना के लिए 6 अपाचे हेलीकॉप्टरों की खरीद के लिए 4,168 करोड़ रुपये का सौदा किया था। इस हेलीकॉप्टर की खरीद को भारत की रक्षा ताकत को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

ये हेलीकॉप्टर चुनौतीपूर्ण इलाकों में सेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाएंगे।

सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के तहत अपाचे हेलीकॉप्टरों की खरीद बड़ा कदम है। बता दें कि इससे पहले भारतीय वायुसेना ने भी 22 अपाचे हेलीकॉप्टरों को अपने बेड़े में शामिल किया था।

लोकसभा में 71...

भाजपा सांसद ने इस कदम का समर्थन किया और कहा कि पुराने कानून को खत्म किया जाना चाहिए। इधर विपक्ष ने बिल पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कुछ हाल ही में पास कानून को निरस्त किया जा रहा है।

कांग्रेस के डीन कुरियाकोस ने पूछते हुए कहा, सरकार 24 महीने पहले पारित कानूनों को भी रद्द कर रहे हैं। ये किस तरह का नाटक है? उन्होंने कहा कि डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत, बिल में रोकथाम शब्द को तैयारी से बदलने का प्रस्ताव है।

आगे उन्होंने कहा, इसका क्या महत्व है? क्या हम यह संकेत दे रहे हैं कि राज्य रोकथाम को छोड़ रहा है? सरकार रोकथाम को कमजोर कर रही है।

समाजवादी पार्टी (एसपी) के लालजी वर्मा ने कहा,सरकार बुलेट ट्रेन की तरह जल्दबाजी में बिल पास करती है। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदल दिया। इनमें से कई कानून 2016 और 2023 के बीच लाए गए थे। मंत्री जी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि ये आज अप्रचलित क्यों हैं।

पीएम मोदी को इथियोपिया...

अतीत में यह सम्मान ब्रिटेन के किंग जॉर्ज षष्ठम, प्रिंस आर्थर और यूरोप के कई शाही परिवारों के सदस्यों को प्रदान किया जा चुका है। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों की सूची में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ता है। इथियोपिया के इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान के साथ ही उन्हें अब तक दुनिया के विभिन्न देशों से करीब 28 सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में उन्हें पापुआ न्यू गिनी, फिजी, पलाऊ, मिस्र, फ्रांस, और हाल ही में जुलाई 2025 में नामिबिया और ब्राजील जैसे देशों द्वारा भी अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से नवाजा गया है।

उल्लेखनीय है कि इस यात्रा के दौरान भारत और इथियोपिया के बीच 8 महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए, जिससे दोनों देशों के आर्थिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक सहयोग को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सिडनी बीच...

यह समझा जाता है कि वह अपने पिता के निधन के समय भी भारत नहीं आए थे।

परिवार के सदस्यों ने उनकी कट्टरपंथी मानसिकता या गतिविधियों, या उन्हें कट्टरपंथी बनाने वाली परिस्थितियों के बारे में किसी भी जानकारी से इनकार किया है। साजिद अकरम और उनके बेटे नवीद के कट्टरपंथी बनने के कारण का भारत या तेलंगाना में किसी स्थानीय प्रभाव से कोई संबंध नहीं दिखता है।

तेलंगाना पुलिस के पास 1998 में उनके जाने से पहले भारत में रहने के दौरान साजिद अकरम के खिलाफ कोई प्रतिकूल रिकॉर्ड नहीं है। एक बयान में, तेलंगाना पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों और अन्य समकक्षों के साथ, जब भी आवश्यकता होगी, सहयोग करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है और जनता और मीडिया से सत्यापित तथ्यों के बिना अटकलों या आरोप लगाने से बचने का आग्रह किया है।

बयान के अनुसार, रविवार, 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान दो हमलावरों द्वारा की गई सामूहिक गोलीबारी में कथित तौर पर 15 पीड़ितों की मौत हो गई और दोनों हमलावरों में से एक भी मारा गया।

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस और सरकार द्वारा इस घटना को आतंकवादी हमला माना जा रहा है। हमलावरों की पहचान साजिद अकरम (50) और उनके बेटे नवीद अकरम (24) के रूप में की गई है। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि वे आईएसआईएस की विचारधारा से प्रेरित थे। इस संबंध में आगे की जांच ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों द्वारा की जा रही है।

नेशनल हेराल्ड मामले ...

को अवैध और दुर्भावना से ग्रसित पाया है। अदालत ने फैसला दिया है कि यह मामला ईडी के क्षेत्राधिकार से बाहर है, उसके पास कोई एफआईआर नहीं है जिसके बिना कोई मामला ही नहीं बनता।

कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा पिछले एक दशक से मुख्य विपक्षी दल के ख़िलाफ़, राजनैतिक प्रतिशोध और बदले की भावना से की जा रही यह कार्रवाई आज पूरे देश के सामने बेनकाब हो गयी है।

नेशनल हेराल्ड मामले को कांग्रेस ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं माना है। कांग्रेस ने कहा ड्ढ मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला नहीं बनता है क्योंकि अपराध की कोई आय नहीं और संपत्ति का कोई हस्तांतरण नहीं हुआ है।

ये सभी निराधार आरोप हैं जो निम्नस्तरीय राजनीति, द्वेष की भावना और पार्टी के सम्मान पर हमला करने की भावना से प्रेरित हैं। आज सब धराशायी हो गए।

कांग्रेस पार्टी और हमारा नेतृत्व सत्य के लिए और हर भारतीय के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है, हमें कोई भी डरा नहीं सकता क्योंकि हम सत्य के लिए लड़ते हैं, सत्यमेव जयते।

उल्लेखनीय है कि नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली की अदालत ने ईडी की जांच पर बड़ा सवाल उठाते हुए कहा, मसीबीआई ने अब तक कोई मूल अपराध दर्ज नहीं किया है, इसके बावजूद ईडी ने जांच जारी रखी।फअदालत ने यह भी कहा कि जब मूल अपराध ही दर्ज नहीं है, तो मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कैसे आगे बढ़ाई जा सकती है।

नए साल में 14 जनवरी तक रहेगा खरमास

जब सूर्य धनु में प्रवेश करते हैं तो खरमास शुरू होता है। नए साल में 14 जनवरी को सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसी के साथ खरमास समाप्त हो जाएगा, लेकिन जनवरी में शुक्र उदय नहीं हो रहे हैं। इसके कारण विवाह का मुहूर्त फरवरी के पहले सप्ताह में है। बृहस्पति, शुक्र उदय होने के बाद ही विवाह के मुहूर्त बनते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर – जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पौराणिक ग्रंथों के मुताबिक खरमास के दौरान शुभ काम नहीं होते हैं। लेकिन पूजा–पाठ, दान और खरीदारी की जा सकती है। इनमें खरीदारी के लिए शुभ मुहूर्त भी होते हैं और हर दिन अपनी श्रद्धा के हिसाब से जरूरतमंद लोगों को दान दिया जा सकता है। 16 दिसंबर को सुबह 4:18 मिनट पर सूर्य वृश्चिक से निकलकर गुरु की राशि धनु में प्रवेश किया। इसके बाद 14 जनवरी को मकर राशि में सूर्य के आते ही खरमास खत्म हो जाएगा। ऐसे में इस एक महीने के दौरान शुभ काम नहीं किए जा सकेंगे। खरमास में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन आदि मांगलिक कर्मों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं रहते हैं। इन दिनों में मंत्र जप, दान, नदी स्नान और तीर्थ दर्शन करने की परंपरा है। इस परंपरा की वजह से खरमास के दिनों में सभी पवित्र नदियों में स्नान के लिए काफी अधिक लोग पहुंचते हैं। साथ ही पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में भक्तों की संख्या बढ़ जाती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर–जोधपुर
मो.9460872809

साल में दो बार आता है खरमास

एक साल में सूर्य एक–एक बार गुरु ग्रह की धनु और मीन राशि में जाता है। इस तरह साल में दो बार खरमास रहता है। सूर्य साल में दो बार बृहस्पति की राशियों में एक–एक महीने के लिए रहता है। इनमें 15 दिसंबर से 14 जनवरी तक धनु और 15 मार्च से 15 अप्रैल तक मीन राशि में। इसलिए इन 2 महीनों में जब सूर्य और बृहस्पति का संयोग बनता है तो किसी भी तरह के मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं।

सूर्य से होते हैं मौसमी बदलाव

सूर्य के राशि परिवर्तन से ऋतुएं बदलती हैं। खरमास के दौरान हेमंत ऋतु रहती है। सूर्य के धनु राशि में आते ही दिन छोटे और रातें बड़ी होने लगती हैं। साथ ही मौसम में भी बदलाव होने लगता है। गुरु की राशि में सूर्य के आने से मौसम में अचानक अनचाहे बदलाव भी होते हैं। इसलिए कई बार खरमास के दौरान बादल, धुंध, बारिश और बर्फबारी भी होती है।

ज्योतिष ग्रंथ में है खरमास

धनु और मीन राशि का स्वामी बृहस्पति होता है। इनमें राशियों में जब सूर्य आता है तो खरमास दोष लगता है। ज्योतिष तत्व विवेक नाम के ग्रंथ में कहा गया है कि सूर्य की राशि में गुरु हो और गुरु की राशि में सूर्य रहता हो तो उस काल को गुर्वादित्य कहा जाता है। जो कि सभी शुभ कामों के लिए वर्जित माना गया है।

खरमास में करें भागवत कथा का पाठ

खरमास में श्रीराम कथा, भागवत कथा, शिव पुराण का पाठ करें। रोज अपने समय के हिसाब से ग्रंथ पाठ करें। कोशिश करें कि इस महीने में कम से कम एक ग्रंथ का पाठ पूरा हो जाए। ऐसे करने से धर्म लाभ के साथ ही सुखी जीवन जीने से सूत्र भी मिलते हैं। ग्रंथों में बताए गए सूत्रों को जीवन में उतारेंगे तो सभी दिक्कतें दूर हो सकती हैं।

खरमास में दान का महत्व

खरमास में दान करने से तीर्थ स्नान जितना पुण्य फल मिलता है। इस महीने में निष्काम भाव से ईश्वर के नजदीक आने के लिए जो व्रत किए जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है और व्रत करने वाले के सभी दोष खत्म हो जाते हैं। इस दौरान जरूरतमंद लोगों, साधुजनों और दुखियों की सेवा करने का महत्व है। खरमास में दान के साथ ही श्राद्ध और मंत्र जाप का भी विधान है। घर के आसपास किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट करें। पूजन सामग्री जैसे कुमकुम, घी, तेल, अबीर, गुलाल, हार–फूल, दीपक, धूपबत्ती आदि।

खरमास में क्यों नहीं रहते हैं शुभ मुहूर्त

सूर्य एक मात्र प्रत्यक्ष देवता और पंचदेवों में से एक है। किसी भी शुभ काम की शुरुआत में गणेश जी, शिव जी, विष्णु जी, देवी दुर्गा और सूर्यदेव की पूजा की जाती है। जब सूर्य अपने गुरु की सेवा में रहते हैं तो इस ग्रह की शक्ति कम हो जाती है। साथ ही सूर्य की वजह से गुरु ग्रह का बल भी कम होता है। इन दोनों ग्रहों की कमजोर स्थिति की वजह से मांगलिक कर्म न करने की सलाह दी जाती है। विवाह के समय सूर्य और गुरु ग्रह अच्छी स्थिति में होते हैं तो विवाह सफल होने की संभावनाएं काफी अधिक रहती हैं।

करें सूर्य पूजा

खरमास में सूर्य ग्रह की पूजा रोज करनी चाहिए। सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद तांबे के लोटे से सूर्य को जल चढ़ाएं। जल में कुमकुम, फूल और चावल भी डाल लेना चाहिए। सूर्य मंत्र ऊँ सूर्याय नम: मंत्र का जप करें।

मकर संक्रांति पर खत्म होगा खरमास

15 दिसंबर 2024 से शुरू हो गया खरमास 2025 के पहले महीने में 14 जनवरी को होगा। पंचांग के मुताबिक जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में आ जाएगा तो मकर संक्रांति होगी। इसके शुरू होते ही खर मास खत्म हो जाता है। 14 जनवरी को सूर्य मकर में प्रवेश करेगा। इसके साथ ही खर मास खत्म हो जाएगा।

मान्यता : गधों ने रथ खींचा, इसलिए हुआ खरमास

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान सूर्यदेव सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर लगातार ब्रह्मांड की परिक्रमा करते हैं। सूर्य देव को कहीं भी रुकने की इजाजत नहीं है, लेकिन रथ में जुड़े घोड़े लगातार चलने से थक जाते हैं। घोड़ों की ये हालत देखकर सूर्यदेव का मन द्रवित हो गया और वे घोड़ों को तालाब के किनारे ले गए, लेकिन तभी उन्हें एहसास हुआ कि अगर रथ रुका तो अनर्थ हो जाएगा। तालाब के पास दो खर मौजूद थे। मान्यता के मुताबिक सूर्यदेव ने घोड़ों को पानी पीने और आराम करने के लिए वहां छोड़ दिया और खर यानी गधों को रथ में जोत लिया। गधों को सूर्यदेव का रथ खींचने में जद्दोजहद करने से रथ की गति हल्की हो गई और जैसे–तैसे सूर्यदेव इस एक मास का चक्र पूरा किया। घोड़ों के विश्राम करने के बाद सूर्य का रथ फिर अपनी गति में लौट आया। इस तरह हर साल यह क्रम चलता रहता है। यही वजह है कि हर साल खरमास लगता है।

वर्ष 2026 के शुभ विवाह मुहूर्त

साल 2026 में शुभ विवाह तिथियां 4 फ़रवरी से शुरू होंगी, क्योंकि जनवरी खरमास में होगी और शुक्र अस्त होगा। फ़रवरी से मार्च तक विवाह संभव हैं, लेकिन खरमास के कारण 14 मार्च से 13 अप्रैल तक विवाह स्थगित रहेंगे। मुख्य विवाह सत्र अप्रैल से जुलाई तक रहेगा।

वर्ष 2026 के शुभ मुहूर्त

फरवरी 2026 – 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25 और 26 फरवरी

मार्च 2026 –1, 3, 4, 7, 8, 9, 11 और 12 मार्च

अप्रैल 2026 – 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28 और 29 अप्रैल

मई 2026 – 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14 मई

जून 2026 – 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29 जून

जुलाई 2026 – 1, 6, 7, 11 जुलाई

नवंबर 2026 – 21, 24, 25 और 26 नवंबर

दिसंबर 2026 –2, 3, 4, 5, 6, 11 और 12 दिसंबर

(कुछ पंचांग में भेद होने के कारण तिथि घट बढ़ सकती है और परिवर्तन हो सकता है।)

खरमास में इन पांच में से किसी एक चीज का दान करने से कमजोर ग्रह होंगे मजबूत

खरमास का आरंभ हो चुका है। हिंदू धर्म में खरमास का विशेष महत्व बताया गया है। जब भी सूर्य धनु राशि में प्रवेश करते हैं तब से खरमास का आरंभ हो जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान सूर्य का तेज कम हो जाता है। जिस वजह से इस महीने में कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। हालांकि, खरमास का महीना देव गुरु बृहस्पति और भगवान विष्णु की पूजा अर्चना के लिए खास माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं खरमास में किन चीजों का दान करने से व्यक्ति भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करके धन और ऐश्वर्य हासिल करेगा। जानें खरमास में किन 5 चीजों का दान करें।

खरमास में क्या दान करें

✲ पुराणों के अनुसार, खरमास के महीने में गुड़ का दान करना अत्यंत शुभ फलदायी माना गया है। जरूरतमंद लोगों को गुड़ का दान खरमास में करने से कुंडली में कमजोर सूर्य मजबूत होता है। साथ ही गुड़ का संबंध बृहस्पति से भी बताया गया है। अगर किसी की कुंडली में गुरु कमजोर अवस्था में है तो उन्हें भी गुड़ का दान करना चाहिए। ऐसा करने से कुंडली में कमजोर गुरु के अच्छे परिणाम मिलते हैं।

✲ खरमास में तिल का मास भी करना चाहिए। वैसे तो आप काले सफेद किसी का भी दान कर सकते हैं। लेकिन, लाल रंग के तिल का दान करना सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

✲ खरमास के दौरान गर्म कपड़े को दान करना भी अच्छा माना जाता है। गर्म कपड़े और कंबल का दान करने से सूर्य ग्रह की कृपा मिलती है। साथ ही अगर कुंडली में भी है गुरु ग्रह कमजोर है तो व्यक्ति को खरमास में जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े और कंबल दान करने से बहुत सुख समृद्धि मिलती है।

✲ नमक के दान को महादान कहा जाता है। साथ ही इसका दान करने से चंद्रमा का बुरा प्रभाव कम होता है। इसके दान से कई प्रकार का पाप का नाश होता है। नमक का दान सूर्य से भी संबंध माना जाता है।

✲ खरमास में रुई का दान या रुई से बनी चीजें जैसे पूजा की बत्तियां इन सभी का दान आप किसी मंदिर में कर सकते हैं।

खरमास में दान का महत्व

ऐसी मान्यता भी है कि खरमास में किए गए दान का दोगुना फल व्यक्ति को मिलता है। हालांकि, खरमास में कोई शुभ काम तो किया जाता नहीं है लेकिन, इस समय भगवान विष्णु की पूजा और दान आदि करने से कुंडली में कमजोर सूर्य और गुरु के अशुभ प्रभाव को कम कर दिया जाता है।

नववर्ष 2026 का राशिफल कैसा रहेगा

मिथुन राशि

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर–जोधपुर
मो.9460872809

पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 मिथुन राशि के जातकों के लिए कई सकारात्मक अवसर लेकर आएगा। इस वर्ष राहु और केतु की स्थितियों के कारण आपके प्रयासों में कुछ उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। साल के अंतिम दिनों में राहु अष्टम भाव में प्रवेश करेगा, जिससे कुछ परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं, लेकिन उससे पहले लंबी यात्राओं और विदेश यात्रा के अवसर बनेंगे। बृहस्पति के प्रभाव से आपकी सेहत अच्छी रहेगी और धन लाभ के अवसर भी प्राप्त होंगे। संतान प्राप्ति की इच्छाएं पूरी हो सकती हैं और विद्यार्थी वर्ग के लिए प्रतियोगिताओं में सफलता मिलने की संभावना है। इसके अलावा, धार्मिक यात्रा करने का भी यह साल अनुकूल रहेगा। आपको ज्यादातर परिणाम सकारात्मक मिल सकते हैं। कार्य–व्यापार या नौकरी से जुड़े क्षेत्रों में कुछ कठिनाइयां बनी रह सकती हैं। लेकिन, इन कठिनाइयों को पार करने के बाद आपको कार्यों में सफलता मिलने की प्रबल संभावना है। आर्थिक जीवन आपके लिए सामान्य रूप से अच्छा रहेगा और ऐसे में, आपकी आय में वृद्धि होगी। वहीं, जो जातक भूमि–भवन या वाहन लेने का सोच रहे हैं, उनके लिए इस वर्ष को ज्यादा ख़ास नहीं कहा जा सकता है क्योंकि आपको औसत परिणाम मिलने की आशंका है। हालांकि, विद्यार्थियों के लिए यह साल काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। राहु केतु का प्रभाव भाग्य और पराक्रम पर गहरा असर डालेगा। कुंभ राशि में राहु और सिंह राशि में विराजमान केतु आपके जीवन को नई दिशा की ओर ले जाने वाले हैं। मंगल महाराज की स्थिति इस साल सामान्य रहने वाली है और लाभेश आपको अचानक से खर्च देने वाले होंगे और साथ ही पैतृक संपत्ति से कुछ लाभ भी मिल सकता है। वहीं शुक्र, सूर्य और राशि स्वामी बुध की स्थिति आपको समय अनुसार ग्रहों से प्रभावित होते हुए असर डालेगी जो करियर, परिवार, स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति इत्यादि पर असर डालने वाली है। गुरु यानि के बृहस्पति वर्ष के पहले भाग में मिथुन राशि के प्रथम भाव में रहेगा, जो आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। यह समय आपके लिए नये कार्यों की शुरुआत करने, व्यक्तिगत विकास और आत्मसमर्पण के लिए अच्छा रहेगा। जून से गुरु देव कर्क राशि में मिथुन के लिए तृतीय भाव में गोचर करेगा, जो आपके बोलचाल, अभिरुची, रिश्तों में असर डालने वाला होगा। इसके बाद भाग में गुरु देव सिंह राशि के तृतीय भाव में प्रवेश करेगा, जो आपकी सोशल एक्टिविटी और दोस्तों से संबंधों में आगे बढ़ने की संभावना देता है।

कैरियर–वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति और शनि दोनों का सप्तम भाव पर दृष्टि डालना आपकी सोशल सर्कल में स्थिति के लिए खास होगा इस समय राजनीति से जुड़े लोग अच्छा कर सकते हैं पब्लिक के बीच आपकी पहचान का समय होगा। लोग आपको जानेंगे और साझेदारी में आपके काम भी बनेंगे। कामकाज में आपके लिए स्थिति लाभकारी साबित हो सकती है। बृहस्पति और शनि का मिलाजुला असर आपके काम में न केवल सफलता को बढ़ाएगा, बल्कि आपकी इनकम में भी वृद्धि मिलेगी। आप अपनी योजनाओं को पूरी गंभीरता से लागू करेंगे और मेहनत का परिणाम आपको निश्चित रूप से मिलेगा। शनि की उपस्थिति से आपको जिम्मेदारियों में वृद्धि होगी, लेकिन आप इसे स्वीकार कर सफलता प्राप्त करेंगे। आपकी मेहनत और लगन को देखकर उच्च अधिकारियों और सहकर्मियों का भी सहयोग मिल सकता है। इस समय आपके लिए कार्यस्थल पर सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त करने का अनुकूल समय रहेगा। अगर आप साझेदारी के व्यवसाय में हैं, तो आपको यह समय बहुत लाभकारी लगेगा। व्यापार में नई पार्टनरशीप बन सकती हैं और आप अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। शेयर बाजार या फाइनेंस के क्षेत्र में निवेश करते हैं, तो इस वर्ष आपको अच्छे लाभ की संभावना है। इस साल आपको अपने काम को लेकर आगे बढ़ने का बहुत सारे मौके प्राप्त होंगे और शनि आपसे बहुत ज्यादा मेहनत करेंगे। काम का दबाव आपके ऊपर रहेगा, लेकिन आप स्थान परिवर्तन के लिए लड़ाई लड़ेंगे आपको लगेगा कि आपकी सुनवाई नहीं हो रही है। परंतु ऐसा नहीं है। चुपचाप आपके काम को देखा और परखा जा रहा है, इसलिए अपना काम मेहनत और ईमानदारी के साथ करते रहे। अपनी गुणवत्ता को बेहतर बनाने की कोशिश करें। वर्ष की शुरुआत में बृहस्पति और शनि दोनों का प्रभाव आपको राजनीति के क्षेत्र में विशेष सफलता प्रदान कर सकता है। आप पब्लिक डीलिंग करते हैं या पार्टनरशिप में कोई बिजनेस करते हैं, तो आपको बहुत ज्यादा अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

आर्थिक स्थिति– वर्ष 2026 पिछले साल की तुलना में काफ़ी अच्छा रहेगा। साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक धन के कारक ग्रह बृहस्पति देव आपके प्रथम भाव में रहेंगे और इससे पहले गुरु ग्रह आपके द्वादश भाव में बैठे थे जो आपके खर्चों में वृद्धि करवा रहे थे। लेकिन, प्रथम भाव में गुरु महाराज की मौजूदगी आपके खर्चों को धीरे–धीरे कम करने का काम करेगी, विशेषकर बेकार के खर्चों को। यह एक सकारात्मक बिंदु कहा जाएगा। वहीं, 2 जून से लेकर 31 अक्टूबर तक धन के कारक बृहस्पति धन भाव में उच्च अवस्था में रहेंगे जो कि बहुत शुभ स्थिति मानी जाएगी। गुरु ग्रह की इस स्थिति की वजह से आप अच्छा धन कमाने के साथ–साथ अच्छी बचत भी कर सकेंगे। वहीं, 31 अक्टूबर के बाद यह आपको औसत परिणाम दे सकते हैं जबकि शुक्र का गोचर ज्यादातर समय अनुकूल स्थिति में रहेगा। ऐसे में, शुक्र देव आर्थिक मामलों में आपकी सहायता करेंगे। दूसरी तरफ, शनि देव आर्थिक जीवन में न आपका सहयोग करेंगे और न ही विरोध करेंगे। वहीं, केतु का गोचर अनुकूल और राहु का गोचर औसत रहेगा। लाभ भाव के स्वामी मंगल देव की स्थिति भी आपके लिए सामान्य ही रहेगी। आर्थिक जीवन के लिए काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। हालांकि, थोड़ी कोशिश करके आप बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। बेकार के खर्चे रुक जाने की वजह से ही आपको साल की शुरुआत में ही राहत का अनुभव होगा। वहीं, साल का मध्य भाग विशेष रूप से आपके लिए अनुकूल रहेगा। आप कोशिश करके अच्छी आमदनी के साथ–साथ पर्याप्त बचत भी कर सकेंगे और आर्थिक स्थिति को मज़बूत कर सकेंगे। पुराने व्यावसायिक लोन को चुकाने में मदद मिलेगी और नई योजनाओं से भी फायदा होगा। शेयर मार्केट में अच्छा लाभ कमाने का योग भी बनेगा। परिवार का सहयोग और उनका मार्गदर्शन आपके लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होगा। पारिवारिक व आर्थिक मामलों को ठीक करने में आपको सफलता मिलेगी, जिससे आपको लाभ भी मिलेगा। जून के बाद से परिवार में शुभ कार्य संपन्न होंगे, उस पर आपको कुछ खर्च करने पड़ेंगे।

परिवार– विवाहित लोगों के लिए साझेदारी और सामाजिक सहयोग का वर्ष होगा। आपसी तालमेल और सहयोग से घर परिवार और बच्चों से जुड़ी समस्याओं तथा योजनाओं का निराकरण सफल होगा। आर्थिक स्थिति थोड़ी ढुलमुल रह सकती है, लेकिन परिवार की सुख–शांति और समृद्धि बढ़ेगी। जनवरी से अप्रैल तक कुछ चुनौतियाँ आ सकती हैं, लेकिन जून से अगस्त तक समय लाभदायक, सुख और शांति वाला रहेगा। सितंबर से दिसंबर तक आप कई मामलों में लाभ प्राप्त करेंगे और मान–सम्मान में वृद्धि होगी। इस वर्ष विवाहित जीवन में अलग अचीवमेंट भी प्राप्त होंगे।साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक गुरु ग्रह आपको औसत परिणाम दे सकते हैं। वहीं, 2 जून से 31 अक्टूबर के बीच पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा और घर–परिवार में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। परिवार के लोग एक–दूसरे के प्रति अच्छे भाव रखेंगे और एक–दूसरे के लिए कुछ करने के लिए सोच सकते हैं। आपस में बातचीत का तरीका बहुत प्यार भरा रहेगा। बृहस्पति देव का प्रभाव 31 अक्टूबर के बाद समाप्त होने के कारण पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। लेकिन, 5 दिसंबर के बाद घर–परिवार में कुछ उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं क्योंकि 5 दिसंबर के बाद केतु का प्रभाव दूसरे भाव पर रहेगा। ऐसे में, परिजनों के बीच कुछ समस्या रह सकती है। हालांकि, इस वर्ष ज्यादातर समय आप अनुकूल परिणाम पाकर पारिवारिक जीवन का आनंद ले सकेंगे, लेकिन फिर भी वर्ष के अंतिम महीनों में पारिवारिक जीवन को लेकर आपको सावधानी बरतनी होगी।

प्रेम – रोमांस – प्रेम जीवन वर्ष 2026 में अनुकूल रहेगा। इस वर्ष प्रेम संबंधी मामलों में कोई बड़ी समस्या नज़र नहीं आ रही है, बल्कि बृहस्पति जैसे शुभ ग्रहों का शुभ प्रभाव लंबे समय तक आप पर बना रह सकता है जिसका लाभ आपको प्रेम जीवन में मिलेगा। आपके पंचम भाव के स्वामी शुक्र का गोचर साल के ज्यादातर समय आपके लिए अच्छा रहेगा। ऊपर से साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक बृहस्पति देव की पंचम दृष्टि भी आपके पंचम भाव पर रहेगी। ऐसे में, आपके प्रेम जीवन में मिठास बनी रहेगी। हालांकि, 02 जून से 31 अक्टूबर के बीच गुरु का प्रत्यक्ष प्रभाव पंचम भाव पर नहीं होगा। लेकिन, सप्तमेश होकर उच्च अवस्था में होने के कारण गुरु ग्रह के प्रभाव से उन लोगों का प्रेम जीवन मधुर बना रहेगा जो प्रेम विवाह करने की सोच रहे हैं। 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव अपनी पंचम दृष्टि से सप्तम भाव को देखेंगे और ऐसे में, उन लोगों के लिए समय उत्तम रहेगा जो प्रेम विवाह करना चाहते हैं। शुक्र और गुरु की अनुकूलता की वजह से प्रेम जीवन भी अनुकूल बना रहेगा। शनि देव की स्थिति या दृष्टि का प्रत्यक्ष प्रभाव पंचम भाव पर नहीं होगा, लेकिन सप्तम भाव पर होगा। ऐसे में, प्रेम विवाह के इच्छुक जातकों के मार्ग में कुछ छोटी–मोटी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। राहु–केतु का प्रत्यक्ष प्रभाव भी पंचम भाव पर नहीं होगा, परन्तु पंचम से पंचम अर्थात नवम भाव पर राहु का प्रभाव 5 दिसंबर तक रहेगा। ऐसे में, छोटी मोटी समस्याएं भले ही रहें, लेकिन कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी। कुल मिलाकर, पंचमेश शुक्र और सौभाग्य के कारक बृहस्पति की कृपा से सच्चा प्रेम करने वालों को कोई परेशानी नहीं आएगी। आप अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करेंगे, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा और आपके प्रियजन आपके निकट आएंगे। जून के बाद से आपके विवाह के योग खुल जाएंगे। अगर परिवार में विवाह की बात चल रही थी, तो वह नई दिशा में आगे बढ़ने लगेगी। वर्ष के अंतिम महीनो में आपको सावधान रहना होगा, क्योंकि इस समय अवधि में प्रेम जीवन में अचानक से कुछ बदलाव उत्पन्न हो सकते हैं, जो एक दूसरे से गलतफहमी का सिलसिला शुरू कर सकते हैं, इसके प्रति सावधानी रखकर ही आप अपने रिश्ते को संभाल कर पाएंगे।

शिक्षा – वर्ष 2026 काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा। हालांकि, प्रथम भाव में बृहस्पति के गोचर को बहुत अच्छा नहीं माना गया है, लेकिन इनकी दृष्टि हमेशा कल्याणकारी मानी जाती है। साल की शुरुआत से लेकर 2 जून तक बृहस्पति देव की दृष्टि का प्रभाव आपके पंचम और नवम भाव पर बना रहेगा जो शिक्षा में सुधार लेकर आने का काम करेगा। आपके वरिष्ठ और गुरु आपकी उन्नति के मार्ग में आपका मार्गदर्शन करेंगे। आपके फैसलों के परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे जिसका लाभ आपको मिल सकता है। अगर आप आलस छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करेंगे, तो आपको अनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। वहीं, 2 जून से 31 अक्टूबर तक बृहस्पति देव उच्च अवस्था में आपके दूसरे भाव में रहेंगे जो आपके आसपास के माहौल को बहुत अच्छा बनाए रखेंगे। इस दौरान कोशिश करने पर आप मन लगाकर पढ़ाई कर सकेंगे क्योंकि इस समय बृहस्पति की नवम दृष्टि कर्म स्थान पर होगी। ऐसे में, पेशेवर कोर्स की पढ़ाई शिक्षा कर रहे छात्रों को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। यह अवधि शोध के छात्रों के लिए भी अनुकूल रहेगी। लेकिन, 31 अक्टूबर के बाद गुरु देव आपको औसत परिणाम दे सकते हैं।

इस प्रकार, शिक्षा के लिए यह समय मिला–जुला रह सकता है। हालांकि, ट्रैवल से जुड़े विषयों की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। शनि देव कभी–कभार आपका ध्यान शिक्षा से भटका सकते हैं। वहीं, राहु की स्थिति को भी ज्यादा अच्छा नहीं कहा जा सकता है। ऐसे में, शिक्षा के प्रमुख कारक ग्रह का आशीर्वाद मिलना सकारात्मक माना जाएगा जिसकी वजह से छात्र पढ़ाई में अच्छे परिणाम हासिल कर सकेंगे। अगर आप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, तो आपके लिए भी यह साल अच्छा रह सकता है खासकर अगर आप लंबे समय से मेहनत कर रहे हैं। इस साल धैर्य और मेहनत आपके लिए सबसे बड़ी कुंजी साबित होंगे। आप जितना ज्यादा शॉर्टकट अपनाने या किसी स्टेप को स्किप करने की कोशिश करेंगे, उतनी ही अड़चनें और देरी का सामना करना पड़ सकता है।

स्वास्थ्य – साल 2026 की शुरुआत आपकी सेहत के लिए बहुत ज्यादा अनुकूल नहीं कहीं जा सकती है। बृहस्पति आपके स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखने की पूर्ति और कोशिश करेंगे, लेकिन आपकी राशि के समय बुद्ध की कमजोर स्थिति वर्ष की शुरुआत में आपको बीमार बना सकती है। मानसिक शांति भी भंग होगी। आपका मन मानसिक उतार–चढ़ाव से भरा रहेगा। बहुत सारे विचार एक साथ मन में आएंगे और बेचैनी रहेगी। इस समय अवधि को आराम से व्यतीत हो जाने दे। आपको तेज धार वाली वस्तुओं या आग से जुड़े हथियारों से सावधान रहना चाहिए। आपको ध्यान और मेडिटेशन करना चाहिए। आपके अंदर नई ऊर्जा का संचार होगा। खुद को हर दिन ऊर्जावान महसूस कर पाएंगे। आपको अपने मानसिक संतुलन को भी बनाए रखना होगा। बहुत सारी व्यवस्थाएं बिगड़कर आपका मानसिक तनाव कम करेंगी। हल्का पौष्टिक और सुपाच्य अच्छे भोजन, आपकी फूड हैबिट्स में शामिल होना चाहिए। जंक फूड और तेल वाले भोजन से जितना हो सके, दूर रहने की कोशिश करें, नहीं तो इसका आपको बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। आप बागवानी करके स्वयं को बड़ी समस्याओं से बचा सकते हैं। मानसिक तनाव को स्वयं पर हावी न होने दे। अक्टूबर से दिसंबर के बीच स्वास्थ्य चुनौती पूर्ण परिस्थितियों से गुजरेगा। राहु का गोचर सेहत में एकदम से गिरावट ला सकता है और आपको शारीरिक समस्याओं की चपेट में लेकर आ सकता है, इसलिए इस वर्ष साल के अंतिम दिनों में स्वयं को शारीरिक और मानसिक दोनों रूपों से मजबूत बनाने की कोशिश करें।मानसिक रूप से आपका मन उथल पुथल में रहेगा। मन में विचारों की बाढ़ आएगी, जो आपके लिए मानसिक असंतोष और बेचैनी को देने वाला हो सकता है। इस समय आपको जोश में रहते हुए भी शांति के साथ काम करने चाहिए। जोखिम भरे कामों में शामिल होने से पूर्व अपनी सुरक्षा पर भी ध्यान देने की जरूरत होगी। इस समय वाहन इत्यादि का संभल कर उपयोग करने ई जरूरत होगी। कुछ मामलों में आग या तेज धार वाली वस्तुओं के कारण भी दिक्कत हो सकती है। इस समय आप के लिए ध्यान, मेडिटेशन के काम बहुत अच्छे रह सकते हैं। इससे आपको मानसिक शांति और ताजगी का अनुभव होगा, जिससे आपकी सेहत पर सकारात्मक असर पड़ेगा। आपके अंदर नई ऊर्जा का संचार होगा और आप खुद को हर दिन ऊर्जावान और सक्रिय महसूस करेंगे। यह समय आपके लिए मानसिक संतुलन बनाए रखने का रहेगा, जो शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आपको अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखना चाहिए।

ज्योतिष उपाय –भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा.अनीष व्यास ने बताया कि बुधवार के दिन हरे रंग के वस्त्र या चूड़ियां भेंट करें। गौ माता को चारा अथवा हरी सब्जियाँ खिलाएं। भोजन में लाल की जगह हरी मिर्च का सेवन करें। माता दुर्गा की पूजा करें और कन्याओं को भोजन कराएं।

जैकी श्रॉफ की डेब्यू फिल्म हीरो ने पूरे किए 42 साल

बॉलीवुड के जग्गू दादा यानी एक्टर जैकी श्रॉफ ने लंबे करियर में सिनेमा से लेकर ओटीटी तक अपने अभिनय की छाप छोड़ी है। यह सफर सुभाष घई द्वारा निर्देशित फिल्म 'हीरो' से शुरू हुआ था। अभिनेता जैकी ने मंगलवार को अपने फिल्मी सफर के 42 साल पूरे कर लिए। अभिनेता ने खुशी जाहिर करते हुए अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का एक छोटा सा क्लिप शेयर किया। उन्होंने लिखा, फिल्म हीरो के 42 साल पूरे। इस फिल्म में जैकी श्रॉफ लीड रोल में पहली बार नजर आए थे। रिलीज के बाद अभिनेता रातों रात स्टार बन गए थे। फिल्म में जैकी ने जैकी दादा नाम के एक गैंगस्टर का किरदार निभाया था, जो पुलिस कमिश्नर की बेटी राधा (मीनाक्षी शेषाद्रि) को किडनैप करता है, लेकिन बाद में उससे प्यार हो जाता है और वह सुधर जाता है। फिल्म की कहानी रोमांच, एक्शन और रोमांस से भरी थी, जिसने दर्शकों का दिल जीता था। फिल्म में अमरीश पुरी, और संजीव कुमार जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम किरदार में थे।

उस दौर में अभिनेता ने 'कर्मा', 'खलनायक', 'राम-लखन', 'सौदागर', 'बॉर्डर', और 'रंगीला' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर दर्शकों के दिलों को जीता था। हालांकि, फैंस उनकी सादगी और अपनेपन के कायल थे। कहा जाता है कि अभिनेता इतना स्टारडम मिलने के बावजूद भी चॉल में रहा करते थे, जहां उनका बचपन बीता था।

अभिनेता जल्द ही फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगे। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित फिल्म धर्मा प्रोडक्शन और नमः पिक्चर्स के बैनर तले रिलीज की जाएगी। कार्तिक और अनन्या के अलावा जैकी और नीना गुप्ता भी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

पगड़ी पहनकर हर्षदीप कौर ने बनाई अलग पहचान
बिग बी ने दिया सूफी की सुल्ताना नाम

हर्षदीप कौर का नाम सुनते ही लोगों के कानों में उनकी मधुर आवाज गूंजने लगती है। बॉलीवुड और सूफी संगीत में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी गायकी की ताकत ही नहीं, बल्कि उनका स्टाइल और पहनावा भी उन्हें दर्शकों के बीच खास बनाता है, खासकर उनकी पगड़ी, जो सिर्फ एक ड्रेस स्टेटमेंट नहीं बल्कि उनकी पहचान का हिस्सा बन गई है। हर्षदीप गायन के दौरान हमेशा पगड़ी पहनती हैं और यही अंदाज उन्हें बाकी गायकों से अलग करता है। हर्षदीप का जन्म 16 दिसंबर 1986 को दिल्ली में हुआ। उनके पिता म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की एक फैक्ट्री के मालिक हैं। हर्षदीप बचपन से ही संगीत के माहौल में पली-बढ़ी। उन्होंने महज छह साल की उम्र में संगीत की तालीम लेना शुरू किया। पियानो और शास्त्रीय संगीत की शिक्षा उन्होंने दिल्ली के स्कूल ऑफ म्यूजिक से ली। छोटी उम्र से ही उनका संगीत में गहरा रुझान था और परिवार ने उनका हौसला बढ़ाया। हर्षदीप ने प्रारंभिक पढ़ाई दिल्ली से पूरी की। 12 साल की उम्र में उन्होंने पियानो सीखना शुरू कर दिया और 16 साल की उम्र में उन्होंने बॉलीवुड में पहला गाना 'सजना मैं हारी' गाया, लेकिन उन्हें पहचान 2008 में रियलिटी शो 'जुनून- कुछ कर दिखाने का' में हिस्सा लेने पर मिली। इस शो में हर्षदीप ने सूफी, फोक और बॉलीवुड तीनों जॉनर में परफॉर्म किया। इस दौरान उन्होंने अपनी पगड़ी पहनकर गाने की इच्छा जताई, जो उनके धार्मिक और पारंपरिक विश्वासों से जुड़ा था। यही पगड़ी और उनका सूफी अंदाज उन्हें दर्शकों और जजों के बीच खास बना गया। शो के ग्रैंड फिनाले में महानायक अमिताभ बच्चन ने उन्हें 'सूफी की सुल्ताना' का खिताब दिया। इस खिताब ने उन्हें पूरे देश में एक अलग पहचान दिलाई।

हर्षदीप ने बॉलीवुड में कई यादगार गाने दिए। 'इक ओंकार', 'कतिया करूं', 'दिलबरों', 'जुगनी', 'हीर और जालिमा', 'नचड़े दे सारे', और 'माई रे माई' जैसे गानों ने उनके करियर में चार चांद लगाए। उनका अंदाज, उनकी पगड़ी और उनकी संगीत शैली ने हर्षदीप को सिर्फ गायिका ही नहीं बल्कि एक आइकॉन बना दिया। हर्षदीप ने सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि हॉलीवुड फिल्मों के लिए भी गाया। ऑस्कर विजेता निर्देशक डैनी बॉयल की फिल्म '127 आवर्स' के लिए गाना गाया। इसके अलावा, वह कई लाइव कॉन्सर्ट्स भी करती रहती हैं। हर्षदीप ने कई पुरस्कार भी जीते। उन्हें 'दिलबरों' गाने के लिए आईफा और स्क्रीन अवॉर्ड, 'बानी-इश्क दा कलमा' के लिए भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार और कई अन्य सम्मान मिल चुके हैं।

कुब्रा सैत और सियांग नदी अभियान, जिसने बदले में दिया नया दृष्टिकोण

कुब्रा सैत को आमतौर पर एक अभिनेता और होस्ट के रूप में जाना जाता है, लेकिन चमकती लाइट्स और रेड कार्पेट के परे एक बेचैन खोजी आत्मा बसती है। चाहे वह अनजानी संस्कृतियों के बीच खुद को ढालना हो, शारीरिक सीमाओं को चुनौती देना हो, या ऐसे प्राकृतिक परिदृश्यों के सामने समर्पण करना हो, जो इंसान से विनम्रता की मांग करते हैं उनमें कुब्रा सैत सबसे आगे रहती हैं। कुब्रा के लिए यात्रा कोई शौक या विलासिता नहीं, बल्कि जीने का तरीका है। उनकी यात्राएँ सिर्फ उनकी उपलब्धियों में शामिल होने के लिए नहीं होती, बल्कि भीतर के बदलाव के लिए होती हैं। कुब्रा सैत के इस रोमांचकारी यात्रा की शुरूआत होती है अरुणाचल प्रदेश के सुदूर सीमांत कस्बे तूतिंग से। भारत-चीन सीमा के बेहद करीब स्थित इस इलाके में, जब भारतीय सेना के जवानों ने सियांग नदी के किनारे कुब्रा सैत और उनकी टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, तभी स्पष्ट हो गया था कि यह कोई साधारण रोमांच नहीं है। सामने थीं 180 किलोमीटर लंबी बेकाबू जलधारा, सात दिनों की लगातार राफ्टिंग और एक ऐसी यात्रा, जो पिछले सात सालों से धैर्यपूर्वक अपने समय की प्रतीक्षा कर रही थी। सियांग कोई ऐसी नदी नहीं है, जिसे आसानी से जीता जा सके। यह उग्र, चौड़ी और हर पल बदलते मिज़ाज वाली है। कुब्रा के लिए राफ्ट में कदम रखना, निश्चितता से बाहर निकलने जैसा था। सियांग ज़िले की गहराइयों में, मोबाइल नेटवर्क और जानी-पहचानी सुविधाओं से दूर, समय की गति धीमी पड़ गई और जीवन का अर्थ बेहद सरल हो गया, जिसमें चप्पू चलाने, साँस लेने, खाने, सोने, और फिर वही क्रम दोहराने के अलावा और कुछ था ही नहीं। हर दिन की अपनी एक लय थी। सुबह नदी से उठती धुंध किसी जीवित प्राणी की तरह फैलती, दोनों ओर पहाड़ शांत और सजग प्रहरी बनकर खड़े रहते।

रैपिड्स कभी खेल-खेल में बहा ले जाते, तो कभी पूरी एकाग्रता की मांग करते। घंटों तक चप्पू चलाना कभी सहनशक्ति की परीक्षा लेते, तो कभी नदी का बर्फीला पानी ज़रा-सी चूक की सज़ा देते। शामें एक अलग ही जादू लेकर आतीं। नदी किनारे ऐसे अछूते तटों पर कैंप लगते, मानो वे किसी और सदी से उधार लिए गए हों। आसमान तारों से पूरी तरह भर जाता और रात उजियारी हो जाती। साझा भोजन और जलती अलाव की लपटों के बीच, कुब्रा ने खुद को पुराने शोर से मुक्त होते पाया, जिनमें मुख्य रूप से अपेक्षाएँ, चिंताएँ और रोज़मर्रा की लगातार बनी रहने वाली हड़बड़ी थी। कुब्रा कहती हैं, यह सिर्फ़ सात दिनों का राफ्टिंग अभियान नहीं था, बल्कि यह 12 दिनों का एक ऐसा आत्मसात करने वाला अनुभव था, जो इंसानी समय-सारिणी के आगे झुकने से इनकार करता है। ज़मीन ने सम्मान और नदी ने विनम्रता के बदले हमें दुर्लभ दृष्टिकोण दिया। जब अभियान समाप्त हुआ और रैपिड्स पीछे छूट गए, तब भी सियांग का प्रभाव ढीला नहीं पड़ा। राफ्ट समेटे जाने के काफी बाद तक यह यात्रा कुब्रा के शरीर, विचारों और उस तरीके में जीवित रही, जिससे वह अब आराम और साहस को मापती हैं। नदी ने उनकी सीमाओं को परखा, लेकिन उससे भी ज़्यादा, उसने उनके भीतर के परिदृश्य को चुपचाप पुनर्गठित किया। सियांग अभियान ताक़त साबित करने के बारे में नहीं था, बल्कि उसे समझने के बारे में था। गति और दिखावे से भरी दुनिया में, इस नदी ने कुब्रा सैत को धैर्य, उपस्थिति और दृष्टिकोण का महत्व सिखाया। यह रोमांच भले ही कुछ दिनों का रहा हो, लेकिन उसका प्रभाव स्थायी है और हमेशा यह याद दिलाती रहेंगी कि सबसे अर्थपूर्ण यात्राएँ वही होती हैं, जो आपको भीतर से बदल देती हैं।

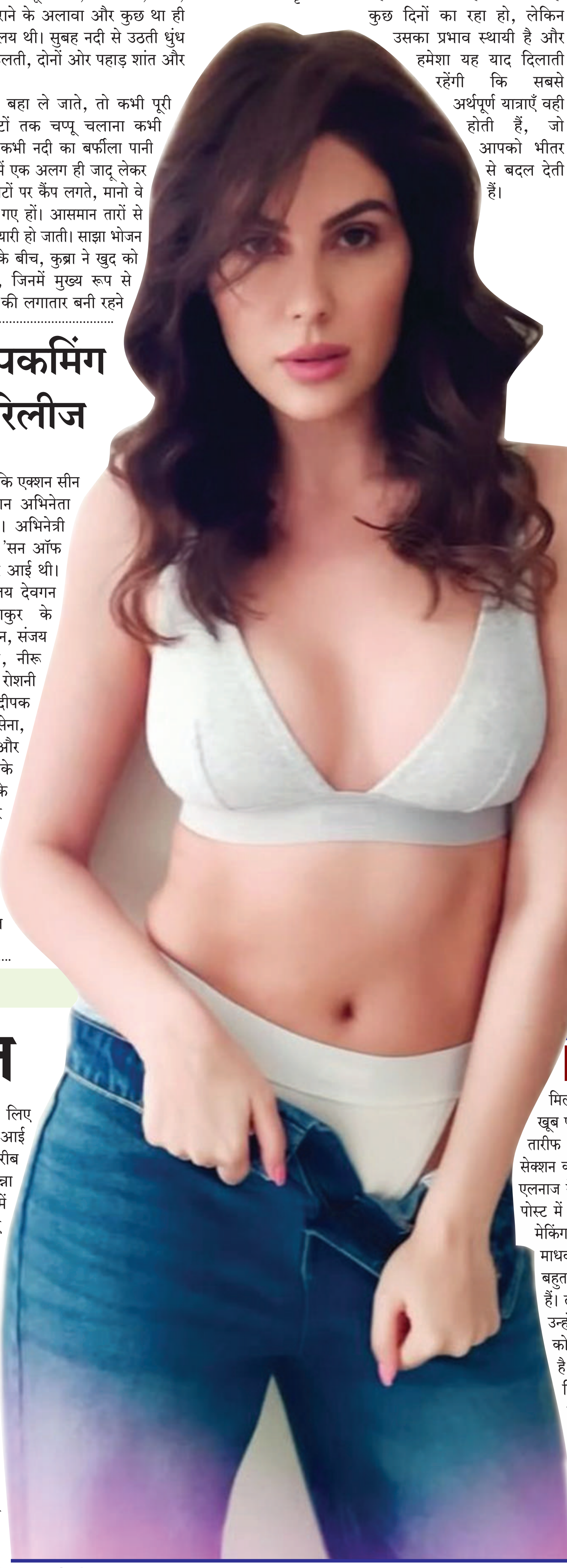

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की अपकमिंग फिल्म डकैत का टीजर 18 को होगा रिलीज

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष स्टारर फिल्म डकैत जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सोमवार को मेकर्स ने फिल्म के टीजर की रिलीज डेट जारी की। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 2 भाषाएं, 2 टीजर और 2 शहर। फिल्म डकैत का टीजर 18 दिसंबर को जारी किया जाएगा। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म टीजर मुंबई के गैयटी गैलेक्सी में सुबह 11 बजे रिलीज किया जाएगा, तो हैदराबाद में शाम 6:30 बजे रिलीज किया जाएगा। फिल्म 'डकैत' 19 मार्च 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज की जाएगी। शेनिल देव द्वारा निर्देशित फिल्म में मृणाल और अदिवी के अलावा, प्रकाश राज, सुनील, अतुल कुलकर्णी, जैन मैरी खान, कामाक्षी भास्कर और अनुराग कश्यप जैसे कलाकार नजर आएंगे। सुप्रिया यारलागड्डा द्वारा निर्मित इस फिल्म को सुनील नारंग ने सह-निर्मित किया है और इसे अन्नपूर्णा स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म की कहानी एक गुस्सैल अपराधी की है, जो प्रेमिका से मिले धोखे का बदला लेने की फिराक में है। फिल्म में कई एक्शन सीन भी देखने को मिलेंगे।

बताया जाता है कि एक्शन सीन शूट करने के दौरान अभिनेता घायल हो गए थे। अभिनेत्री हाल ही में फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' में नजर आई थी। इस फिल्म में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर के अलावा, रवि किशन, संजय मिश्रा, चंकी पांडे, नीरू बाजवा, कुब्रा सैत, रोशनी वालिया, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, शरद सक्सेना, अश्विनी कलसेकर, साहिल मेहता और दिवंगत मुकुल देव भी हैं। इसके अलावा, अभिनेत्री सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगी।फिल्म अगले साल 29 फरवरी को रिलीज होगी। संजय लीला भंसाली इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं, और उनके साथ प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल, और भरत कुमार भी इस प्रोजेक्ट में हैं।

सलमान खान ने की तमन्ना भाटिया की आवाज की तारीफ, बोले

सबसे शानदार आवाज

तमन्ना भाटिया को हाल ही में सलमान खान से खास तारीफ़ मिली। एक टूर के दौरान सलमान खान ने उनकी आवाज़ की सराहना करते हुए कहा,इनकी आवाज़ सुनो मुझे लगता है कि इनके पास अब तक की सबसे शानदार आवाज़ है। सलमान की इस बात पर वहां मौजूद लोग तालियां बजाने लगे। इतने बड़े स्टार से मिली तारीफ़ तमन्ना के लिए बेहद खास रही। उनकी खुशी साफ नज़र आई और यह पल और भी यादगार बन गया। करीब 20 साल से इंडस्ट्री में काम कर रहीं तमन्ना ने अलग-अलग भाषाओं और फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है। वह हमेशा नए तरह के रोल करने से नहीं डरतीं और लगातार खुद को साबित करती आई हैं। आने वाले समय में तमन्ना कई बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। वह वी. शांताराम की बायोपिक में जयश्री की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ 'Vvan: Force of the Forrest', अजय देवगन और संजय दत्त के साथ 'रेंजर', और रोहित शेट्टी की एक फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ नज़र आ सकती हैं। मजबूत फिल्मों की इस लाइन-अप के साथ, तमन्ना भाटिया एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में से एक हैं।

मैं एक ही फिल्म दो बार भी नहीं देखती, लेकिन धुरंधर 4-5 बार देखना चाहती हूं : एलनाज नौरोजी

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' का बॉक्स ऑफिस पर जलवा देखने को मिल रहा है। 250 करोड़ से ज्यादा कमाई कर चुकी फिल्म को खूब तारीफ मिल रही है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई स्पाई-थ्रिलर दर्शकों के साथ ही सेलेब्रिटीज को भी खूब पसंद आ रही है। ईरानी मूल की अभिनेत्री और मॉडल एलनाज नौरोजी ने भी फिल्म की तारीफ में कसीदे पढ़े। फिल्म की तारीफ के लिए एलनाज ने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया। 'धुरंधर' का पोस्टर पोस्ट करते हुए उन्होंने दिल खोलकर प्रशंसा की। एलनाज ने न केवल कहानी बल्कि निर्देशक और स्टारकास्ट को भी कमाल बताया। एलनाज ने पोस्ट में लिखा, मैं बस यही महसूस कर रही हूं कि वाह! क्या कमाल की फिल्म है। फिल्म मेकिंग अपने सबसे अच्छे रूप में है आदित्य धर। एक्टर रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त, अक्षय खन्ना ने बेजोड़ एक्टिंग की है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें सिनेमा बहुत पसंद है, लेकिन आमतौर पर किसी भी फिल्म को वह दो बार से ज्यादा नहीं देखती हैं। लेकिन, 'धुरंधर' वह बार बार देखना चाहती हैं।

उन्होंने लिखा, मैं एक्टिंग के क्षेत्र से हूं और सिनेमा मुझे पसंद है। लेकिन मैं एक ही फिल्म को दो बार भी देखना पसंद नहीं करती। लेकिन, खास बात है कि 'धुरंधर' इतनी शानदार है कि इसे मैं तीन-चार-पांच या बार देखना चाहती हूं। 'धुरंधर' को दर्शकों के साथ ही फिल्म जगत के तमाम सितारों से भी खूब तारीफ मिल रही है। भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों की बहादुरी और जियोपॉलिटिकल मुद्दों पर आधारित फिल्म में रणवीर सिंह ने एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाई है, जबकि अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर माधवन, राकेश बेदी और सारा अर्जुन भी महत्वपूर्ण किरदार में हैं। फिल्म की कहानी कंधार हाइजैक, 26 नवंबर जैसी सच्ची घटनाओं से इंस्पायर्ड है। तारीफ के साथ ही फिल्म की आलोचनाएं भी हो रही हैं। कुछ क्रिटिक्स ने इसे 'प्रोपेगेंडा' कहा है। एलनाज नौरोजी 'सेक्रेड गेम्स', 'मस्ती 4' के साथ ही बॉलीवुड में कई प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रह चुकी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिला झुला रहेगा। कुछ कामों में रुकावटें आएंगी कुछ काम भी बनेंगे. मेहनत ज्यादा हो सकती है. जॉब बदलाव के योग बनेंगें, लेकिन सोच-समझकर फैसला लें. किसी काम या बात में जल्दबाजी करने से नुकसान हो सकता है. सेहत को लेकर सावधान रहें. आज कुछ नयी वस्तु खरीदारी के लिए बाजार जा सकते हैं पैसे सेविंग के लिए किसी ऐक्सपर्ट से सलाहमशवरा हो सकती हैं. निवेश या खर्चे को लेकर भी बातचीत हो सकती है. बच्चों का व्यवहार अच्छा रहेगा. दाम्पत्य जीवन मे मधुरता रहेगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

काफी समय से चल रही महनत आज रंग लाएगी नये कारखाने की नींव आप के हाथों से रखी जाएगी समझौते के रास्ते पर भविष्य में अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते है. सामाजिक दायरे में सम्मान और प्रतिष्ठा हासिल करने के लिए दिन अनुकूल है. आपको योग्य लोगों के साथ संबंध स्थापित कर सकते हैं. पारिवारिक जीवन आरामदायक और शांतिपूर्ण रहेगा.आपको अपनी जीवन-शैली में सुधार करना चाहिए भविष्य मे संतुष्टि होगी .आप और आपके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य शुभ रहेगा. चिन्ता को छोड दें मुसकुराते रहें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप की अव्यवस्थित दिनचर्या और सुस्त और आलसी रवैया आप को सेहत संबंधी समस्या बना सकता हैं. आज दिनभर आप किसी न किसी मीटिंग में व्यस्त रहेंगे .आपके सुझावों को महत्व मिलेगा. और लाभकारी भी रहेंगे। आपके परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारियां बढ़ेंगी. कोई कोर्ट न्यायालय सम्बन्धित वाद-विवाद में आपकी विजय होगी. जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करेंगे.भगवान शिवजी का अभिषेक करें स्वास्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज यात्रा का योग बन सकता हैं गुड धनिया का सेवन करके ही यात्रा पर प्रस्थान करें इससे आपको धन संबंधित फायदा हो सकता है. किसी काम की गति धीमी हो सकती है. इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ भी सकती है. परन्तु कार्य पूरे जरूर होंगे जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर हो सकते हैं. दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का प्रोग्राम आपको कैंसिल करना पड़ सकता है. किसी के प्रति अपनी राय को अपने तक ही सीमित रखना चाहिए.. छोटे बच्चे को पार्क मे घूमने लेकर जाए खुशी का संचार होगा। कुछ हल्का भोजन ही करें स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज सरकारी कामकाज मे दिक्कतें आ सकती हैं कोई पुरानी फाइल के काम मे अधिकारि आप का सहयोग नही करेंगे और आपको बिजनेस में सावधान रहना होगा. ऑफिस और बिजनेस में जो काम हाथ में लेंगे, उसमें सफलता की संभावना कम है. बिजनेस के मामलों में किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें. जल्दबाजी न करें. अकेलेपन से बचें. अधूरे काम पहले निपटाले में आज मिलने वाले पैसों को आने वाले समय के लिए बचा कर रखें.दाम्पत्य जीवन को अगर सुखी बनाना हो तो संयम बहुत जरूरी हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

काफी समय से चालू व्यापरिक गतिविधियों को मूर्त रुप देने का सही समय हैं पुश्तैनी जमीन जायदाद का झगड़ा सुलझ सकता हैं छात्रों को सफलता मिलेगी आर्थिक रूप से दिन समृद्ध है. आज आपकी मेहनत का फल आपको लाभ मिलेगा. आपका पारिवारिक-जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. रिश्तेदारों के साथ संबंध में काफी सुधार होगा. आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी राजनीति सफर भी सुखद रहेगा। अपने ईष्टदेव को भोग अर्पित करें।

तुला – र,री,रु,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का चोला चढाए मनोकामना सिद्ध होंगी आपकी चिंता कम होगी और उसके कारण आपका मन खुश रहेगा. व्यावसायिक बाधाएं आएंगी. व्यापार मे प्रतिस्पर्धा बढेगी विवादो से दूर रहें आपका ध्यान परिवार और पैसे पर होगा. हर मौके का फायदा उठाने की कोशिश करें. आपके सारे काम आसानी से और समय पर निपट सकते हैं.पारिवारिक बातों को सोचकर ज्यादा संवेदनशील होने की आवश्यकता नही हैं यात्रा पर जाना चाहते हैं तो यात्रा फायदेमंद रहेगी.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपको धर्म के क्रियाकलापों मे समय व्यतीत करना चाहिए समय अनुकूल रहेगा. आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम कर सकते हैं. आपका कुछ अच्छा खाने का मन कर सकता है. घर-परिवार का वातावरण शांतिदायक बना रहेगा. उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न हो सकते हैं. घर पर मेहमानों का आगमन हो सकता है. करियर में आपको कोई बड़ी सफलता हासिल हो सकती है. साथ ही आपका सकारात्मक रवैय्या करियर में आपको बेहतरी दिलायेगा.दैनिक गाय को गुड और रोटी खिलाए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप का स्वतंत्र व्यापार हैं, तो सोच विचार कर के ही निर्णय करें क्योंकि मुसीबतें आप का ही इन्तजार कर रही हैं नौकरीपेशा लोगों के काम में रुकावटें आ सकती है. कानूनी मामले उलझ सकते हैं. फालतू कामों में समय खराब होने के योग हैं. स्थान में बदलाव संबंधी कोई बात हो सकती है. कामकाज के सिलसिले में कहीं बाहर जाना पड़ सकता है अगर आप अविवाहित है तो विवाह सम्बन्ध के योग बनेंगे. सेहत के मामले में रिस्क नही लेना चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज पारिवारिक दृष्टि से और दाम्पत्य जीवन मे भी चीजें आप के प्रतिकूल होंगी परन्तु मित्रों और व्यापारिक प्रेम संबंध यथावत रहेंगे. समर्पित परिश्रम से आप वरिष्ठों को संतुष्ट कर सकते हैं. यदि आप अपना दृष्टिकोण बदल सकते हैं और ईमानदारी से काम कर सकते हैं तो. आपको आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सकता है.योग और व्यायाम करें स्वास्थ्य ठीक रहेगा मौसमी बिमारियों से बचें रहेंगे अपने कार्यों मे गौ सेवा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप को वर्कलोड ज्यादा रहेगा जिससे दिमाग मे तनाव रहेगा स्वभाव मे झुंझलाहट रहेगी काम के बीच मे थोडा रैस्ट लेते रहें। नए काम को फिलहाल टाल दें लोगों के साथ आपका दुविधापूर्ण व्यवहार आपको मुश्किल में डाल सकता है. अपने जिद्दी स्वभाव को त्याग दें, नहीं तो किसी के साथ विवाद होने की संभावना है. आज आपको बेहतर मौके मिलेंगे खुद को स्वस्थ रखने के और फिजूल बातों से बचें. यात्रा पर जाने का आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा. समय के अन्तराल मे हैल्थ चैकप करालें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज काफी समय के बाद खुशी होने का मौका हैं आपका दिन बढ़िया रहेगा. आपके अंदर आत्मविश्वास की अधिकता हो सकती है. नौकरी पेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिल सकते हैं. आज परिवार के साथ धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं. आपको व्यापार में मुनाफा हो सकता है. आपका स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा. दाम्पत्य जीवन में सलाह-मशविरा से आगे बढ़ना होगा . स्टूडेंट्स को अपने सब्जेक्ट में आ रही प्रॉब्लम्स का हल मिल सकता है. आप को अपने दैनिक पूजा पाठ मे हनुमान चालीसा का अनुष्ठान करना चाहिए पदोन्नति और सफलता मिलती रहेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 दिसंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 02:34 तक
नक्षत्र : विशाखा सायं 05:11 तक
योग : सुकर्मा दोपहर 02:15 तक
करण : गर दोपहर 01:17 तक
चन्द्रराशि : तुला प्रातः 10:26 तक
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 05:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:56 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 05:48 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 05:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , बुधानुराधा अमृत सिद्धि योग सायं 05:11 से उत्तर रात्रि 06:38 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का किया अवलोकन

बीकानेर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रूप में कार्य कर रही है। हमारा नैतिक दायित्व है कि हम सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखें। हमारी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बजट दिया और हर विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ के माध्यम से विकास कार्यों का लेखा-जोखा जनता तक पहुंचा रही है। शर्मा मंगलवार को बीकानेर के लूणकरणसर में ग्रामीण समस्या समाधान शिविर एवं बीकानेर जिले के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्षों में प्रदेश में सुशासन, जनकल्याण और चहुंमुखी विकास के लिए ऐसे अभूतपूर्व कदम उठाए हैं, जो ऐतिहासिक होने के साथ ही समृद्ध एवं विकसित राजस्थान की एक सशक्त बुनियाद भी हैं।

शर्मा ने कहा कि जनसेवा के भाव के साथ ग्रामीण एवं शहरी समस्या समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इससे पहले भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से प्रदेश भर में एक महीने तक ग्रामीण और शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया था। इन शिविरों में प्रशासन को आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए उनके द्वार तक लाया जा रहा है। शहरी शिविरों के जरिए जन्म, मृत्यु, विवाह पंजीकरण, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस और सीवर कनेक्शन से जुडे.कार्यों से लेकर आवास पट्टे, नामांतरण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ने संबंधी कार्य भी करवाए जा रहे हैं। वहीं, ग्रामीण समस्या समाधान शिविरों में सहमति विभाजन, नामांतरण एवं रास्ते खुलवाने जैसे कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि आमजन इन शिविरों का पूरा लाभ उठाएं।

भरतपुर के कार्तिक शर्मा को चेन्नई सुपर किंग्स ने 14.20 करोड़ में खरीदा

भरतपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के होनहार युवा क्रिकेटर कार्तिक शर्मा ने आईपीएल ऑक्शन में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। आईपीएल ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स (उडघ) ने कार्तिक शर्मा को 14 करोड़ 20 लाख रुपये की बड़ी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया, जिससे पूरे भरतपुर में खुशी और गर्व की लहर दौड़ गई। जिला क्रिकेट संघ भरतपुर के सचिव शत्रुघन तिवारी ने बताया कि जैसे ही कार्तिक के आईपीएल में चयन और रिकॉर्ड बोली की खबर सामने आई, पूरे जिले में जश्न का माहौल बन गया। इस अवसर पर लक्ष्मण मंदिर चौराहे पर जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों और क्रिकेट प्रेमियों ने आतिशबाजी की, मिठाइयां बांटी और इस ऐतिहासिक पल को उत्साह के साथ मनाया। जश्न के दौरान कार्तिक शर्मा और उनके पिता मनोज शर्मा को वीडियो कॉल कर बधाई दी गई। वीडियो कॉल में कार्तिक और उनके पिता भावुक नजर आए और सभी का आभार व्यक्त किया। शत्रुघन तिवारी ने बताया कि एक साधारण और गरीब परिवार से निकलकर आईपीएल तक का सफर तय करना आसान नहीं था, लेकिन कार्तिक की मेहनत और परिवार के संघर्ष ने इस सपने को हकीकत में बदल दिया।

निमोला मेला वार्षिक उत्सव आयोजन में उमड़े श्रद्धालु

टोंक, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पार्श्वनाथ मंदिर निमोला में भगवान चंद्र प्रभु एवं भगवान पार्श्वनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव अनेक धार्मिक कार्यक्रम के साथ मनाया गया। जिसमें मण्डल विधान आयोजित किया गया।

जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राजेश अरिहंत ने बताया कि जैन धर्म के आठवें तीर्थंकर भगवान चंद्र प्रभु एवं तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव पर श्रद्धालुओं ने अभिषेक एवं शांतिधारा की, इस दौरान विधानाचार्य पण्डित मनोज शास्त्री के मंत्रोच्चार द्वारा विधान मे नव देवता पूजा देव शास्त्र गुरु पूजा चंद्रप्रभु पूजा पार्श्वनाथ पूजा के साथ मण्डल विधान की पूजा अर्चना भक्ति भाव से की गई। वार्षिकोत्सव समारोह का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ किया गया।

जिसमें समाजसेवी प्रकाश चंद पटवारी पवन जैन, दिगम्बर जैन महासमिति टोंक संभाग की मंत्री रेखा जैन को ध्वजारोहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ चित्र अनावरण कर्ता महावीर प्रसाद गोयल प्रेम देवी दीप प्रज्वलन मधुबाला जैन बाबूलाल जैन विधान पुण्यार्जक आर्यिका कनक श्री महिला मंडल पुरानी टोंक आदिनाथ महिला मंडल टोंक के बीच संगीतकार कमलेश जैन पन्डेर ने भजनों की प्रस्तुतियां दी।

पॉलिसिस्टिक ओवेरियन डिजीज जागरूकता एवं निःशुल्क स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन

टोंक, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक के विभाग अमराज-ए-निसवां व कवालात व मानव संसाधन विकास केंद्र के संयोजन से राजकीय कन्या महाविद्यालय गुलजार बाग, टोंक में पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज विषय पर जागरूकता एवं निःशुल्क स्क्रीनिंग शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य किशोरियों एवं युवतियों में पीसीओडी की समय पर पहचान, रोकथाम तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। शिविर में मुख्य वक्ता डॉ. नाज़िया शमशाद ने पीसीओडी के कारण, लक्षण, हार्मोनल असंतुलन, आहार-विहार, व्यायाम एवं समय पर उपचार की महत्ता पर विस्तार से जानकारी प्रदान की उन्होंने बताया कि पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज जिसे पॉलीसिस्टिक अंडाशय रोग भी कहते हैं महिलाओं में होने वाली एक आम स्वास्थ्य समस्या है जिसमें अंडाशय अनियमित रूप से कार्य करते हैं जिससे अंडाशय में छोटी-छोटी गांठें (सिस्ट) बन जाती हैं, जिससे अनियमित मासिक धर्म, वजन बढ़ना और अन्य प्रजनन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इरशाद खान एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय, टोंक की प्राचार्य डॉ. सलोचना मीणा की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों ने महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐसे जागरूकता एवं स्क्रीनिंग शिविरों की निरंतर आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना भाजपा की संकीर्ण मानसिकता का प्रतीकः राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र में केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए 'विकसित भारत – रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) विधेयक 2025' ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। यह विधेयक मौजूदा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को पूरी तरह निरस्त कर एक नई योजना की नींव रखने का प्रस्ताव करता है। जहां सरकार इसे 'विकसित भारत 2047' के विजन से जोड़कर ग्रामीण विकास की मजबूती का दावा कर रही है, वहीं विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस, इसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अपमान और गरीबों के हितों पर प्रहार बता रहे हैं। हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष

राव नरेंद्र सिंह ने इस पर तीखा हमला बोलते हुए भाजपा की 'तुच्छ मानसिकता' को जिम्मेदार ठहराया है, और सवाल उठाया है – 'अब बापू से भी दिक्कत?' राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह विधेयक मनरेगा की जगह एक नई योजना लाने का प्रयास है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिनों तक करने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि सरकार का तर्क है कि यह बदलाव ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को साकार करेगा। हालांकि, यह मात्र नाम बदलने का खेल है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा, नाम बदलना मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने का तरीका है, ताकि लोग इसमें उलझे रहें। दुर्भाग्यपूर्ण है कि अब आपको महात्मा गांधी से भी दिक्कत हो गई है, आप उनका नाम हटा रहे हैं। उन्होंने योजना के फंडिंग मॉडल में बदलाव पर भी सवाल उठाया। पहले केंद्र सरकार 90 प्रतिशत फंड देती थी, जबकि राज्य 10 प्रतिशत, लेकिन नए विधेयक में इसे 60:40 के अनुपात में बदल दिया गया है।

सिंह ने चिंता जताई कि गरीब राज्य, जैसे बिहार या उत्तर प्रदेश, अतिरिक्त 30 प्रतिशत फंड कहां से जुटाएंगे? इससे योजना की प्रभावशीलता पर असर पड़ सकता है, और ग्रामीण गरीबों को रोजगार की गारंटी मिलना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा, सिंह ने मजदूरी दरों में वृद्धि न करने पर भी आपत्ति जताई। वर्तमान में मनरेगा के तहत औसत मजदूरी 200-300 रुपये प्रतिदिन है, जो मुद्रास्फीति को देखते हुए अपर्याप्त है। उन्होंने कहा कि 2006 में कांग्रेस सरकार ने मनरेगा को 100 दिनों के रोजगार गारंटी के साथ शुरू किया था, जो ग्रामीण भारत की क्रांति साबित हुई। उन्होंने नाम बदलने को 'राष्ट्रपिता का अपमान' करार दिया। मनरेगा गांधीजी के ग्राम स्वराज के सपने का प्रतीक है। नाम हटाना सिर्फ एक योजना का नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास के एक अध्याय को मिटाने की कोशिश है।

राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने पहले कई योजनाओं के नाम बदले हैं, जैसे इंदिरा आवास योजना को प्रधानमंत्री आवास योजना में बदलना, लेकिन गांधीजी का नाम हटाना एक नई निम्नता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा शुरू की गई मनरेगा ने ग्रामीण गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है – 2024 तक इसने 3 करोड़ से अधिक परिवारों को रोजगार प्रदान किया।

शीतकालीन सत्र के दौरान विधान सभा में सुरक्षा चाक-चौबंद करने के निर्देश

चंडीगढ़, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा के 18 दिसंबर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र के मद्देनजर विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मंगलवार को सुरक्षा संबंधी बैठक बुलाई। इस बैठक में उन्होंने सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने के लिए हरियाणा, पंजाब और यूटी चंडीगढ़ के शीर्ष अधिकारियों से ब्योरे पर चर्चा की। कल्याण ने इन अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि गत सत्रों से अनुभव में आ रहा है कि विधान सभा सत्र की कार्यवाही देखने के लिए स्कूल और कॉलेजों के विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है। इसके मद्देनजर छोटे-छोटे समूहों में व्यवस्थित करके अधिक से अधिक विद्यार्थियों को कार्यवाही दिखाने की व्यवस्था करें। उन्होंने अतिरिक्त मोबाइल शौचालयों का प्रबंध करने के भी निर्देश दिए। बैठक में तय हुआ कि विधान सभा के बजट सत्र के दौरान किसी भी अवांछित घटना को रोकने के लिए सुरक्षा प्रबंध पुख्ता किए जाएंगे। इसके लिए उन्होंने हरियाणा, पंजाब और यूटी चंडीगढ़ पुलिस के अधिकारियों की समन्वय कमेटी बनाने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से सत्रावधि के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी। किसी भी मामले में कार्रवाई के लिए चंडीगढ़ पुलिस भी मौके पर मौजूद रहेगी। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि विधान सभा परिसर और उसके आसपास वन्य जीवों से बचाव के लिए भी प्रबंध करने चाहिए। विधान सभा परिसर के बाहर किसी भी प्रकार के रोष प्रदर्शन की अनुमति नहीं रहेगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसके लिए पहले से पूरी तैयारी रखें। बैठक में तय हुआ है कि सत्र के दौरान किसी भी आम या खास को हथियार के साथ प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। इसके लिए विधान सभा सचिवालय की ओर से विधायकों को एक पत्र भी लिखा जा रहा है।

बैठक में गृह विभाग में अतिरिक्त सचिव आईएएस रेनु सेगन, हरियाणा पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह, एडीजीपी सीआईडी सौरभ सिंह, आईजी सुरक्षा आईपीएस पंकज नैन, सीआईएसएफ उपायुक्त नितिन कुमार, हरियाणा पुलिस में एसपी ला एंड ऑर्डर सिद्धार्थ ढांडा, चंडीगढ़ यूटी में एसडीएम नवीन समेत अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को अभियान के रूप में विस्तारित किया जाएगाः विज

चण्डीगढ, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य में 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफत बिजली योजना' को अभियान के रूप में विस्तारित किया जाएगा ताकि इस योजना को लागू करने में हरियाणा देशभर में अव्वल रहें और ज्यादा से ज्यादा घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित किए जा सकें। इस संबंध में विज ने कहा कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा पीएम सूर्य घर मुफत बिजली योजना को तेजी से विस्तारित करने के लिए निगरानी समितियों को गठन किया जाएगा। विज आज यहां चण्डीगढ में ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पीएम सूर्य घर मुफत बिजली योजना के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को तेजी से विस्तारित करने के लिए निगरानी समितियों को गठन किया जाएगा ताकि इस योजना के तहत रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापना की सभी प्रकार की जानकारी उपलब्ध हो सकें। इसके

अलावा, विज ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक घर में स्थापित होने वाले सोलर सिस्टम की जानकारी उन्हें ऑनलाईन उपलब्ध हो, इसके लिए ऑनलाईन प्रणाली विकसित की जाए ताकि यह पता चल सकें कि अब तक कितने डिवीजन, सर्कल इत्यादि में कितने रूफटॉप सोलर सिस्टम लग चुके हैं।

वहीं, दूसरी ओर बैठक में ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हरियाणा में ज्यादा से ज्यादा सोलर सिस्टम लगाने के लिए किसी समर्पित एजेंसी को रखा जा सकता है और इस संबंध में संभावनाएं तलाशी जाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा रूफटॉप सोलर सिस्टम यानि ग्रीन एनर्जी को स्थापित करने हेतू पात्र व्यक्तियों के घरों को कवर किया जा सकें। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की एजेंसी पात्र व्यक्तियों के घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगा सकती है और इस योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोडा जा सकता है।विज ने कहा कि इसके तहत रिवाल्विंग फण्ड (परिक्रामी निधि) रखा जा सकता है, जिस पर अधिकारियों ने ऊर्जा मंत्री को अवगत कराया कि इस बारे में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम को 100-100 करोड रूपए की राशि आंबटित की जाएगी और इस संबंध में सरकार से मंजूरी भी मिल चुकी है। इस फण्ड के आने से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को तेजी से विस्तारित किया जाएगा।

बैठक में ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव श्यामल मिश्रा ने ऊर्जा मंत्री को अवगत कराते हुए आश्वासन दिया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को तेजी से विस्तारित किया जाएगा और इस बारे में पूरी निगरानी भी रखी जाएगी।

हिजाब हटाना पहली घटना नहीं, इन वजहों से भी विवादों में रहे चुके हैं नीतीश कुमार

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।
बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार से तेजी से सुर्खियों में हैं, कारण है उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान एक मुस्लिम महिला का हिजाब अपने हाथों से हटा दिया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद विपक्षी पार्टियों ने मुख्यमंत्री के दिमागी हालत पर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिया कि नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह आचरण महिलाओं के सम्मान के खिलाफ है।

इस वीडियो पर कांग्रेस ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब राज्य का मुख्यमंत्री सार्वजनिक कार्यक्रम में ऐसे व्यवहार करे तो महिलाओं की सुरक्षा को लेकर क्या मैसेज जाएगा। कांग्रेस ने इस घटना को लेकर नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग की है।

दरअसल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने एक महिला डॉक्टर नुसरत परवीन को पहले नियुक्ति पत्र दिया लेकिन फिर उसे देखने लगे और महिला डॉक्टर से हिजाब के बारे में पूछा ये क्या है जी, महिला डॉक्टर ने जवाब दिया हिजाब है सर। नीतीश कुमार ने कहा हटाइए इसे, फिर जब तक महिला कुछ रिएक्ट करती मुख्यमंत्री ने खुद अपने हाथों से महिला का हिजाब खींच दिया।

इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री को रोकने का प्रयास में उनकी आस्तीन खींचते नजर आए। महिला हिजाब हटते ही असहज हो गयी, वही आसपास के लोग हंसते नजर आए। फिर कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने महिला को जाने का इशारा किया और फिर महिला वहां से चली गई।

हालांकि यह कोई पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार ने अचानक से कोई ऐसी हरकत की हो। इससे पहले ही नीतीश कुमार ने कई ऐसे विवाद वाले काम किए हैं।

इससे पहले नीतीश कुमार 13 दिसंबर को बिहार पुलिस एकाडमी राजगीर में 1218 ट्रेनी दरोगा के दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। यहां वे डिप्टी सीएम और कुछ मंत्रियों के साथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

परेड के निरीक्षण के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुली जीप में सवार होने वाले थे, जैसे ही वह जीप में सवार की बढ़े, उनकी नजर मंच पर बैठे डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और अन्य मंत्रियों पर पड़ी। फिर उन्होंने सम्राट चौधरी को बुलाते हुए कहा कि अरे आप भी आओ भाई चलो न। इसके बाद सम्राट चौधरी खुली जीप पर सवार हो गये। दरअसल यह वाकया इसलिए चर्चा में आया क्योंकि परंपरा के मुताबिक ऐसे समारोह में मुख्यमंत्री के साथ केवल पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीप में मौजूद होते हैं।

दो अक्टूबर को नीतीश कुमार भाजपा उम्मीदवार रमा निषाद के लिए चुनाव प्रचार करने मुजफ्फरपुर पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपना संबोधन किया और फिर आखिर में रमा निषाद को बुलाया। रमा जैसे ही मुख्यमंत्री के समीप पहुंची उन्होंने (नीतीश कुमार) उनके गले में फूलों की एक माला डाल दी।

पिछले अगस्त माह में सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम में मां जानकी मंदिर के पुनर्विकास परियोजना की आधारशिला रखने गृह मंत्री अमित शाह के साथ नीतीश कुमार भी पहुंचे थे। मंच पर जब पूजन प्रक्रिया शुरू हुई तो अमित शाह ने नीतीश कुमार को हाथ पकड़कर नीचे आसन पर बैठने का इशारा किया लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुस्कुराते हुए हाथ पीछे कर लिया और एक कुर्सी पर बैठ गये। इसके अलावा, जब पुजारियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तिलक लगाना चाहा तो उन्होंने अपना सिर पर पीछे कर लिया।

वहीं, मार्च माह में पटना के एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान शुरू होने वाला था, तो नीतीश ने उसे रुकवा दिया और फिर कहा कि पहले स्टेडियम का चक्कर लगाकर आते हैं फिर ये शुरू कीजिएगा। इसके बाद नीतीश जब स्टेडियम घूमकर आए तब राष्ट्रगान शुरू हुआ। हालांकि जब राष्ट्रगान बजा तो वह हाथ हिलाकर लोगों को अभिवादन करने लगे। यह देख प्रधान सचिव दीपक कुमार उन्हें रोकने की कोशिश करते रहे लेकिन नीतीश कुमार नहीं मानें और पत्रकारों को देखकर प्रणाम करने लगे।

उमर अब्दुल्ला के बयान पर गिरिराज सिंह का तीखा हमला, राहुल गांधी पर लगाए गंभीर आरोप

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बयान को लेकर देश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस और खासतौर पर राहुल गांधी पर कड़ा प्रहार किया है। एएनआई से बातचीत में गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी की अपनी अलग थेथर-लॉजी है। जिसके जरिए वे हर चुनावी हार के बाद सच्चाई से मुंह छिपाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी हार को स्वीकार करने के बजाय राहुल गांधी कार्यकर्ताओं को झूठा दिलासा देते हैं और हार का ठीकरा किसी दूसरे के सिर पर फोड़ देते हैं।

गिरिराज सिंह ने सवाल उठाया कि अगर कांग्रेस नेताओं में सच में हिम्मत है तो वे उमर अब्दुल्ला और सुप्रिया सुले जैसे नेताओं पर खुलकर टिप्पणी क्यों नहीं करते है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में चुनाव जीतती है। तब उन्हें वोट चोरी या चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं होता है। जैसे ही कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ता है, तो वैसे ही वोट चोरी और चुनावी गड़बड़ी के आरोप लगने लगते हैं।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि इस पार्टी ने सिर्फ वोट चोरी नहीं की है बल्कि वोट डकैती की राजनीति की है। उन्होंने कहा कि सुप्रिया सुले ने जो बात कही है वह पूरी तरह सही है और कांग्रेस को अपने अतीत को याद करना चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में हार-जीत सामान्य प्रक्रिया है। कांग्रेस नेतृत्व हार को स्वीकार करने की राजनीतिक परिपक्वता नहीं दिखा पा रहा है।

कांग्रेस की मेगा रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगाए गए नारों पर भी गिरिराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में ही गाली-गलौज और अपमानजनक भाषा की राजनीति को बढ़ावा दिया जाता है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ इस तरह की भाषा सैकड़ों बार इस्तेमाल की जा चुकी है। अब जनता इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। उनके मुताबिक अब देश की जनता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से माफी की मांग कर रही है।

वहीं, इस पूरे मामले पर आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा का भी बयान सामने आया है। मनोज झा ने उमर अब्दुल्ला के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि यह मुद्दा केवल किसी एक नेता या पार्टी तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि जब वोट चोरी और चुनाव आयोग की भूमिका की बात होती है तो उसका दायरा बहुत व्यापक होता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या देश में सभी दलों के लिए समान अवसर यानी लेवल प्लेइंग फील्ड मौजूद है या नहीं।

मनोज झा ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव केवल कहने की बात नहीं होनी चाहिए बल्कि उसके पीछे सत्य और निष्ठा का भाव भी दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा प्रतिमान है जिस पर हर राजनीतिक दल को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

संजय सरावगी बने बिहार भाजपा के नए अध्यक्ष

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।
भाजपा हाईकमान ने संजय सरावगी को बिहार का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। संजय सरावगी दरभंगा सदर से विधायक हैं। वो नीतीश कैबिनेट में मंत्री भी रह चुके हैं। संजय दरभंगा और मिथिला क्षेत्र में बीजेपी का चर्चित एवं पुराना चेहरा हैं। वह दरभंगा सदर विधानसभा से लगातार छह बार चुनाव जीतते आ रहे हैं।

संजय सरावगी वैश्य समुदाय से आते हैं। व्यापारी वर्ग में उनकी अच्छी पकड़ है। 2005 में उन्होंने पहली बार दरभंगा सदर से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता था तब से वे यहां से विधायक बनते आ रहे हैं। संजय सरावगी दरभंगा के गांधी चौक के रहने वाले हैं। उनका जन्म 28 अगस्त 1969 को हुआ था। उनके पिता का नाम परमेश्वर सरावगी है।

संजय सरावगी ने एमकॉम और एमबीए की पढ़ाई की है। वह छात्र जीवन से ही राजनीति से जुड़ गए। शुरुआत में बीजेपी की छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) का हिस्सा रहे। 1995 में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ली। 1 मार्च 2005, नवंबर 2005, 2010, 2015, 2020 और 2025 में बीजेपी के टिकट पर दरभंगा सदर से विधायक विधायक चुने गए।

सरावगी दरभंगा नगर निगम से वार्ड पार्षद भी रह चुके हैं। उनकी छवि साफ सुथरे नेता की रही है। दरभंगा शहर की जनता के बीच वह चर्चित चेहरा हैं। 2018 में विधानसभा की प्राकलन समिति का अध्यक्ष भी बनाया गया था।

थाने से महज 300 मीटर दूर युवक की गोली मारकर हत्या

बदमाश फरार, पुलिस जांच में जुटी

आलमगंज, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।
बिहार की राजधानी पटना में सोमवार (15 दिसंबर) की शाम एक अनजान युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना आलमगंज थाना से महज 300 मीटर की दूरी पर हुई है। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश वहां से आराम से फरार हो गए। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया कि पोस्टऑफिस के पास से कारतूस के कई खोखे के साथ ही जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं।

एफएसएल की टीम को बुलाया गया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, लेकिन अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

पटना सिटी के एसपी ने जानकारी देते हुए बताया, (15 दिसंबर) शाम को आलमगंज पोस्ट ऑफिस के पास एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। अभी तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है। डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। आसपास जो कैमरे लगे हुए हुए हैं उसे भी देखा जा रहा है।

पुलिस अधिकारी ने आगे कहा, मामले की जांच जारी है। किस वजह से ये हत्या हुई है, ये शव के पहचान के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। मृत युवक के पास से उसका मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है तो अभी हमलोग पहचान करने में लगे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि गोलीबारी की आवाज सुनते ही इलाके में हड़कंप मच गया और कई लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। पटना सिटी के एसपी परिचय कुमार ने आश्वासन दिया कि अपराधियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा और इस वारदात की पूरी जांच की जाएगी।

बिहार में खुलेंगे 8 नए मेडिकल कॉलेज! तीन साल में बनकर हो जाएंगे तैयार : सम्राट चौधरी

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।
बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार प्रत्येक नागरिक तक बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह बात एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित करना है। ताकि लोगों को इलाज के लिए बड़े शहरों या दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े।

सम्राट चौधरी ने कहा कि इसी सोच के तहत गया में महाबोधि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का उद्घाटन किया गया है। यह संस्थान न केवल गया जिले बल्कि आसपास के जिलों के लाखों लोगों के लिए भी एक बड़ी राहत साबित होगा। उन्होंने कहा कि सीमित समय में इस अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज का निर्माण राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और इच्छा शक्ति को दर्शाता है।

उपमुख्यमंत्री ने अपने बयान में बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था के पुराने हालात का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 1925 से 1989 के बीच राज्य में कई मेडिकल कॉलेजों की स्थापना हुई थी। 1989 से 2008 के लंबे दौर में एक भी नया मेडिकल कॉलेज नहीं खुल सका। उन्होंने कहा कि यही वह समय था, जब बिहार की स्वास्थ्य सेवाएं बदहाली का शिकार हो गई थीं और लोगों को बेहतर इलाज के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ता था। अब ऐसा नहीं होगा बिहार के लोगों को इलाज के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा।

सम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जब सुशासन की शुरुआत हुई, तब स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सरकारी और निजी क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना तेजी से हो रही है। उन्होंने ऐलान किया कि आने वाले तीन वर्षों में बिहार में आठ से अधिक नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। जिससे राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक मजबूत होंगी।

उन्होंने बताया कि गया का महाबोधि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल 650 बेड की क्षमता वाला अत्याधुनिक संस्थान है। यहां अनुभवी डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई है। ताकि मरीजों को चौबीसों घंटे गुण-वत्तापूर्ण इलाज मिल सके।

उपमुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि इस मेडिकल कॉलेज को 100 एमबीबीएस सीटों की मान्यता मिल चुकी है और शैक्षणिक सत्र के लिए छात्रों का नामांकन पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि इससे बिहार के युवाओं को मेडिकल की पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों में भटकना नहीं पड़ेगा।

सम्राट चौधरी ने विश्वास जताया कि महाबोधि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल आने वाले समय में चिकित्सा शिक्षा, शोध और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक आदर्श संस्थान बनेगा और बिहार के स्वास्थ्य ढांचे को नई मजबूती प्रदान करेगा।

ईवीएम हटना लोकतंत्र के लिए खतरनाक, बिहार चुनाव सुधार पर संजय कुमार झा का आरोप

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)।
राज्यसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा के दौरान जेडीयू के सांसद संजय कुमार झा ने ईवीएम का जोरदार समर्थन किया। उन्होंने कहा कि बिहार में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव ईवीएम की वजह से ही संभव हो पाए हैं। इसलिए ईवीएम को कभी भी हटाया नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार का चुनावी इतिहास इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि तकनीक ने लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया है।

संजय कुमार झा ने रिकॉर्ड का हवाला देते हुए बताया कि देश में सबसे पहली बूथ कैप्चरिंग की घटना बिहार में ही हुई थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1957 में बेगूसराय में कांग्रेस शासन के दौरान बूथ कैप्चरिंग हुई थी। जब कांग्रेस उम्मीदवार सरयू प्रसाद सिंह के पक्ष में मतदान केंद्र पर कब्जा किया गया। उन्होंने कहा कि उस दौर में चुनाव प्रचार के बजट में गुंडों, गोली और बम के लिए भी अलग से पैसा रखा जाता था।

कांग्रेस ने 2005 में खुद की थी वोट चोरी- संजय कुमार झा

जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि आज जो लोग वोट चोरी की बात कर रहे हैं, उन्हें बिहार के इतिहास को याद करना चाहिए। उन्होंने वर्ष 2005 की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय तो पूरे वोट की ही चोरी कर ली गई थी। उन्होंने बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान आधी रात को बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई। रात 12 बजे कैबिनेट की बैठक हुई, राष्ट्रपति उस समय मॉस्को में थे और फैक्स के जरिए राष्ट्रपति शासन के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाए गए। उन्होंने कहा कि जिन विधायकों ने चुनाव जीता था, वे शपथ तक नहीं ले पाए।

संजय कुमार झा ने वोट चोरी के आरोपों को पूरी तरह झूठा बताते हुए कहा कि बिहार के चुनावों में सच्चाई सबके सामने आ चुकी है। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार में यह प्रक्रिया पहले भी हो चुकी है। वर्ष 2003 में जब इतनी आधुनिक तकनीक नहीं थी, तब भी केवल एक महीने में एसआईआर पूरा कर लिया गया था।

उन्होंने कहा कि चुनाव सुधार का कोई भी प्रयास तब तक अधूरा रहेगा, जब तक मतदाता सूची पूरी तरह स्वच्छ नहीं होगी। एसआईआर की प्रक्रिया में सभी राजनीतिक दलों को शामिल किया गया था और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही। उन्होंने कहा कि कहीं से भी कोई गंभीर शिकायत सामने नहीं आई। इसके बावजूद विपक्ष ने बिहार में यात्रा निकाली। उन्होंने जहां-जहां यह यात्रा निकाली वहां कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया।

संजय कुमार झा ने बताया कि बिहार में कांग्रेस शासन के दौरान बूथ कैप्चरिंग की जाती थी। एक जिले के लोग दूसरे जिले में जाकर पूरी तैयारी के साथ मतदान केंद्रों पर कब्जा करते थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 में जब केजे राव को चुनाव की जिम्मेदारी दी गई। तब पहली बार बिहार के लोगों ने निष्पक्ष चुनाव देखा और लाइन में लगकर ईवीएम से वोट डाला।

उन्होंने यह भी बताया कि बिहार में जिन 65 लाख वोटों को हटाया उनमें से लगभग 40 प्रतिशत वोटर्स ऐसे थे, जिनकी 2003 से 2025 के बीच मृत्यु हो चुकी थी या जो पलायन कर चुके थे। संजय कुमार झा ने दोहराया कि ईवीएम के कारण ही बिहार में निष्पक्ष चुनाव संभव हुए हैं और वे इसके प्रबल समर्थक हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.